A Daily News Magazine
भोपाल
शनिवार, 10 जनवरी, 2026

भोपाल एवं इंदौर से एक साथ प्रकाशित
वर्ष 23, अंक 130, नगर संस्करण, पृष्ठ 8, मूल्य रू. 2

सुबह सवेरे

subahsaverenews@gmail.com
facebook.com/subahsaverenews
www.subahsavere.news
twitter.com/subahsaverenews

प्रसंगवश

विकास का नया रास्ताः भारत के आर्थिक मॉडल में संस्कृति की एंट्री...

गोपाल कृष्ण अग्रवाल

भारत की सांस्कृतिक संपदा की वास्तविक आर्थिक क्षमता को अभी तक पूरी तरह समझा नहीं गया है। भारत एक जीवंत संस्कृति है, जो देश की 140 करोड़ जनता के जीवन का हिस्सा है। यह किसी संग्रहालय में रखी जाने वाली वस्तु नहीं है, बल्कि इसे देश के हर क्षेत्र में लोगों की दैनिक गतिविधियों का हिस्सा बनाया जाना चाहिए।

इस सांस्कृतिक संपदा का अध्ययन करने और उसका सही दोहन करने के लिए एक व्यवस्थित कार्ययोजना की ज़रूरत है। सांस्कृतिक अर्थव्यवस्था को भारत के विकास मॉडल के रूप में आगे बढ़ाने के लिए समान विचारधारा वाले लोगों और संगठनों को साथ लाना समय की मांग है। भारतीय परंपरा हमारे जीवन में अनुशासन और नैतिक जिम्मेदारी बनाए रखती है। यह एक ऐसे संतुलित समाज की कल्पना करती है, जहां आध्यात्मिकता और आर्थिक समृद्धि एक साथ मौजूद हों और मानवता को उज्ज्वल व सामंजस्यपूर्ण भविष्य की ओर ले जाएं।

सांस्कृतिक अर्थव्यवस्था की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि यह किसी 'ट्रिकल-डाउन थ्योरी' पर आधारित नहीं है, जहां अमीरों को मिला लाभ धीरे-धीरे नीचे तक पहुंचे। इसके उलट, यह एक बॉटम-अप अप्रोच है, जिसमें देश के हर क्षेत्र के लोग बढ़ी हुई आर्थिक गतिविधियों के प्रत्यक्ष लाभार्थी बनते हैं।

साल 2019 में प्रयागराज कुंभ मेले के सफल आयोजन ने यह स्पष्ट किया कि हमारी सभ्यतागत संपदा में कितनी बड़ी आर्थिक संभावना छिपी हुई है। इस दिशा में और ठोस काम करना होगा।

अगर हम वेनिस या दुनिया के अन्य प्रमुख स्थलों को देखें, तो वहां पहले आर्थिक गतिविधियां फली-फूलीं और फिर कला, संगीत, नृत्य, भोजन और त्योहारों में निवेश बढ़ा। कई देशों में आर्थिक सफलता ने सांस्कृतिक विस्तार का रास्ता खोला।

भारत का अनुभव इससे अलग है। यहां सांस्कृतिक धरोहर ने आर्थिक विकास को गति दी है। अयोध्या और कुंभ मेले जैसे उदाहरण बताते हैं कि संस्कृति किस तरह आर्थिक परिवर्तन का माध्यम बन सकती है। अयोध्या में आज बड़े पैमाने पर आर्थिक बदलाव दिखाई दे रहा है। अगर संस्कृति और अर्थव्यवस्था भारत में समन्वित तरीके से विकसित हों, तो देश आर्थिक रूप से मजबूत, सांस्कृतिक रूप से समृद्ध और समग्र रूप से विकसित बन सकता है।

किसी भी अवधारणा को सफल बनाने के लिए उसके चारों ओर एक पारिस्थितिकी तंत्र बनाना ज़रूरी होता है। भारत में स्टार्टअप्स के सफल होने का कारण यही है कि सरकार ने कानूनों और कर लाभों में बदलाव कर उनके लिए एक मजबूत इकोसिस्टम तैयार किया।

सांस्कृतिक अर्थव्यवस्था के लिए भी ऐसा ही पारिस्थितिकी तंत्र चाहिए, जिसमें नागरिकों के साथ-साथ सरकार की भूमिका अहम हो। वर्ल्ड इकोनॉमिक फोरम (WEF) की एक रिपोर्ट के अनुसार, 2024 में भारत यात्रा और पर्यटन के क्षेत्र में 30वें स्थान पर है। रिपोर्ट यह भी बताती है कि भारत प्राकृतिक संसाधनों में 6वें, सांस्कृतिक संसाधनों में 9वें और मूल्य प्रतिस्पर्धा में 18वें स्थान पर है।

यह साफ दिखाता है कि भारत की सांस्कृतिक गतिविधियों का मूल्यांकन और मुद्रीकरण अभी ठीक से संरचित नहीं है। इसी वजह से कई त्योहारों, मंदिरों और सांस्कृतिक पहलों को वह वित्तीय सहयोग नहीं मिल पाता, जिसके वे हकदार हैं। मोदी सरकार का लक्ष्य इन गतिविधियों के लिए एक निष्पक्ष और संरचित मूल्यांकन प्रणाली तैयार करना है।

एक अन्य रिपोर्ट बताती है कि सांस्कृतिक क्षेत्र में काम करने वाले वैश्विक संगठनों में से केवल 20 प्रतिशत ही खुद को आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर मानते हैं। यह आंकड़ा इस बात की ओर इशारा करता है कि सांस्कृतिक गतिविधियों को मजबूत आर्थिक आधार देने की ज़रूरत है।

इन विचारों को नीतिगत सुझावों में बदलना ज़रूरी है। इसके लिए डेटा-आधारित निर्णय अहम हैं, क्योंकि ठोस डेटा और शोध के बिना चर्चाएं सिर्फ सैद्धांतिक रह जाती हैं। वास्तविक डेटा एकत्र करना, रुझानों का विश्लेषण करना और सांस्कृतिक आर्थिक विकास के लिए संरचित मॉडल बनाना ज़रूरी है। हालांकि, कई सरकारी योजनाएं मौजूद हैं, लेकिन उनकी जानकारी और पहुंच सीमित है। कलाकारों, सांस्कृतिक उद्यमियों और संस्थानों को इन योजनाओं से जोड़कर इस अंतर को पाटना होगा। इससे इन गतिविधियों का वित्तीय पोषण और बेहतर कार्यान्वयन संभव हो पाएगा।

हमारे रोडमैप में सांस्कृतिक अर्थशास्त्र को शासन के पारिस्थितिकी तंत्र का हिस्सा बनाना शामिल है। इससे विभिन्न राज्यों की सांस्कृतिक क्षमता को बढ़ावा मिलेगा। सरकार का सार्थक हस्तक्षेप भारतीय कारीगरों को घरेलू और अंतरराष्ट्रीय बाज़ारों तक पहुंच दिला सकता है। भारतीय कारीगरों का संरक्षण और संवर्धन हमारे सुझावों का अहम पहलू है। यह विकेंद्रीकृत आर्थिक मॉडल भारत जैसे विविध और विशाल देश के लिए बेहद ज़रूरी है। इससे बड़े पैमाने पर श्रमिकों के पलायन को रोकने में भी मदद मिलेगी। सांस्कृतिक अर्थतंत्र मंदिरों के पुनरुद्धार के साथ-साथ लोक नृत्य, संगीत और स्थानीय रंगमंच को भी नई ऊर्जा देगा। आर्थिक विकास के लिए उत्प्रेरकों की ज़रूरत होती है और यह पारिस्थितिकी तंत्र विकसित भारत के लिए ऐसा ही उत्प्रेरक साबित हो सकता है। संस्कृति का सीधा संबंध भले ही यात्रा और पर्यटन से हो, लेकिन इसके ज़रिए आर्थिक विकास के और भी कई रास्ते खुलते हैं। भारत का सांस्कृतिक आर्थिक विकास मॉडल वैश्विक स्तर पर सामाजिक, सांस्कृतिक और आर्थिक विकास की एक महत्वपूर्ण केस स्टडी बन सकता है।

प्रधानमंत्री मोदी का स्पष्ट विज़न है कि भारत की सांस्कृतिक विरासत हमारी अर्थव्यवस्था का एक महत्वपूर्ण आधार है। अयोध्या में राम मंदिर का निर्माण, काशी विश्वनाथ और उज्जैन महाकाल मंदिर कॉरिडोर, कुंभ मेले को नया स्वरूप देना और दुनिया भर में तमिल संस्कृति केंद्र स्थापित करना इसी विज़न की कड़ियां हैं। जी20 के आयोजन ने भी दुनिया के सामने भारत की विविध और जीवंत सांस्कृतिक विरासत को प्रभावशाली ढंग से प्रस्तुत किया। भारतीय संस्कृति हमारी सॉफ्ट पावर है, जैसा प्रभाव आयुर्वेद और योग के जरिए पहले ही दुनिया में दिख चुका है। अब यह सुनिश्चित करना होगा कि इन सांस्कृतिक गतिविधियों से होने वाला आर्थिक लाभ सीधे देश की जनता तक पहुंचे।

प्रधानमंत्री का स्वदेशी का आह्वान दरअसल औपनिवेशिक मानसिकता से बाहर निकलने का आह्वान है। हज़ार साल की गुलामी के बाद भारत का सांस्कृतिक पुनर्जागरण हो रहा है। अगर हम अपनी कला और संस्कृति को जानें, उस पर गर्व करें और स्वदेशी अपनाएं, तो विकसित भारत के संकल्प को पूरा करने में निर्णायक योगदान दे सकते हैं।

(दि प्रिंट हिंदी में प्रकाशित लेख के संपादित अंश)

मोदी ने ट्रम्प को कॉल नहीं किया, इसलिए रुकी ट्रेड-डील

अमेरिकी कॉमर्स मिनिस्टर बोले-ट्रम्प ने ईगो पर लिया, अब पुराने ऑफर खत्म

वॉशिंगटन (एजेंसी)। अमेरिकी वाणिज्य मंत्री हॉवर्ड लुटनिक ने दावा किया है कि भारत के साथ डील किसी पॉलिसी विवाद की वजह से नहीं रुकी है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प को सीधे फोन न करना इसकी वजह है। लुटनिक के मुताबिक ट्रम्प चाहते थे कि मोदी खुद उनसे बात करके डील फाइनल करें, लेकिन ऐसा न होने पर ट्रम्प ने इसे अपने 'ईगो' पर ले लिया। एक पॉडकास्ट में लुटनिक ने बताया कि भारत के साथ ट्रेड डील लगभग पूरी हो चुकी थी। भारत को बातचीत फाइनल करने के लिए 'तीन शुक्रवार' का समय दिया गया था। लुटनिक ने कहा,पूरी डील सेट थी, ट्रम्प खुद इसे क्लोज करना चाहते थे। इसके लिए बस मोदी को राष्ट्रपति को कॉल करना था। भारतीय पक्ष ऐसा करने में असहज था और मोदी ने कॉल नहीं किया।

अब पुराने ऑफर मेज पर नहीं, अमेरिका पीछे हटा

भारत के लिए सबसे बड़ी चिंता की बात यह है कि जो शर्तें पहले तय हुई थीं, अब वे खत्म हो चुकी हैं। लुटनिक ने साफ कहा, अमेरिका अब उस ट्रेड डील से पीछे हट गया है, जिस पर हम पहले सहमत हुए थे। हम अब उस पुराने ऑफर के बारे में नहीं सोच रहे हैं। उन्होंने संकेत दिया कि अगर अब बातचीत होती है, तो भारत को नई और शायद कठिन शर्तों का सामना करना पड़ सकता है। रिपोर्ट्स के मुताबिक,पिछले साल जुलाई में ट्रम्प ने पीएम मोदी को 'चार बार' कॉल किया था, लेकिन मोदी ने बात करने से इनकार कर दिया था।

● **ईगो की लड़ाई और 50 फीसदी टैरिफ का बोझ–** जानकारों का मानना है कि भारत को ट्रम्प के 'ईगो' को ठेस पहुंचने का खामियाजा भुगतना पड़ा। भारत द्वारा रूस से तेल खरीदने पर ट्रम्प ने टैरिफ पहले 25 फीसदी और फिर इसे बढ़ाकर 50 फीसदी कर दिया। हालांकि, 17 सितंबर को मोदी के जन्मदिन पर ट्रम्प के कॉल के बाद बर्फ कुछ पिघली। दोनों नेताओं ने दीवाली और दिसंबर में भी बात की है, लेकिन ट्रेड डील अभी भी अधर में है। अमेरिका ने भारत पर कुल 50 फीसदी टैरिफ लगाया है। इसमें से 25 फीसदी को वह 'रेसिप्रोकल (जैसे को तैसा) टैरिफ' कहता है। जबकि 25 फीसदी रूसी तेल खरीदने की वजह से लगाया गया है। अमेरिका रूस का विरोध कर रहा।

मुख्यमंत्री ने किया सीधी जिले में 201 करोड़ रूपए के 209 विकास कार्यों का भूमिपूजन एवं लोकार्पण

प्रदेश के विकास और कल्याण के लिए जनता का अटूट विश्वास ही हमारी ताकत : मुख्यमंत्री

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि सबके सहयोग से हम एक नया मध्यप्रदेश गढ़ने जा रहे हैं। विकसित मध्यप्रदेश के लिए गांव, गरीबों, किसानों, युवाओं, महिलाओं, सभी को आत्मनिर्भर, सशक्त और समृद्ध बनाना जरूरी है और हम इसी दिशा में मिशन मोड में आगे बढ़ रहे हैं। उन्होंने कहा कि हम प्रदेश के किसी भी क्षेत्र को विकास से वंचित नहीं रहने देंगे। विकास की राह पर हम सब मिलकर आगे बढ़ेंगे।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव शुक्रवार को सीधी जिले की सिंहावल विधानसभा क्षेत्र के तहसील मुख्यालय बहरी में विभिन्न शासकीय विभागों के हितग्राहियों के प्रशिक्षण सह उनमुखीकरण कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि जनता का सरकार पर अटूट विश्वास ही हमें प्रदेश के समग्र विकास और कल्याण के लिए नई ऊर्जा और ताकत देता है। नए विकास कार्यों और नवरोजगार सृजन से हम प्रदेश की अर्थव्यवस्था को स्थायी मजबूती देने के लिए हर जरूरी प्रयास कर रहे हैं। इस मौके पर मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने ग्राम बहरी से ही सीधी जिले के लिए 201 करोड़ 64 लाख रूपए की लागत वाले कुल 209 विकास कार्यों का भूमिपूजन एवं लोकार्पण किया। इसके अतिरिक्त 11 करोड़ 58 लाख रूपए की लागत से एक बगिया माँ के नाम के अंतर्गत 505 कार्यों का भी शुभारंभ किया गया। मुख्यमंत्री ने 133 करोड़ 62 लाख रूपए के 30 विकास कार्यों का भूमिपूजन एवं 68 करोड़ रूपए से अधिक की लागत वाले 179 विकास कार्यों का लोकार्पण कर सीधी जिलेवासियों को कई निर्माण कार्यों की सौगातें दीं।

स्थानीय जनप्रतिनिधियों की मांग पर मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बहरी में नया कॉलेज खोलने की घोषणा की। यह कॉलेज अगले सत्र से ही प्रारंभ किया जाएगा। मुख्यमंत्री ने ग्राम बहरी से चुरहट तक 129 करोड़ की लागत से 64.54 कि.मी. लंबे टू-लेन रोड निर्माण की भी घोषणा इस मौके पर की। उन्होंने सिंहावल और देवसर के महाविद्यालयों में विज्ञान और वाणिज्य संकाय की कक्षाएं प्रारंभ करने की घोषणा की। मुख्यमंत्री ने सिंहावल में वर्तमान में संचालित पार्ट टाइम एडिशनल कलेक्टर कोर्ट को अब फुल टाइम संचालित किए जाने की घोषणा की। साथ ही सीधी जिले की गोपद नदी पर 500 मीटर लंबा एक नया पुल तथा महान नदी पर रपटा बनवाने की घोषणा भी की।

मुख्यमंत्री ने प्रदर्शनी का किया अवलोकन

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने सीधी जिले के बहरी में आयोजित विभिन्न विभागों के हितग्राहियों के प्रशिक्षण सह उन्मुखीकरण कार्यक्रम एवं विकास कार्यों के लोकार्पण व शिलान्यास समारोह के दौरान कार्यक्रम स्थल पर विभिन्न विभागों द्वारा लगाई गई प्रदर्शनी का अवलोकन किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने महिला स्व-सहायता समूह के हितग्राहियों से संवाद किया तथा उनके द्वारा बनाए गए लड्डू का भी स्वाद लिया और प्रशंसा की। मुख्यमंत्री ने जिले के प्रभारी मंत्री को भी स्वसहायता समूह द्वारा निर्मित लड्डू खिलाए।

शरद की सुबह

शपथ है हिंदी में, हिंदी की
जो कुछ कहूँगा, सच्चे अंदाज़ में कहूँगा
मदिरापान करते हुए मेला लगाऊँगा
निषिद्धताओं पर भूरे-भूरे प्रवचन दूँगा
मनगढ़ंत कथाएं गढ़ूँगा, चाहे जितनी
झूठ और फ़रेब और कपट से छलछलाती
अजूबा हो जाऊँगा बेमतलब ही
चीज़ों के बदलूँगा नाम क्रमशः और पुनः
उत्तरोत्तर अफ़लातून कहलाऊँगा
कहूँगा बच्चों से बार-बार कहूँगा यही-यही
अपनी ज़ुबान, अपनी भाषा, अपने रौब में
बचाते हुए नज़रें, मातृभाषा में कहूँगा
सीखें बार-बार सीखें शपथ ले लें
अच्छी है हिंदी, सरल है, सच्ची है हिंदी
कमी है यही कि किसी काम की नहीं है
दो दुनिया में, दो रोटी, दो दाम की नहीं है
घर के घर में भी बदनाम ही रही है
बस पीटते रहो ढ़ोल, खोजते रहो पोल
और बोलते रहो मनमर्ज़ी के लंपट बोल
हिंदी इज़ ए वैरी फ़न्नी लेंग्वेज़
रद्दी भी अंग्रेज़ी की बिकती है महँगी
दोहराऊँगा, कमोबेश यही सब दोहराऊँगा
पादुका? उठाई हैं, पादुकाएं उठाऊँगा
यहाँ-वहाँ बनाऊँगा ख़ास वातावरण स्वैग
सर्कस हो जाऊँगा, जोकर कहलाऊँगा
शपथ है हिंदी में, हिंदी की।

- राजकुमार कुंभज

हिमाचल के सिरमौर में भीषण सड़क हादसा

बस खाई में गिरी, 12 लोगों की मौत, कई जख्मी

नाहन (एजेंसी)। हिमाचल प्रदेश के सिरमौर जिले बड़ा हादसा हुआ है। जिले के रेणुकाजी विधानसभा क्षेत्र में शुक्रवार को एक भयानक सड़क हादसे में कम से कम 12 लोगों की जान चली गई। वहीं पांच लोगों के घायल होने की खबर है। सभी घायलों को नजदीक के अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

यह हादसा तब हुआ जब जीत कोच की एक प्राइवेट बस हरिपुरधार बाजार के पास सड़क से फिसलकर लगभग 100 से 200 फीट गहरी खाई में गिर गई। मिली जानकारी के मुताबिक, यह प्राइवेट बस कुपवी से शिमला जा रही थी। बताया जा रहा है कि हादसे के समय बस यात्रियों से भरी हुई थी। हादसा इतना भयावह है कि बस किसी धातु के मलबे में बदल गई है।

इससे इलाके में तुरंत अफरा-तफरी और दहशत फैल गई। हादसा देखकर स्थानीय लोगों की भारी भीड़ मौके पर पहुंची और फौरन बचाव अभियान शुरू कर दिया। उन्होंने आधिकारिक टीमों के पहुंचने से पहले ही मलबे से पीड़ितों को बाहर निकाल लिया।

योगी राजनीति ही नहीं, अर्थशास्त्र के भी मास्टर

● राजनाथ सिंह बोले-यूपी की पहली ई-बस फैक्ट्री शुरू ● कहा-दुनिया अब कान खोलकर भारत को सुनती है

लखनऊ (एजेंसी)। लखनऊ में अशोक लीलैंड के इलेक्ट्रिक वाहन (ईवी) मैन्युफैक्चरिंग प्लांट की शुरुआत हो गई है। इस दौरान रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने योगी की जमकर तारीफ की। कहा- मैं समझता था कि योगी राजनीति के माहिर हैं, लेकिन अब मैं यह जान चुका हूं कि वे अर्थशास्त्र के भी माहिर हैं। कैसे इन्वेस्टमेंट लाना है, कैसे मुनाफा कमाना है, यह कला आपको अच्छी तरह से मालूम है। इससे पहले उन्होंने योगी और केंद्रीय मंत्री एचडी कुमारस्वामी के साथ फैक्ट्री का उद्घाटन किया। योगी ने कहा- 2017 से पहले प्रदेश की क्या हालत थी, सभी जानते हैं। हर तरफ अराजकता फैली थी। यूपी पहचान का मोहताज था। आज उपद्रव नहीं, बल्कि उत्सव का माहौल है। पिछले 8 सालों में कोई दंगा नहीं हुआ। सीएम ने कहा- यूपी अब उत्सव का प्रदेश है। कोई महीना या कोई हफ्ता नहीं है, जब यहां कोई न कोई उत्सव न होता हो। अब यूपी बीमारू राज्य नहीं है।

सबसे ज्यादा रेवेन्यू वाला प्रदेश है। इससे पहले योगी ने फैक्ट्री में ई-बसों को अंदर से देखा। राजनाथ और कुमारस्वामी के साथ बस में सफर भी किया। इसके बाद सभी मंच पर आए। हिंदुजा ग्रुप और अशोक लीलैंड के सफर पर मूवी दिखाई गई। फैक्ट्री सरोजनी नगर में करीब 70 एकड़ क्षेत्रफल में बनी है। इसका निर्माण 16 महीने में किया गया है।

ब्रह्मोस का कारनामा 'ऑपरेशन सिंदूर' में देखा

राजनाथ ने कहा– मैं हिंदुजा ग्रुप से कहूंगा कि आप भले लखनऊ के न हो, लेकिन लखनऊ के लोग आपको अपना ही मानेंगे। ये यहां का स्वभाव है। जो यहां आता है, यहीं का हो जाता है और जब योगी आदित्यनाथ जैसा व्यक्ति मिल जाए तो ये और बेहतर हो जाता है। उन्होंने यहां प्रेरणा स्थल के रूप में अद्भुत काम करवाया है। लोगों को वहां जाना चाहिए। राजनाथ ने कहा– डिफेंस सेक्टर में भी लखनऊ में काफी काम हो रहा। ब्रह्मोस फैक्ट्री यहां लगी है। ब्रह्मोस का कारनामा अपने ऑपरेशन सिंदूर में देखा होगा। हमारा भारत अब कमजोर नहीं है। भारत अब अपने हथियार खुद बनाएगा। मैं योगीजी की सराहना करता हूं और इनके कार्यकाल में यूपी की तस्वीर बदली है और ये अपने में मिसाल है।

सुबह सवेरे
भोपाल ■ शनिवार, 10 जनवरी 2026

जो अग्नि हमें गर्मी देती है, हमें नष्ट भी कर सकती है; यह अग्नि का दोष नहीं है।

चाणक्य नीति

राजस्थान में अब नहीं होगा बुलडोजर ऐक्शन!

● हाईकोर्ट की सख्ती, भजनलाल सरकार हुई तलब

जयपुर (एजेंसी)। राजस्थान हाईकोर्ट ने फागी-दूदू सड़क मार्ग की चौड़ाई बढ़ाने और सौंदर्यीकरण के मामले में नया अपडेट आया है। इस मामले में राज्य सरकार से जवाब तलब किया है। नगरपालिका फागी की ओर से बिना नोटिस दिए पट्टे निरस्त करने और संपत्तियों को तोड़ने के आदेश के खिलाफ स्थानीय लोगों ने हाईकोर्ट में याचिका दायर की थी। इस पर सुनवाई करते हुए न्यायधीश ने संबंधित अधिकारियों को नोटिस जारी किए हैं। जस्टिस अनुरूप सिंघी की

एकलपीठ ने मामले को गंभीर मानते हुए सरकार से जवाब मांगा है। हाईकोर्ट ने प्रमुख स्थानीय निकाय सचिव, सार्वजनिक निर्माण विभाग के सचिव, फागी उपखंड अधिकारी, नगर पालिका फागी के अधिशासी अधिकारी सहित अन्य अधिकारियों को 13 जनवरी तक जवाब दाखिल करने के निर्देश दिए हैं। साथ ही अदालत ने स्पष्ट आदेश दिया है कि अगली सुनवाई तक याचिकाकर्ताओं की संपत्तियों पर किसी भी प्रकार की तोड़फोड़ की कार्रवाई नहीं की जाएगी। याचिकाकर्ताओं की ओर से एडवोकेट लक्ष्मीकांत शर्मा मालपुरा ने कोर्ट के समक्ष पक्ष रखा है। याचिकाकर्ताओं की ओर से एडवोकेट लक्ष्मीकांत शर्मा मालपुरा ने कोर्ट को बताया कि याचिकाकर्ताओं के पास करीब 60 वर्ष पुराने वैध पट्टे हैं।

पत्नी और बच्चों ने ईसाई धर्म अपना लिया

अशोकनगर में पति की शिकायत दो महिलाओं के खिलाफ एफआईआर

अशोकनगर (नप्र)। मध्यप्रदेश के अशोकनगर जिले में एक हिंदू परिवार ने धर्म परिवर्तन किया है। मामला सामने आने के बाद प्रशासन की टीम हरकत में आई है। व्यक्ति की शिकायत पर पुलिस ने शिवपुरी की दो महिलाओं सहित अन्य अज्ञात पर मामला दर्ज कर जांच में लिया है।

चंदेरी क्षेत्र का है मामला

मामला थाना चंदेरी क्षेत्र का है, जहां ग्राम हंसारी के अखिलेश पुत्र खलक सिंह पंथी उम्र 42 साल जाति कोली ने गुरुवार को थाने में शिकायत दर्ज कराई। उन्होंने बताया कि करीब 7-8 महीने पहले मेरी मौसी की लड़की मिनी और मामा की लड़की रक्षा ने ईसाई धर्म अपनाया था। दोनों मुझे और मेरे परिवार से मिली थी। इस दौरान दोनों हिंदू धर्म छोड़कर ईसाई धर्म अपनाने के लिए कहा था।

घर में हो गया झगड़ा

इसी वजह से परिवार में क्लेश हो गया। मेरी पत्नी और बच्चे ने हिंदू धर्म छोड़ दिया। साथ ही ईसाई धर्म मानने लगे। मुझ पर भी ईसाई धर्म अपनाने के लिए दबाव बनाने लगे। अखिलेश के आवेदन पर पुलिस ने मिनी कोली और रक्षा कोली के विरूद्ध अपराध धारा 3/5 म.प्र. धर्म स्वतंत्रता अधिनियम 2021 का अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया है। अन्य लोगों को भी आरोपी बनाया गया है।

पैसों का देते हैं प्रलोभन

शिकायतकर्ता ने आवेदन में बताया कि मिनी और रक्षा के द्वारा भी मुझे बताया गया कि ईसाई धर्म की कई संस्थाओं के द्वारा तुम्हें और तुम्हारे परिवार को काफी लाभ और रुपया-पैसा मिलेगा। साथ ही बार- बार ईसाई धर्म से जुड़े लोग फोन पर मीटिंग करके लोगों को धर्म परिवर्तन के लिए प्रेरित करते हैं। वहीं, शिकायत के बाद प्रशासनिक गलियारे में हड़कंप मच गया है। पुलिस मामले की जांच में जुट गई है। साथ ही यह भी पता लगा रही है कि इन महिलाओं ने और किन-किन लोगों का धर्म परिवर्तन करवाया है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने पुरातत्व, दस्तावेज प्रबंधन और संग्रहालयों पर केन्द्रित प्रदर्शनी का किया शुभारंभ

पुरातत्वविद् डॉ. वाकणकर ने पुरातत्व को बनाया जन आंदोलन: मुख्यमंत्री

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि सुप्रसिद्ध पुरातत्वविद् डॉ. विष्णु श्रीधर वाकणकर का भारतीय पुरातत्व के क्षेत्र में अविस्मरणीय योगदान रहा है। पुरातत्वविद् डॉ. वाकणकर ने पुरातत्व को जन आंदोलन बना दिया था। यह उनके व्यक्तित्व और संप्रेषण का ही प्रभाव था कि उज्जैन का जन-जन अपने परिवेश को पुरातत्व की दृष्टि से देखने लगा था। पुरातत्व को लोक रुचि का विषय बनाने का डॉ. वाकणकर का प्रयास अद्भुत और अनुकरणीय था। पुरातत्वविद् डॉ. वाकणकर अनेक प्रतिभाओं के धनी थे। उन्होंने सितार वादन, मूर्ति कला, चित्रकला, काव्य लेखन एवं संगीत के माध्यम से भारतीय संस्कृतिक विरासत को आगे बढ़ाया। पुरातत्वविद् डॉ. वाकणकर के परिश्रम और प्रयासों से काल गणना के केंद्र डोंगला की खोज हुई। उन्होंने बताया कि पृथ्वी की दीर्घकालीन घूर्णन धुरी में परिवर्तन के कारण उज्जैन में होने वाला शून्य देशांतर-रेखा और कर्क रेखा का मिलन उत्तर की ओर खिसक कर डोंगला में हुआ। पुरातत्वविद् डॉ. वाकणकर ने उज्जैन क्षेत्र में गहन सर्वेक्षण किया था। शंकु की सहायता से उन्होंने कर्क रेखा की नई स्थिति का पता लगाया। पुरातत्वविद् डॉ. वाकणकर ने शिलाओं और गुफाओं

में छिपे प्रमाणों के माध्यम से भारतीय सभ्यता की उस कहानी को दुनिया के सामने रखा, जो लिखित इतिहास से भी पहले की है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने शुक्रवार को कुशाभाऊ ठाकरे सभागार में 19वें डॉ. विष्णु श्रीधर वाकणकर राष्ट्रीय सम्मान समारोह और राष्ट्रीय संगोष्ठी के शुभारंभ अवसर पर यह विचार व्यक्त किए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने दीप प्रज्ज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने पद्मश्री से सम्मानित डॉ. प्रो. यशोधर मठपाल को शॉल-श्रीफल और भू वराह की प्रतिकृति तथा 2 लाख रुपये का चैक भेंट कर 19वें डॉ. विष्णु श्रीधर वाकणकर राष्ट्रीय सम्मान वर्ष 2022-2023 से सम्मानित किया। समारोह में अंतरराष्ट्रीय सितार वादक सुश्री स्मिता नागदेव एवं कवि लेखक श्री राहुल शर्मा ने सितार और कविता की जुगलबंदी से डॉ. वाकणकर द्वारा रचित कविता 'इतिहास के पटल पर' का राग बैरागी भैरव में गायन प्रस्तुत किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने माँ सरस्वती की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया तथा डॉ. वाकणकर के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित की। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने '20वीं सदी में मध्यप्रदेश में स्वाधीनता आंदोलन 1920-1947, दुर्लभ अभिलेख और छाया चित्रों की प्रदर्शनी' पुस्तक का विमोचन किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने प्रदर्शनी का शुभारंभ कर अवलोकन किया तथा एक स्टॉल पर कुम्हार के चाक पर स्वयं शिवलिंग की प्रतिकृति का निर्माण कर भारतीय संस्कृति, कला एवं शिल्प परंपरा के प्रति सम्मान व्यक्त किया। संचालनालय पुरातत्व अभिलेखागार एवं संग्रहालय का तीन दिवसीय राष्ट्रीय आयोजन 11 जनवरी तक चलेगा।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि भीमबेटका के शैलचित्र 30 हजार वर्ष पुराने माने जाते हैं। पुरातत्वविद् डॉ. वाकणकर ने वर्ष 1957 में भीमबेटका के शैलचित्रों का उत्खनन और गहन अध्ययन कर न केवल इन प्राचीन स्थलों पर प्रकाश डाला, बल्कि भारत को वैश्विक सांस्कृतिक मानचित्र पर एक विशिष्ट पहचान दिलाई। आज भीमबेटका केवल मध्यप्रदेश ही नहीं, बल्कि पूरे भारत की सांस्कृतिक विरासत का प्रतीक बन चुका है।

● सतना में गाली-गलौज से शुरू हुआ विवाद, हंगामे पर पहुंची पुलिस पर पथराव

12 नशेड़ियों ने 5 पुलिसवालों को घेरा, जान बचाकर भागे

सतना (नप्र)। सतना में नशे में धुत युवकों ने पुलिस टीम पर पथराव कर दिया। हालात ऐसे बने कि पांच से छह पुलिस

कर्मचारियों को अपनी जान बचाकर भागना पड़ा। घटना गुरुवार देर रात 12 बजे हनुमान नगर नई बस्ती की है। पुलिस अभी तक किसी भी आरोपी को पकड़ नहीं पाई है।

कोलगवां थाना पुलिस को वार्ड नंबर-15 में पानी की टंकी के पास कुछ युवकों के शराब के नशे में गाली-गलौज और हंगामा करने की सूचना मिली थी। सूचना मिलते ही दो पुलिसकर्मी बाइक से मौके पर पहुंचे। जब पुलिस ने युवकों को समझाने का प्रयास किया तो उन्होंने अभद्रता शुरू कर दी।

स्थिति बिगड़ती देख पुलिस ने अतिरिक्त बल को मौके पर बुलाया। पुलिस के पहुंचते ही आरोपी युवक भागकर नई बस्ती की ओर चले गए। जब पुलिस टीम पीछा करते हुए बस्ती के भीतर पहुंची तो वहां पहले से मौजूद करीब 12 नशेड़ियों ने एक एएसआई और चार आरक्षकों को घेर लिया और गाली-गलौज करते हुए अचानक पथराव शुरू कर दिया।

राहुल ने भाजपा को बता दिया 'भ्रष्ट जनता पार्टी'

● दिल्ली, यूपी से गुजरात तक का जिक्र कर जमकर घेरा

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने शुक्रवार को भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर तीखा हमला करते हुए आरोप लगाया है कि पार्टी की राजनीति में भ्रष्टाचार और

अहंकार का जहर फैल चुका है। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट शेयर कर कई मुद्दों पर सरकार को घेरा है। राहुल गांधी ने कहा है कि देश भर में भाजपा की डबल इंजन सरकारों ने जनता की जिंदगी तबाह कर दी है। राहुल गांधी शुक्रवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में लिखा, देश भर में भ्रष्ट जनता पार्टी की डबल इंजन सरकारों ने जनता की जिंदगी तबाह कर दी है। बीजेपी सत्ता का दुरुपयोग कर रही है।

लोकतंत्र सत्ता में बैठे नेताओं के हिसाब से नहीं चलता

आई-पैक ऑफिस पर ईडी रेड के विरोध में ममता का मार्च

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की कार्रवाई पर राज्य सियासत गरमाती जा रही है। ईडी की कार्रवाई बाधित करने के आरोपों के साथ जहां बीजेपी और दूसरे विपक्षी दल ममता बनर्जी पर हमलावर हैं तो वहीं सीएम ममता बनर्जी ने शुक्रवार को कोलकाता में विरोध मार्च का नेतृत्व किया।

ममता बनर्जी स्ट्रीट फाइटर वाले अंदाज में ही दिखीं। उन्होंने पार्टी के वरिष्ठ नेताओं, मंत्रियों, सांसदों, विधायकों और बड़ी संख्या में समर्थकों के साथ बीजेपी के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार के खिलाफ नारेबाजी करते हुए बस स्टैंड इलाके से मार्च शुरू किया। ममता बनर्जी ने राजनीतिक बदले के लिए केंद्रीय एजेंसियों का दुरुपयोग करने का आरोप लगाया। पस्चिम बंगाल में आईपैक के मुखिया प्रतीक जैन की घर और दफ्तर

पर छापेमारी के बाद ममता बनर्जी वहां पहुंची थीं। उन्होंने काफी फाइलें ले ली थीं। बनर्जी का आरोप है कि बीजेपी ईडी के जरिए पार्टी की स्ट्रैटजी को चोरी कर रही थी।

दुनिया को इलेक्शन के गुर सिखाएगा चुनाव आयोग

सवालों के बीच भारत मंडपम में होगा बड़ा आयोजन

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत निर्वाचन आयोग दुनिया के विभिन्न देशों के चुनाव प्रबंधन संस्थानों को अपने अनुभव साझा करने जा रहा है। आयोग 21 से 23 जनवरी तक नई दिल्ली के भारत मंडपम में पहला इंडिया इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस ऑन डेमोक्रेसी एंड इलेक्शन मैनेजमेंट आयोजित करने जा रहा है। यह भारत द्वारा लोकतंत्र और चुनाव प्रबंधन के क्षेत्र में आयोजित अब तक का सबसे बड़ा वैश्विक सम्मेलन होगा। इस अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन से पहले, चुनाव आयोग ने गुरुवार को दिल्ली में राज्यों एवं केंद्र शासित प्रदेशों के मुख्य निर्वाचन अधिकारियों (सीईओ) के साथ एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित

की। इस बैठक में वैश्विक सम्मेलन में उनके नेतृत्व में संचालित होने वाले 36 थीमैटिक ग्रुप्स पर विस्तार से चर्चा की गई। आधिकारियों के अनुसार, ये थीम चुनाव प्रबंधन के सभी पहलुओं को कवर करती हैं और चुनाव प्रबंधन निकायों के समृद्ध एवं विविध अनुभवों पर आधारित ज्ञान के भंडार का विकास करने का उद्देश्य रखती हैं। ये 36 थीमैटिक ग्रुप्स राज्य एवं केंद्र शासित प्रदेशों के मुख्य निर्वाचन अधिकारियों के नेतृत्व में संचालित होंगे, जिनमें विशेषज्ञ भी योगदान देंगे।

सम्मेलन में 40 से अधिक होंगी द्विपक्षीय बैठकें

सम्मेलन के दौरान मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार तथा चुनाव आयुक्त डॉ. सुखबीर सिंह संधु एवं डॉ. विवेक जोशी भाग लेने वाले ईएमबी प्रमुखों एवं अन्य अंतरराष्ट्रीय प्रतिनिधियों के साथ 40 से अधिक द्विपक्षीय बैठकें आयोजित करेंगे। इसके अतिरिक्त, सम्मेलन में चार आईआईटी, छह आईआईएम, 12 राष्ट्रीय विधि विश्व विद्यालयों तथा भारतीय जन संचार संस्थान जैसे प्रमुख शैक्षणिक संस्थानों की भागीदारी होगी। प्रतिभागियों को भारत की चुनावी व्यवस्था, प्रक्रियाओं एवं तकनीकी नवाचारों से परिचित कराया जाएगा, जो भारतीय चुनावों को विश्व की लोकतंत्रों में एक आदर्श बनाते हैं। बता दें कि यह आयोजन ऐसे समय में हो रहा है जब भारत में वर्तमान समय में विपक्षी दल आयोग पर आरोप लगा रहे हैं।

ईरान के 100 शहरों में महंगाई के खिलाफ जमकर हल्लाबोल

● अब तक 45 की मौत, खामेनेई बोले-ट्रम्प को खुश करने के लिए देश बर्बाद न करें

तेहरान (एजेंसी)। ईरान में महंगाई के खिलाफ 13 दिनों से चल रहे प्रदर्शन के बीच गुरुवार रात को हालात और खराब हो गए। रिपोर्ट के मुताबिक देशभर में 100 से ज्यादा शहरों में प्रदर्शन फैल चुका है। अमेरिकी ह्यूमन राइट एजेंसी के मुताबिक, प्रदर्शनों के दौरान हुई हिंसा में अब तक 45 लोग मारे गए हैं, जिनमें 8 बच्चे शामिल हैं। एक पुलिस अधिकारी की चाकू मारकर हत्या कर दी गई। जबकि 2,270 से ज्यादा लोगों को

हिरासत में लिया गया है। ईरान के सुप्रीम लीडर अली खामेनेई ने देशभर में प्रदर्शनों के बीच पहली बार राष्ट्र को संबोधित किया। ईरान की सरकारी टीवी ने खामेनेई का भाषण प्रसारित किया। खामेनेई ने कहा कि प्रदर्शनकारी किसी दूसरे देश के राष्ट्रपति को खुश करने के लिए अपने ही देश को बर्बाद कर रहे हैं। खामेनेई ने कहा कि ईरान विदेशियों के लिए काम करने वाले भाड़े के लोगों को बर्दाश्त नहीं करेगा।

भारत-कनाडा संबंधों में सुधार से बौखलाए खालिस्तान समर्थक

● बीसी प्रीमियर डेवी एबी के दौरे से नाराज, बोले-कनेडियन सिखों को अलग-थलग किया जा रहा

लुधियाना (एजेंसी)। खालिस्तान समर्थक हरदीप सिंह निज्जर की हत्या के बाद कनाडा और भारत सरकार के संबंधों में आई दरार के बाद कनाडा सरकार अब भारत के साथ संबंध बहाल करके व्यापार करना चाहती है। इसके लिए ब्रिटिश कोलंबिया के प्रीमियर डेविड एबी एक प्रतिनिधि मंडल के साथ भारत दौरे पर आ रहे हैं। उनके इस दौरे पर खालिस्तान समर्थकों ने एतराज जताना शुरू कर दिया। ब्रिटिश कोलंबिया के प्रीमियर डेवी एबी 12 जनवरी से 17 जनवरी तक भारत दौरे पर आ रहे हैं। डेवी एबी का यह दौरा ट्रेड मिशन के तहत किया जा रहा है।

● **खालिस्तान समर्थकों के एजेंडे को होगा नुकसान**- उन्होंने कहा कि, भारत-कनाडा के संबंधों में सुधार से खालिस्तान समर्थकों के एजेंडे को नुकसान हो सकता है। इसलिए खालिस्तान समर्थक नहीं चाहते कि भारत और कनाडा के संबंध अच्छे हों। दरअसल, कनाडा में बैठे खालिस्तान समर्थक भारत के खिलाफ अपना एजेंडा चलाते हैं। उन्हें डर है कि अगर भारत से संबंध अच्छे हुए तो उनकी गतिविधियों पर रोक लग सकती है। ब्रिटिश कोलंबिया के प्रीमियर डेविड एबी और बीसी के जॉब्स और इकोनॉमिक्स मंत्री रवि कालोन 12 से 17 जनवरी 2026 तक भारत के दौरे पर आ रहे हैं।

नदियों पर बांध के डर से घबराया पाकिस्तान

बोला-सिंधु जल संधि को रोक नहीं सकता भारत

इस्लामाबाद (एजेंसी)। सिंधु जल संधि पर रोक लगाने के भारत के फैसले से पाकिस्तान अब तक नहीं उबर पा रहा है। संधि पर रोक से पाकिस्तान पर कितनी तगड़ी मार पड़ी है, यह इस बात से पता चलता है कि आठ महीने बीत जाने के बाद भी उसकी तिलमिलाहट कम नहीं हो रही है। अब एक बार पाकिस्तान ने सिंधु जल संधि पर बयान दिया है। पाकिस्तान ने गुरुवार को

कहा कि वह सिंधु जल संधि (आईडब्ल्यूटी) का कथित उल्लंघन करके पश्चिमी नदियों पर संचालित भारत की किसी भी विकास गतिविधि को उसके साथ राजनीतिक और राजनयिक स्तर पर उठाएगा। विदेश कार्यालय के प्रवक्ता ताहिर अंद्राबी ने यहां साप्ताहिक मीडिया ब्रीफिंग में यह भी कहा कि आईडब्ल्यूटी एक बाध्यकारी अंतरराष्ट्रीय समझौता बना हुआ है और संधि को रोकने का कोई प्रावधान नहीं है। पिछले साल 22 अप्रैल को पहलगाम आतंकवादी हमले के एक दिन बाद, भारत ने पाकिस्तान के खिलाफ कई दंडात्मक कदम उठाए थे, जिनमें 1960 की सिंधु जल संधि को रोकना भी शामिल था। अंद्राबी ने कहा कि सिंधु जल संधि के तहत जांच के दायरे में आती है।

सैफ अली खान ने जीती भोपाल में अरबों की 'जमीनी जंग'

नवाब खानदान के पास ही रहेगी नयापुरा की 16 एकड़ की रियासत

भोपाल (एजेंसी)। राजधानी के नयापुरा क्षेत्र की 16.62 एकड़ पुश्तैनी भूमि को लेकर चल रहा ढाई दशक पुराना विवाद आखिरकार खत्म हो गया है। चौदहवें अपर सत्र न्यायाधीश संजय अग्रवाल की अदालत ने सैफ अली खान, उनकी मां शर्मिला टैगोर और बहनों के पक्ष में फैसला सुनाते हुए विपक्ष की याचिका को सिरे से खारिज कर दिया। यह विवाद साल 1998 में तब शुरू हुआ था, जब अकील अहमद और

उनके साथियों ने इस जमीन पर अपना दावा ठोका था। उनका कहना था कि 1936 में नवाब हमीदुल्लाह खान ने यह जमीन उनके पूर्वजों को दान दी थी। लेकिन, अदालत में दावों की हवा तब निकल गई जब विपक्षी पक्ष दान से जुड़ा कोई भी ठोस दस्तावेज पेश नहीं कर सका।

● **बेशकीमती जमीन पर मिल गया मालिकाना हक**- अदालत ने अपने फैसले में स्पष्ट किया कि यह याचिका न केवल सबूतों के अभाव में कमजोर है, बल्कि इसे दाखिल करने में भी कानूनन काफी देरी की गई थी। इस फैसले के बाद अब पटौदी खानदान का इस बेशकीमती जमीन पर मालिकाना हक पूरी तरह से साफ हो गया है। शहर के रियल एस्टेट और राजनीतिक हलकों में इस फैसले की खासी चर्चा है, क्योंकि यह जमीन शहर के प्राइम लोकेशन पर स्थित है। गौरतलब है कि सैफ अली खान भोपाल के नवाब हैं। उनकी कई संपत्तियां यहां हैं, जिन्हें लेकर कोर्ट में विवाद चल रहा है। एक मामले में उन्हें बड़ी राहत मिल गई है।

नगर निगम का आधुनिक 'कत्लखाना' जिस पर है आरोप, उसे ही दिया ठेका

26 टन मांस में गोमांस भी मिला, कांग्रेस का घेराव, कहा- भोपाल में गोमांस कैसे बिक रहा?

भोपाल (नप्र)। भोपाल में एक बार फिर गायों की मौत और गोमांस मिलने का मुद्दा सुर्खियों में है। नगर निगम के आधुनिक 'कत्लखाना' यानी, स्लॉटर हाउस की जिस गाड़ी से 26 टन मांस जब्त हुआ, उसमें गोमांस की पुष्टि हुई है।

इसे लेकर शुक्रवार को कांग्रेसियों ने नगर निगम का दफ्तर घेरा और सवाल पूछा कि भोपाल में गोमांस कैसे बिक रहा है? उन्होंने ठेकेदार के घर पर बुलडोजर चलाने और जिम्मेदारों पर कार्रवाई की मांग की।

जिंसी इलाके में भोपाल निगम ने बड़े दावों के साथ एक महीने पहले ही 35 करोड़ रुपए से बना आधुनिक स्लॉटर हाउस शुरू किया था। इसका संचालन लाइव स्टॉक फूड प्रोसेसर प्रालि को मिला था। संचालक असलम कुरैशी है, जिसे जेल भेज दिया गया। मामला सामने आने के बाद निगम ने स्लॉटर हाउस को सील कर दिया, लेकिन अब तक किसी की भी जिम्मेदारी तय नहीं की गई है।

कांग्रेस का घेराव, पुलिस ने संभाला मोर्चा- गोमांस मिलने के मुद्दे पर शुक्रवार को कांग्रेस ने नगर निगम के माता मंदिर स्थित ऑफिस का घेराव किया। इस दौरान जमकर नारेबाजी भी की गई। घेराव के चलते सुबह 11.30 बजे तक कोई अधिकारी या नेता ऑफिस नहीं पहुंचे।

प्रदेश महामंत्री अमित शर्मा ने कहा कि देश-प्रदेश में बीजेपी की सरकार है। बावजूद

सरेआम गोमांस की तस्करी की जा रही है। विदेश भेजा जा रहा है। इसमें कौन लोग शामिल हैं। कैसे मांस बिक रहा है? कैसे गाड़ी स्लॉटर हाउस से बाहर निकल गई? ठेकेदार को किसने टेंडर दिलाया? किस नेता को पैसा दिया जाता था? इन सभी सवालों के जवाब चाहिए।

आज घेराव किया है। मांग है कि ठेकेदार के घर और स्लॉटर हाउस को बुलडोजर से तोड़ा जाए। ऐसा नहीं हुआ तो कांग्रेसी बुलडोजर लेकर जाएंगे। मुख्यमंत्री, महापौर निवास का घेराव करेंगे। जो इस गोरखधंधे में शामिल हैं, उन पर कार्रवाई हो। वरना कांग्रेस उग्र आंदोलन करेगी।

जिम्मेदारों के क्या तर्क- निगम कमिश्नर संस्कृति जैन ने रिपोर्ट के आधार पर स्लॉटर हाउस को सील करने की बात कही तो अपर आयुक्त और गोवर्धन परियोजना वेटनरी शाखा प्रभारी हर्षित तिवारी ने शवों को डिस्पोज करने की प्रक्रिया और मांस को स्लॉटर हाउस से बाहर ले जाने के सवाल पर सिर्फ यह कहा कि पूरे नियम है।

एसडीएम ने दिए हुए हैं, जबकि निरीक्षण करने, रिकॉर्ड रखने समेत स्लॉटर हाउस से जुड़े मामलों को लेकर जिम्मेदारी इन्हीं की है। स्लॉटर हाउस का ठेका मेयर इन कौंसिल से मंजूर हुआ है। ऐसे में महापौर मालती राय की भी जिम्मेदारी बनती है।

3 साल पहले भी उठे थे सवाल?

करीब तीन साल पहले भी भोपाल में बड़ी संख्या में गायों की मौत का मामला सुर्खियों में रहा था। भोपाल से करीब 25 किलोमीटर दूर स्थित जीवदया गोशाला के पास मृत गोवंश फेंके गए थे। इससे यहां 'कब्रगाह' जैसी तस्वीर सामने आई थी। गोशाला के भी कई पशु मृत हुए थे। जांच में सामने आया था कि नगर निगम के ठेकेदार ने गोशाला से 1 किलोमीटर दूर ही मृत गोवंश के शव फेंके थे। गोशाला के शव भी यही फेंके जाने लगे। इससे शव-कंकाल का ढेर लग गया और तस्वीर किसी कब्रगाह जैसी ही नजर आई। ठेकेदार असलम कुरैशी ही था। कुरैशी के पास करीब 30 साल से शहर से मृत पशुओं के शव उठाने का जिम्मा है। पशुओं का जो चमड़ा और हड्डी निकलती है, उसे फैक्ट्री में भेजा जाता है। इसी ठेकेदार को निगम ने स्लॉटर हाउस का जिम्मा दिया। बाकायदा एमआईसी से मंजूरी भी दी गई।

एमपी में 1700 से अधिक गोशालाएं

मध्यप्रदेश में सरकारी और प्राइवेट मिलाकर 1700 से अधिक गोशालाएं हैं। इनमें करीब तीन लाख गोवंश हैं। गोशालाओं को सरकार से हर वर्ष अनुदान भी मिलता है।

विधायक रामेश्वर शर्मा बोले-एनएसए की कार्रवाई होगी

इस मामले में हुजूर विधायक रामेश्वर शर्मा का भी बयान आया है। उन्होंने कहा कि यह बहुत गंभीर मामला है। बजरंग दल ने प्रदर्शन कर ट्रक को रोका था। मांस के सैंपल जांच के लिए भेजे गए थे। इसमें गोमांस की पुष्टि हुई है। गो तस्करी, गो हत्या का मामला दर्ज किया जाएगा। एनएसए की कार्रवाई भी की जाएगी। जो भी अधिकारी इसमें शामिल होगा उसके खिलाफ भी कड़ी कार्रवाई करेंगे।

प्रदेश में घना कोहरा, भोपाल-इंदौर आने वाली दर्जनभर ट्रेनें लेट

खजुराहो सबसे ठंडा, ग्वालियर में भी पारा 5 डिग्री तक लुढ़का

भोपाल (नप्र)। मध्यप्रदेश में कड़ाके की ठंड और घने कोहरे का असर शुक्रवार को साफ तौर पर देखने को मिला। सुबह कोहरे की वजह से दिल्ली से भोपाल, इंदौर और उज्जैन आने वाली एक दर्जन से ज्यादा ट्रेनें घंटों देरी से चल रही हैं। सबसे ज्यादा असर मालवा एक्सप्रेस पर पड़ा है, जो करीब साढ़े 6 घंटे लेट चल रही है। आमतौर पर सुबह 7.25 बजे भोपाल पहुंचने वाली यह ट्रेन शुक्रवार को दोपहर करीब 2 बजे तक आने की संभावना है। इसके अलावा पंजाब मेल, जनशताब्दी और सचखंड एक्सप्रेस सहित कई ट्रेनों की रफ्तार भी कोहरे ने थाम दी है।

गुरुवार-शुक्रवार की दरमियानी रात छतरपुर जिले का खजुराहो प्रदेश में सबसे ठंडा दर्ज किया गया, जहां न्यूनतम तापमान 3.4 डिग्री सेल्सियस रहा। दतिया में पारा 3.9 डिग्री, शिवपुरी में 4 डिग्री और राजगढ़ में 5 डिग्री रिकॉर्ड किया गया। पचमढ़ी में न्यूनतम तापमान 5.8 डिग्री, मंडला में 5.9 डिग्री, रीवा में 6 डिग्री, उमरिया में 6.4 डिग्री और सीधी व टीकमगढ़ में 6.8 डिग्री सेल्सियस दर्ज हुआ।

बड़े शहरों में ग्वालियर सबसे ठंडा

बड़े शहरों की बात करें तो ग्वालियर सबसे ठंडा रहा, जहां न्यूनतम तापमान 5 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया। इससे पहले यहां दिन का तापमान 10.4 डिग्री रहा था। राजधानी भोपाल में रात का तापमान 8 डिग्री, इंदौर में 9.4 डिग्री, उज्जैन में 8.3 डिग्री और जबलपुर में 8.4 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया।

मौसम विभाग के अनुसार, फिलहाल ठंड और कोहरे से राहत के आसार कम हैं। आने वाले दिनों में भी सुबह-शाम कोहरा छाए रहने और तापमान में ज्यादा बदलाव नहीं होने की संभावना है, जिससे रेल और सड़क यातायात पर असर बना रह सकता है।

मुरैना में आठवीं तक के बच्चों की आज और कल छुट्टी

वहीं मुरैना में रात का न्यूनतम तापमान 6 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। पूरे जिले में घना कोहरा छाया हुआ है और कंपकंपाने वाली सर्दी लोगों को परेशान कर रही है। हालात को देखते हुए कलेक्टर ने 9 और 10 जनवरी तक कक्षा 1 से 8 तक के सभी स्कूलों की छुट्टियां बढ़ा दी हैं।

मुख्यमंत्री ने प्रवासी भारतीय दिवस पर दीं शुभकामनाएं

भोपाल (नप्र)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने प्रवासी भारतीय दिवस की हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं दीं हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा है कि अपनी सांस्कृतिक विरासत और परंपराओं के साथ जुड़ाव तथा विदेशी धरती पर प्रगति के नए अध्याय लिख रहे अप्रवासी भारतीयों पर हम सभी को गर्व है। प्रवासी भारतीय भाई-बहन, दुनिया में भारत को गौरवान्वित करते रहें, यही मंगलकामनाएं हैं।

45वीं अखिल भारतीय गुलाब प्रदर्शनी का शुभारंभ आज

भोपाल (नप्र)। मध्यप्रदेश रोज सोसायटी एवं उद्यानिकी तथा खाद्य प्रसंस्करण विभाग के संयुक्त तत्वाधान में आयोजित 45वीं अखिल भारतीय गुलाब प्रदर्शनी का विधिवत शुभारंभ 10 जनवरी को शाम 4 बजे, विधायक हुजूर क्षेत्र श्री रामेश्वर शर्मा के मुख्य आतिथ्य में गुलाब उद्यान परिसर में किया जाएगा। वर्ल्ड फेडरेशन ऑफ रोज सोसायटी के अध्यक्ष श्री सुशील प्रकाश कार्यक्रम में विशेष अतिथि होंगे।

उपभोक्ता संरक्षण के क्षेत्र में कार्य करने वाले संगठन/व्यक्तियों को किया जायेगा पुरस्कृत

31 जनवरी तक कर सकते हैं आवेदन

भोपाल (नप्र)। विश्व उपभोक्ता अधिकार दिवस 15 मार्च 2026 के अवसर पर उपभोक्ताओं को उनके अधिकारों के प्रति जागरूक करने और उपभोक्ता संरक्षण के क्षेत्र में महत्वपूर्ण योगदान देने वाले स्वैच्छिक उपभोक्ता संगठनों /व्यक्तियों को प्रोत्साहित करने के लिये राज्य एवं संभाग स्तरीय पुरस्कार दिये जायेंगे। आयुक्त, खाद्य नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण श्री कर्मवीर शर्मा ने जानकारी दी है कि पुरस्कारों के लिये संगठनों/व्यक्तियों का चयन एक जनवरी से 31 दिसंबर 2025 तक की अवधि में की गई गतिविधियों के आधार पर किया जायेगा। राज्य स्तरीय तीन पुरस्कार और प्रशस्ति पत्र दिये जायेंगे। प्रथम पुरस्कार 1,11,000 रूपये, द्वितीय पुरस्कार 51,000 रूपये और तृतीय पुरस्कार 25,000 रूपये का दिया जायेगा। संभागों में भी तीन पुरस्कार दिये जायेंगे। इसमें प्रथम पुरस्कार 21,000 रूपये, द्वितीय पुरस्कार 11,000 रूपये और तृतीय पुरस्कार 5000 रूपये का होगा।

लेखिका संघ की राज्यस्तरीय देशभक्ति पूर्ण नववर्ष गोष्ठी संपन्न

भोपाल। लेखिका संघ द्वारा राज्यस्तरीय देशभक्ति एवं नववर्ष विशेष ऑनलाइन साहित्यिक गोष्ठी का सफल आयोजन किया गया। कार्यक्रम में प्रदेश की विभिन्न इकाइयों से जुड़ी साहित्यकार बहनों ने नववर्ष और देशभक्ति से ओतप्रोत रचनाएँ प्रस्तुत कीं। अध्यक्षीय उद्बोधन देते हुए जबलपुर इकाई अध्यक्ष डॉ. कामना कौस्तुभ ने कहा कि 'तिरंगे का सम्मान देश के प्रत्येक नागरिक का दायित्व है। रचना-लेखन केवल शब्दों का संयोजन नहीं, बल्कि भावों और संवेदनाओं की साधना है।' उन्होंने राष्ट्रगान के समय खड़े होकर

सम्मान प्रकट करने की आवश्यकता पर बल देते हुए कहा कि इसके लिए समाज को निरंतर प्रेरित किया जाना चाहिए। उन्होंने अपने वक्तव्य में कहा– 'चिरागों की तरह सबको जलना पड़ता है, मुट्ठी बाँधने से इंकलाब नहीं आते।'

देशभक्ति और नववर्ष मंगलकामना से जुड़ी रचनाओं की उन्होंने मुक्तकंठ से सराहना की। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि डॉ. मालती बसंत ने सभी रचनाकारों की भूरि-भूरि प्रशंसा करते हुए नववर्ष पर अपनी रचना भी प्रस्तुत की। प्रांताध्यक्ष डॉ. साधना गंगराड़े ने मंडला, दमोह, कटनी, जबलपुर, विदिशा, सागर, शाजापुर एवं शुजालपुर इकाइयों से जुड़ी 27 साहित्यकार बहनों का स्वागत किया। उन्होंने बताया कि गोष्ठी में लगभग 70 साहित्यकार बहनें ऑनलाइन उपस्थित रहीं। काव्यपाठ करने वालों में मंडला की अर्चना जैन ने 'हे मातृभूमि तेरी अर्चना अक्षत पुष्प से चाहूँ', कटनी की मीरा भार्गव ने 'दसों दिशाओं में गूँज रहा है जय भारत का नाद', विदिशा की रेखा दुबे ने 'मेरे विकसित भारत की यह पहचान', दमोह की प्रेमलता नीलम ने 'प्यारा सबका हिंदुस्तान, हम सब भारत की संतान', विदिशा की निशा सक्सेना ने 'किसी की चूड़ियों को चहकता छोड़ आया हूँ' तथा दमोह की डॉ. इंद्रजीत भट्टी ने 'गुज़रे बरस की दहलीज पर कुछ अधूरे, कुछ टूटे सपने' का सशक्त पाठ किया।

हाईकोर्ट आदेश के बाद कर्मचारी-वेतन कटौती खत्म करने की मांग

कर्मचारी मंच ने कहा, लाड़ली बहना समेत अन्य मुफ्त योजनाएं बंद हो

भोपाल (नप्र)। मध्यप्रदेश कर्मचारी मंच के प्रांताध्यक्ष अशोक पांडेय ने कहा है कि राज्य सरकार लाड़ली बहना सहित अन्य योजनाओं के नाम पर मुफ्त में पैसा बांट रही है, जबकि कर्मचारियों के हितों से जुड़ा पैसा रोका जा रहा है। उन्होंने मांग की कि कर्मचारियों का बकाया और उनके अधिकारों से जुड़ी राशि जल्द जारी की जाए।

पांडेय ने कहा कि हाईकोर्ट की ओर से नव नियुक्त कर्मचारियों के वेतन में तीन साल तक 70 प्रतिशत, 80 प्रतिशत और 90 प्रतिशत कटौती के आदेश को गलत ठहराए जाने के बाद अब राज्य सरकार को इस संबंध में स्पष्ट आदेश जारी करना चाहिए। उन्होंने कहा

कि यह आदेश केवल याचिकाकर्ताओं तक सीमित न रहकर प्रदेश के सभी कर्मचारियों पर लागू होना चाहिए, ताकि किसी भी कर्मचारी के वेतन में कटौती न हो।

हाईकोर्ट के आदेश के बाद मीडिया से चर्चा में पांडेय ने कहा कि सरकार को मुफ्त योजनाएं तत्काल बंद कर कर्मचारियों को उनका बकाया एरियर देना चाहिए, जो पिछले 20 सालों से लंबित है। उन्होंने कहा कि सरकार जनता को आलसी बनाने के बजाय मूलभूत विकास योजनाओं पर फंड खर्च करे, ताकि कर्मचारी पूरी क्षमता से प्रदेश के विकास में योगदान दे सकें। पांडेय ने कहा कि हाईकोर्ट के फैसले को नजीर मानते हुए सरकार को 2019 के बाद नियुक्त लाखों कर्मचारियों को इसका लाभ देना चाहिए। यदि सरकार इस पर संज्ञान नहीं लेती है, तो 13 जनवरी को मंत्रालय के सामने कर्मचारी प्रदर्शन करेंगे और मुख्यमंत्री को ज्ञापन सौंपकर तत्काल आदेश जारी करने की मांग करेंगे। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि 1989 से 2003 और 2018 से 2020 के बीच की सरकारों ने कर्मचारी विरोधी फैसले लिए। प्रेस कॉन्फ्रेंस में राज्य कर्मचारी संघ के प्रदेश सह संयोजक (लिपिक संवर्ग) मयूर उपाध्याय और प्रवक्ता अनिल भार्गव भी उपस्थित थे।

ट्रक में घुसी कार...पूर्व मंत्री की बेटी समेत तीन मौत

मृतकों में कांग्रेस नेता का बेटा भी शामिल, एक घायल; इंदौर में पार्टी कर लौट रहे थे

इंदौर/बड़वानी (नप्र)। इंदौर में तेज रफ्तार कार ट्रक में घुस गई। हादसे में तीन लोगों की मौत हो गई। मृतकों में पूर्व गृहमंत्री बाला बच्चन की बेटी प्रेरणा और कांग्रेस प्रदेश प्रवक्ता आनंद कासलीवाल का बेटा प्रखर शामिल हैं। कार सवार एक युवती गंभीर घायल है। उसका निजी अस्पताल में इलाज चल रहा है। हादसा रालामंडल इलाके में शुक्रवार सुबह करीब 5:15 बजे हुआ। डीसीपी कृष्ण लाल चंदानी ने बताया, ग्रे कलर की नेक्सन कार में प्रेरणा बच्चन (26), प्रखर कासलीवाल (25), मानसंधु (26) और अनुष्का राठी सवार थे। प्रखर का जन्मदिन था, चारों शराब के नशे में थे और कोको फार्म में बर्थडे पार्टी मनाकर इंदौर लौट रहे थे। कार प्रखर चला रहा था। नशे में होने के कारण कार अनकंट्रोल होकर ट्रक में जा घुसी। हादसे में प्रेरणा, प्रखर, मानसंधु की मौके पर ही मौत हो गई। अनुष्का घायल है। कार में शराब की बोतल मिली है।

कार सवार दोस्त इंदौर के रहने वाले- चारों कार सवार इंदौर के रहने वाले हैं। प्रेरणा नर्मदा भवन के पास स्कीम नं 74, प्रखर कासलीवाल तिलक नगर, मानसंधु भंवरकुआं और अनुष्का रॉयल अमर ग्रीन की रहने वाली है। प्रेरणा ने मुंबई से एमबीए किया है और इंदौर में रहकर एमपीपीएससी की तैयारी कर रही थी। मानसंधु के परिवार का ट्रांसपोर्ट का काम है।

पानी में कैंसर वाले आयरन-क्रोमियम, 'जहर' हुआ ग्राउंड वाटर

भोपाल में 7 जगह का पानी दूषित, पीने पर रोक, लेकिन उग रही फल-सब्जियां

भोपाल (नप्र)। इंदौर के भागीरथपुरा में फीकल कॉलिफॉर्म, ई-कोलाई, विब्रियो कोलेरी और प्रोटोजोआ जैसे खतरनाक बैक्टीरिया वाले पानी की वजह से अब तक 20 जानें जा चुकी हैं। यही ई-कोलाई बैक्टीरिया भोपाल के पानी में भी मिला है। राजधानी के कई इलाकों में पेयजल इतना दूषित है कि इसे पीना तो दूर हाथ-मुंह या बर्तन धोने से भी लोग डरते हैं। नल से आ रहा पानी चंद मिनटों में ही लाल हो जाता है। बदबू इतनी होती है कि सांस लेना भी दूभर है।

भोपाल के आदमपुर छावनी, हरिपुरा, पड़रिया, शांति नगर, अर्जुन नगर, कोलुआ, खानूगांव और वाजपेयी नगर के ग्राउंड वाटर में कैंसर, हैजा, टाइफाइड और हेपेटाइटिस-ए जैसी बीमारियों की वजह बनने वाला 'खतरनाक' बैक्टीरिया मिला है। यहां की आबादी 5 हजार से ज्यादा है। पीने के पानी में बैक्टीरिया की पुष्टि खुद भोपाल नगर निगम की रिपोर्ट से हुई है।

इस पानी में आयरन की मात्रा 10 या 20 गुना नहीं, बल्कि पूरे 100 गुना ज्यादा है। यदि भूल से भी ये पानी कोई पी ले तो हेमोक्रोमैटोसिस जैसी बीमारी होने के पूरे चांस हैं। यहां के ग्राउंड वॉटर में टीडीएस (टोटल डिसॉल्व्ड सॉलिड्स), कैल्शियम, टोटल हार्डनेस, सल्फेट, कोलीफॉर्म भी ज्यादा मात्रा में हैं।

पानी के टैंकरों पर निर्भर लोग- आदमपुर खंती के आसपास कहीं भी पानी पीने क्या, बर्तन या हाथ-पैर धोने के लिए भी उपयोगी नहीं दिखा। इस वजह से लोग बाहर से आने वाले टैंकरों के पानी पर डिपेंड हैं। दूसरी ओर यहां पर फल और सब्जियां भी उगाई जा रही

हैं। जो हर रोज बड़ी मात्रा में भोपाल की मंडियों में पहुंच रही हैं। इनके उपयोग से लोगों के स्वास्थ्य पर भी बुरा असर पड़ रहा है।

पडरिया में एक भी हैंडपंप से स्वच्छ पानी नहीं- पडरिया में करीब 8 हैंडपंप हैं, लेकिन एक भी ऐसा नहीं है, जो साफ पानी दे रहा है। पानी में लाल रंग के बैक्टीरिया नंगी आंखों से ही नजर आ जाते हैं। किराना दुकान चलाने वाले इरफान मियां ने मीडिया को बाल्टी में भरे पानी को कांच के गिलास में दिखाया। पानी न सिर्फ लाल था, बल्कि बदबूदार भी था।

इरफान ने बताया कि करीब 10 साल से हैंडपंप यही जहर उगल रहे हैं। इसका उपयोग हम पीने के लिए नहीं करते हैं, बल्कि दुकान के सामने जमीन पर छिड़काव कर देते हैं। इरफान मियां की दुकान के ठीक पीछे ही एक और हैंडपंप नजर आया। पानी भर रही एक महिला ने कहा- अधिकतर हैंडपंप से लाल पानी ही आता है। हम इसे पीते नहीं हैं, बल्कि कपड़े धो लेते हैं।

फसलों की सिंचाई करना मजबूरी- शांति नगर के महेश उईके ने कहा- निगम टैंकर भेजता है। हम इसी का पानी पीते हैं। भूजल खराब है, इससे मजबूरी में फसलों की सिंचाई करते हैं। घोड़ा पछाड़ नहर का पानी भी खराब स्थिति में ही है।

7 गांवों का भूजल खराब कर रहा कचरा

पर्यावरणविद् डॉ. सुभाष पांडे ने कहा- जनवरी 2018 से आदमपुर छावनी में भोपाल का कचरा डंप किया जा रहा है। खंती के संबंध में रिसर्च करने के साथ मैंने एनजीटी और सुप्रीम कोर्ट में याचिकाएं भी लगाईं। डंपिंग साइट पर फिलहाल 14 लाख टन कचरा इकट्ठा है। इससे निकलने वाला रसायन जिसे लिचर्ड भी कहा जाता है। 7 गांवों का भूजल खराब कर रहा है।

पानी में मिले कैंसर देने वाले आयरन-क्रोमियम

पर्यावरणविद् पांडे ने बताया कि सेंट्रल पॉल्यूशन कंट्रोल बोर्ड (सीपीसीबी), एमपी पॉल्यूशन कंट्रोल बोर्ड (एमपीसीबी) की रिपोर्ट और मेरी रिसर्च में भी यह सच सामने आ चुका है। इंदौर में तो ई-कोलाई बैक्टीरिया ही मिला है, लेकिन यहां इससे भी ज्यादा गंभीर समस्या है। आदमपुर खंती और आसपास के गांवों में भूजल के अंदर आयरन, क्रोमियम भी मिले हैं, जिनसे कैंसर जैसी बीमारी होती है। सीपीसीबी ने अगस्त 2025 में अपनी 80 पेज की रिपोर्ट सुप्रीम कोर्ट में पेश की थी। इसमें पानी में इतना आयरन बताया गया था कि यह न सिर्फ पीने, बल्कि सब्जी और फसलों के पैदावार के लिए भी ठीक नहीं है। कुल 25 पैरामीटर में से 9 ऐसे थे, जो ज्यादा खतरनाक स्थिति में मिले। डॉ. पांडे ने बताया कि निगम यहां पर टैंकरों से पानी की सप्लाई जरूर कर रहा है, लेकिन उसकी भी जांच नहीं की गई है।

संपादकीय

नप चुनाव : नैतिकता ताक पर

लगता है महाराष्ट्र में नगरीय निकायों के चुनावों में सत्ता के लिए विचारधारा, सिद्धांत और नैतिकता को पूरी तरह ताक पर रख दिया गया है। राज्य में पहले दौर में हुए नगर परिषद के चुनाव परिणाम आने के बाद कुर्सी के लिए कोई किसी से भी समझौता कर रहा है और इस पर पार्टी का कोई प्रभावी नियंत्रण नहीं है। कांग्रेस ने अपने पार्षदों को निकाला तो वो भाजपा में शामिल हो गए। ताजा मामला अंबरनाथ नगर परिषद का है, जहां भाजपा ने अपनी मुख्य प्रतिद्वंद्वी कांग्रेस तथा एनसीपी से और आकोट नगर परिषद में असदुद्दीन ओवैसी की पार्टी एआईएमआईएम से ही हाथ मिला लिया। मामला ऊपर तक पहुंचा तो मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने कड़ी फटकार लगाई और चंद घंटों में ही यह अनैतिक गठबंधन टूट गया। लेकिन यह सवाल अभी बाकी है कि यह सब किसके इशारे पर किया गया था? अंबरनाथ नप में कुल साठ वार्ड हैं और परिषद में बहुमत के लिए 31 पार्षदों की जरूरत थी। चुनाव में शिंदे सेना सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरी थी। लेकिन भाजपा ने चुनाव बाद कांग्रेस और राकांपा (अजित पवार) के साथ मिलकर 'अंबरनाथ विकास आघाडी' नाम से गठबंधन बना कर परिषद का नेतृत्व अपने हाथ में ले लिया और शिवसेना (शिंदे गुट) को सत्ता से बाहर कर दिया। इसी तरह अकोला जिले की आकोट नगर परिषद में भाजपा ने असदुद्दीन ओवैसी की एआईएमआईएम के साथ गठबंधन किया। हालांकि ये गठबंधन कुछ ही घंटों में टूट गया। क्योंकि सीएम देवेंद्र फडणवीस ने बुधवार को इन गठबंधन को खारिज कर ऐसे पार्टी नेताओं के खिलाफ कार्रवाई की चेतावनी दी। उधर कांग्रेस ने भी अंबरनाथ के अपने 12 पार्षदों को पार्टी से सस्पेंड कर दिया तो ये सभी भाजपा में शामिल हो गए। ऐसा कर उन्होंने कांग्रेस के प्रदेश नेतृत्व की कार्रवाई को ही ठेंगा बता दिया। जबकि कांग्रेस ने इन पार्षदों द्वारा भाजपा को समर्थन देने को अनुशासनहीनता माना था। इसी तरह आकोट में बीजेपी ने एआईएमआईएम के साथ 'आकोट विकास मंच' बनाया। इसमें शिवसेना के दोनों गुट, राकांपा के अजीत व शरद पवार गुट अजीत पवार की एनसीपी, बच्चू कडू के नेतृत्व वाली प्रहार जनशक्ति पार्टी भी शामिल है। बीजेपी ने 35 सदस्यीय परिषद में 11 सीटों पर चुनाव जीता, जबकि दो सीटों पर चुनाव होना बाकी है। बीजेपी ने यह मंच बनाकर 25 की संख्या हासिल कर ली और पार्टी की माया धुले अध्यक्ष चुनी गईं। इसकी भाजपा में तीव्र प्रतिक्रिया हुई। महाराष्ट्र बीजेपी अध्यक्ष रवींद्र चह्वाण ने इस पर आकोट विधायक प्रकाश भारसाखले को 'कारण बताओ नोटिस' जारी कर जवाब मांगा है। इस बीच राज्य में सत्तारूढ़ महायुति के सदस्यों राकांपा अजीत और भाजपा के बीच भी सार्वजनिक रूप से हमले और वाक् युद्ध जारी है। हाल में अजीत पवार ने भाजपा द्वारा उन पर 70 हजार करोड़ के घोटाले के आरोप का मजाक उड़ाया। इस भाजपा के पूर्व प्रदेशाध्यक्ष चंद्रकांत बावनकुले ने चेताया कि अजीत हमारा मुंह न खुलवाएं। भले ही उन्हें घोटाले के आरोपों से क्लीनचिट मिल गई हो, लेकिन पुरानी फाइलें फिर से खुल सकती हैं। वैसे महाराष्ट्र में अजीत पवार अपनी अलग राजनीति कर रहे हैं। उन्हें सावरकर को मानने से इंकार कर दिया तो दूसरी तरफ वो अपने चाचा शरद पवार से भी पूरी तरह हाथ मिलाए हुए हैं। दूसरी तरफ भाजपा महाराष्ट्र में ज्यादा से ज्यादा नगरीय निकायों और खासकर बृहन्मुंबई महापालिका में अपनी सत्ता देखना चाहती है। यूं कहने को महायुति मिलकर चुनाव लड़ रही है, लेकिन निचले स्तर पर हर कोई अपनी अपनी पार्टी को मजबूत करने और इसके लिए हर संभव समझौते करने में जुटा है। यानी राज्य में नगरीय निकाय चुनावों के बाद नई राजनीति देखने को मिल सकती है।

ट्रंप की धमकियां और भारत की रणनीति

नजरिया

अजय कुमार

लेखक लखनऊ निवासी वरिष्ठ पत्रकार हैं।

राजनीतिक विरोधी इसे कमजोरी मान रहे हैं, लेकिन इतिहास यह दिखाता है कि धैर्य और रणनीति के साथ काम करना कभी-कभी तेज प्रतिक्रिया से अधिक प्रभावशाली होता है। इतिहास में अगर पीछे देखें तो यह रणनीति नई नहीं है। 1971 में जब भारत और पाकिस्तान के बीच युद्ध की परिस्थितियाँ गंभीर हो रही थीं, पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने अमेरिकी राष्ट्रपति रिचर्ड निक्सन और उनके राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार हेनरी किसिंजर के दबाव का सामना चुप्पी और कूटनीतिक चालाकी के साथ किया था। पूर्वी पाकिस्तान में पाकिस्तानी सेना के अत्याचार से लाखों शरणार्थी भारत में आ रहे थे। इंदिरा गांधी ने अमेरिका की ओर से किसी भी हस्तक्षेप की अपेक्षा जताई, लेकिन ओवल ऑफिस में निक्सन ने उन्हें 45 मिनट तक इंतजार कराया। इस दौरान निक्सन की भाषा और रवैया भारतीय हितों के प्रति विरोधी था।

वर्तमान में भारत और अमेरिका के बीच कूटनीतिक रिश्ते फिर से सुर्खियों में हैं। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के भारत पर टैरिफ बढ़ाने और रूस से तेल खरीद को लेकर बयान जारी करने ने दोनों देशों के संबंधों में तनाव पैदा किया है। ट्रंप ने साफ किया कि यदि भारत उनके अनुरूप कदम नहीं उठाएगा, तो अमेरिका शुल्क और बढ़ा सकता है। हालांकि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सार्वजनिक मंच पर इन आरोपों का प्रत्यक्ष जवाब नहीं दिया, बल्कि संयम और रणनीति के साथ नीति बनाए रखी। राजनीतिक विरोधी इसे कमजोरी मान रहे हैं, लेकिन इतिहास यह दिखाता है कि धैर्य और रणनीति के साथ काम करना कभी-कभी तेज प्रतिक्रिया से अधिक प्रभावशाली होता है। इतिहास में अगर पीछे देखें तो यह रणनीति नई नहीं है। 1971 में जब भारत और पाकिस्तान के बीच युद्ध की परिस्थितियाँ गंभीर हो रही थीं, पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने अमेरिकी राष्ट्रपति रिचर्ड निक्सन और उनके राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार हेनरी किसिंजर के दबाव का सामना चुप्पी और कूटनीतिक चालाकी के साथ किया था। पूर्वी पाकिस्तान में पाकिस्तानी सेना के अत्याचार से लाखों शरणार्थी भारत में आ रहे थे। इंदिरा गांधी ने अमेरिका की ओर से किसी भी हस्तक्षेप की अपेक्षा जताई, लेकिन ओवल ऑफिस में निक्सन ने उन्हें 45 मिनट तक इंतजार कराया। इस दौरान निक्सन की भाषा और रवैया भारतीय हितों के प्रति विरोधी था। बाद में सार्वजनिक हुई अमेरिकी दस्तावेज़ों और टेप रिकॉर्डिंग्स में निक्सन ने भारतीयों के लिए अपमानजनक शब्द इस्तेमाल किए, जबकि किसिंजर ने इंदिरा गांधी और भारतीय महिलाओं के प्रति आपत्तिजनक टिप्पणियां कीं।

निक्सन का झुकाव पाकिस्तान की ओर था। कोल्ड वॉर के समय पाकिस्तान अमेरिका का मोहरा था, जबकि भारत पर दबाव डालकर युद्ध रोकने की कोशिश की जा रही थी। 3 दिसंबर 1971 को पाकिस्तान ने भारत के पश्चिमी मोर्चे पर हमला किया। इंदिरा गांधी ने 5 दिसंबर को निक्सन को खत लिखा, लेकिन अमेरिकी राष्ट्रपति ने सुनवाई नहीं की। उल्टे, उन्होंने बंगाल की खाड़ी में अपना सातवां बेड़ा, यूएसएस एंटरप्राइज, भेजा। यह बेड़ा परमाणु हथियारों से लैस था और भारत पर दबाव बनाने के लिए तैनात किया गया था। अमेरिकी दस्तावेज़ों के अनुसार, बेड़े को नागरिकों को निकालने के बहाने भेजा गया, लेकिन असल मकसद भारत को डराना था। इंदिरा गांधी ने निक्सन की धमकियों का जवाब शब्दों में नहीं दिया। न कोई भाषण, न प्रेस कॉन्फ्रेंस में तीखी टिप्पणी। उन्होंने समझ लिया कि जोर से बोलने वाला नेता अक्सर कमजोरी छिपा रहा होता है। इसके बजाय इंदिरा गांधी ने रणनीतिक कदम उठाए। अगस्त 1971 में भारत ने सोवियत संघ के साथ मैत्री संधि की, जो 20 वर्षों के लिए थी। यह वैचारिक झुकाव नहीं, बल्कि सुरक्षा कवच था। सोवियत संघ ने भारत को हथियार और कूटनीतिक समर्थन दिया। युद्ध शुरू हुआ तो भारतीय सेना ने महज 13 दिनों में पाकिस्तान को घुटने टेकने पर मजबूर कर दिया। 16 दिसंबर 1971 को ढाका में पाकिस्तानी कमांडर लेफ्टिनेंट जनरल एएके नियाजी ने 93,000 सैनिकों के साथ समर्पण किया। इस प्रकार बांग्लादेश का जन्म हुआ और दक्षिण एशिया का नक्शा बदल गया।

आज के दौर में ट्रंप की शैली निक्सन जैसी ही है। वे भी बड़बोले हैं, सहयोगियों को अपमानित करते हैं, विरोधियों की तारीफ करते हैं और अपने बयान पलट देते हैं। भारत को कभी दोस्त कहते हैं, तो कभी टैरिफ की धमकी देते हैं। 5 जनवरी 2026 को ट्रंप ने कहा कि अगर भारत रूस से तेल खरीदना नहीं रोकेगा तो टैरिफ बढ़ा सकते हैं। उन्होंने यह भी कहा कि मोदी उन्हें खुश करना चाहते हैं, क्योंकि मुझे खुश करना जरूरी है। ट्रंप ने दावा किया कि मोदी उनसे मिलने की गुहार कर रहे थे, लेकिन भारत ने इसे खंडन किया। विदेश मंत्रालय ने स्पष्ट किया कि ऐसी कोई बातचीत नहीं हुई। संख्या और आंकड़ों पर नजर डालें। 2024-25 में भारत ने रूस से 35 प्रतिशत कच्चा तेल खरीदा, जो 2021-22 के 2 प्रतिशत से बढ़ा था। ट्रंप के दबाव के बाद भारत ने इसे 25 प्रतिशत तक कम किया। अमेरिकी सीनेटर लिंडसे ग्राहम के अनुसार, यह रणनीतिक संतुलन का संकेत है। ट्रंप का उद्देश्य रूस को अलग-थलग करना है, लेकिन भारत ने अपनी ऊर्जा सुरक्षा और राष्ट्रीय हित को प्राथमिकता दी। 2025 में भारत-अमेरिका व्यापार 200 अरब डॉलर से अधिक था, जिसमें अमेरिका का 36 अरब डॉलर का व्यापार घाटा शामिल था।

ट्रंप ने भारत को टैरिफ किंग कहा क्योंकि भारत अमेरिकी उत्पादों पर 100-200 प्रतिशत तक शुल्क लगाता है। लेकिन मोदी ने इन बयानबाजी का सार्वजनिक जवाब नहीं दिया। इसके बजाय वे डायलॉग और कूटनीतिक संपर्क पर भरोसा करते रहे। 2019 में ह्यूस्टन और 2020 में अहमदाबाद में आयोजित कार्यक्रम हाउडी मोदी और नमस्ते ट्रंप ने सौहार्द दिखाया। कश्मीर पर ट्रंप के मध्यस्थता वाले बयान पर भी मोदी चुप रहे, लेकिन नीति स्पष्ट रखी, कोई तीसरा पक्ष नहीं। रूस से 5.43 अरब डॉलर की एस-400 मिसाइल डील भी अमेरिकी दबाव के बावजूद पूरी की गई। इंदिरा गांधी और मोदी की रणनीति में समानता साफ है। दोनों जानते थे कि अमेरिकी राष्ट्रपति अस्थायी हैं, लेकिन राष्ट्रहित स्थायी। निक्सन और ट्रंप दोनों ही तमाशे की राजनीति में विश्वास रखते हैं। निक्सन को वाटरगेट स्कैंडल के कारण इस्तीफा देना पड़ा, जबकि ट्रंप की नीतियों पर वैश्विक आलोचना हो रही है। इंदिरा ने गुटनिरपेक्षता अपनाई, मोदी इसे स्ट्रेटेजिक ऑटोनॉमी कहते हैं। दोनों का मूल मंत्र किसी से दुश्मनी नहीं, अपनी दोस्ती पहले।

विपक्ष मोदी की चुप्पी को कमजोरी बता रहा है। कांग्रेस उन्हें डरपोक पीएम कह रही है। लेकिन 1971 में भी इंदिरा पर ऐसे आरोप लगे थे। ढाका में पाकिस्तान के समर्पण से पहले लोग कहते थे कि वे अमेरिका के आगे झुक रही हैं। मगर इंदिरा ने साबित किया कि खामोश कूटनीति में ताकत है। मोदी भी यही कर रहे हैं। रूस से तेल खरीद कम कर भारत ने ट्रंप को संदेश दिया, लेकिन पूरी तरह नहीं रोका। 2025 के आंकड़ों से पता चलता है कि भारत ने रूसी तेल आयात 20 प्रतिशत घटाया, लेकिन सऊदी अरब और इराक से बढ़ाया। ट्रंप की धमकियां भारत की अर्थव्यवस्था पर असर डाल सकती हैं। यदि 500 प्रतिशत टैरिफ लगाया गया तो भारतीय निर्यात पर लगभग 8 लाख करोड़ रुपये का प्रभाव पड़ सकता है। लेकिन मोदी का संयम यह दिखाता है कि भारत अब वैश्विक मंच पर मजबूत है। 1971 में भारत की जीडीपी 67 अरब डॉलर थी, जबकि अब यह 3.5 ट्रिलियन डॉलर से अधिक है। अमेरिका के साथ रक्षा सौदे 20 अरब डॉलर के हैं। मोदी ने रूस के साथ भी संबंध मजबूत रखे; 2025 में पुतिन से 5 मुलाकातें हुईं। इतिहास बताता है कि धैर्य से बड़े फैसले लिए जाते हैं। इंदिरा ने निक्सन की बदतमीजी का जवाब बांग्लादेश बनाकर दिया। मोदी ट्रंप की धमकियों का जवाब मजबूत अर्थव्यवस्था और बहुपक्षीय कूटनीति से दे रहे हैं। ट्रंप कहते हैं कि भारत उन्हें खुश करे, लेकिन भारत की विदेश नीति किसी एक नेता पर निर्भर नहीं। आजादी के बाद से भारत ने कभी आंतरिक मामलों में हस्तक्षेप नहीं सहा, चाहे निक्सन हो या ट्रंप। इतिहास साबित करता है कि भारत की ताकत शोर में नहीं, संयम और रणनीति में है।

अस्तित्व के लिए जूझ रहे सुंदरवन डेल्टा के द्वीप

पड़ताल

ब्रजेश कानूनगो

लेखक स्तंभकार हैं।

पश्चिम बंगाल के 24 परगना जिले में गंगा नदी के मुहाने पर स्थित गंगासागर द्वीप एक ऐसा महत्वपूर्ण धार्मिक और सांस्कृतिक स्थल है जहां मकर संक्रांति के दिन इसका महत्व और अधिक बढ़ जाता है। इस दिन गंगा नदी का पानी कुछ घंटों के लिए हट जाता है, जिससे द्वीप का अधिकांश हिस्सा दिखाई देने लगता है। यह घटना ज्वार-भाटा के कारण होती है, जब चंद्रमा और सूर्य की गुरुत्वाकर्षण शक्ति के कारण समुद्र का पानी नीचे चला जाता है । इसी कारण तीर्थाटन के लिए निकले यात्रियों और पर्यटकों की जुबान से निकल ही पड़ता है, सारे तीरथ बारम्बार गंगासागर एक बार !

इस दिन लाखों लोग गंगासागर द्वीप पर आते हैं और गंगा स्नान करते हैं। यह एक महत्वपूर्ण धार्मिक आयोजन है, जिसे मकर संक्रांति के रूप में मनाया जाता है। गंगासागर द्वीप का इतिहास और संस्कृति बहुत पुरानी और समृद्ध है। यह द्वीप हिंदू धर्म में बहुत महत्वपूर्ण माना जाता है, क्योंकि यहां कपिल मुनि का आश्रम है, जो भगवान विष्णु के अवतार माने जाते हैं। कपिल मुनि ने यहां तपस्या की थी और भगवान विष्णु ने उन्हें आत्मज्ञान प्रदान किया था। यहां के लोग मुख्य रूप से बंगाली भाषा बोलते हैं और उनकी जीवनशैली में हिंदू धर्म की बहुत बड़ी भूमिका है। द्वीप पर कई मंदिर और आश्रम स्थित हैं।

यहां धार्मिक आस्था के एक प्रमुख तीर्थ के भौगोलिक, पर्यावरणीय, सामाजिक, आर्थिक पक्ष और जनजीवन को एक घुमक्कड़ी दृष्टि से समझने का प्रयास दिलचस्प होगा। इस द्वीप का क्षेत्रफल लगभग 300 वर्ग किलोमीटर है और यह कोलकाता से लगभग 150 किलोमीटर दक्षिण में स्थित है। यह द्वीप गंगा डेल्टा का एक हिस्सा है और यहां मैंग्रोव के जंगल, जलमार्ग और छोटी नदियां हैं। द्वीप का जलवायु उष्णकटिबंधीय है और यहां औसत तापमान 26 डिग्री सेल्सियस रहता है। द्वीप पर मैंग्रोव के जंगल यहां के पारिस्थितिकी तंत्र को बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

दरअसल, गंगासागर भूकटाव और प्राकृतिक खतरों से लगातार प्रभावित हो रहा है। 1969 में इस द्वीप का क्षेत्रफल लगभग 255 वर्ग किलोमीटर था, जो अब कम होकर 224.3 वर्ग किलोमीटर हो गया है। यह लगभग 31 वर्ग किलोमीटर की कमी है। समुद्र का बढ़ता जलस्तर, तटीय कटाव, चक्रवाती तूफान, ज्वारीय लहरें तथा मानव गतिविधियों से होने वाले पर्यावरण परिवर्तन के कारण होने वाला यह कटाव इस द्वीप के अस्तित्व के लिए गंभीर चिंता की वजह बना हुआ है। द्वीप का क्षेत्रफल लगातार कम हो रहा है, जिससे स्थानीय लोगों की जीवनशैली और जीविका प्रभावित हो रही है। इसके अलावा, द्वीप के मैंग्रोव जंगलों का विनाश हो रहा है, जिससे जैव विविधता पर भी खतरा मंडरा रहा है।

पिछले दिनों हमने पश्चिम बंगाल की यात्रा पर निकले ट्रेवलर ब्लॉगर नोमेडिक इंडियन के दीपांशु सांगवान के कई यूट्यूब वीडियो देखे। यात्रा के दौरान उन्होंने न सिर्फ गंगासागर बल्कि डेल्टा क्षेत्र के अन्य द्वीपों की यात्रा की और वीडियो और ब्लॉग बनाए। वे घोरमारा द्वीप में भी गए।

सुंदरबन डेल्टा में स्थित घोरमारा द्वीप (Ghoramara Island) आज दुनिया के उन हिस्सों में से एक है जो जलवायु परिवर्तन और समुद्र के

बढ़ते जलस्तर की मार सबसे पहले और सबसे बुरी तरह झेल रहे हैं। कोलकाता से लगभग 92 किलोमीटर दूर स्थित यह द्वीप धीरे-धीरे नदी और समुद्र में समा रहा है।

ट्रेवलर के वीडियो में देखकर और अध्ययन से यहां के जनजीवन और भविष्य की स्थिति को सहजता से समझा जा सकता है। इसका भूगोल सिकुड़ता जा रहा है पिछले 40-50 वर्षों में इस द्वीप ने अपने क्षेत्रफल का लगभग 50 प्रतिशत से अधिक हिस्सा खो दिया है। एक समय यह द्वीप करीब 26 वर्ग किलोमीटर में फैला था, जो अब घटकर 4-5 वर्ग किलोमीटर के आसपास रह गया है। हुगली और मुरीगंगा नदियों के संगम पर स्थित होने के कारण यहाँ मिट्टी का कटाव (Erosion) बहुत तीव्र है। हर पूर्णिमा और अमावस्या के ज्वार के साथ घोरमारा द्वीप का कुछ हिस्सा बह जाता है।

यहां के निवासियों का जीवन भी बहुत चुनौतीपूर्ण है। जनजीवन में यहाँ के लोगों का मुख्य पेशा खेती (विशेषकर पान की खेती और चावल) और मछली पकड़ना था। लेकिन समुद्र का खारा पानी खेतों में घुसने से जमीन बंजर हो रही है। द्वीप पर पक्की सड़कों और बिजली का अभाव है। लोग मुख्य रूप से सोलर पैनल और केरोसिन पर निर्भर हैं। यहाँ केवल कुछ ही स्कूल और प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र बचे हैं। कुछ ई रिक्शा द्वीप में परिवहन के साधन बने हैं। द्वीप के डूबने के डर से लोग यहाँ अपनी बेटियों की शादी करने से कतराते हैं। यहाँ के पुरुषों को काम की तलाश में दक्षिण भारत या कोलकाता पलायन करना पड़ता है। घोरमारा के हजारों लोग पहले ही पास के सागर द्वीप या मुख्य भूमि पर शरण ले चुके हैं। जो लोग अब भी वहाँ रह रहे हैं, वे या तो बहुत गरीब हैं या उनके पास कहीं और जाने का साधन नहीं है। इन्हें अक्सर 'भारत के पहले जलवायु शरणार्थी' कहा जाता है। घोरमारा द्वीप पर तूफान के समय लोगों के बचाव के लिए विशेष सेंटर बनाए गए हैं, जिन्हें शेल्टर होम कहा जाता है। ये शेल्टर होम 350 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से आने वाली हवाओं को भी झेल सकते हैं और लोगों को सुरक्षित रखने के लिए डिज़ाइन किए गए हैं। इन शेल्टर होम्स में 2000 से 3000 लोगों को रखा जा सकता है। घोरमारा द्वीप के पहले इसी डेल्टा क्षेत्र का लोहाचारा द्वीप समाप्त हो गया था। यह द्वीप भी सुंदरबन डेल्टा में स्थित था और जलवायु परिवर्तन, समुद्र के बढ़ते जलस्तर और तटीय कटाव के कारण पूरी तरह से डूब गया था। 1980 के दशक तक यह द्वीप बसा हुआ था, लेकिन 1990 के दशक तक यह पूरी तरह से पानी में डूब गया था। लोहाचारा द्वीप को दुनिया का पहला ऐसा बसा हुआ द्वीप माना जाता है जो जलवायु परिवर्तन के कारण पूरी तरह से समुद्र में डूब गया है। डेल्टा क्षेत्र के अन्य डूबते द्वीपों की तरह गंगासागर के क्षरण को लेकर सरकारों की चिंता का अपना बड़ा महत्व हो जाता है। किन उपायों और परियोजनाओं को प्राथमिकता से लागू किया जाता है, यह भी ध्यान दिया जाना चाहिए।

गंगासागर द्वीप के संरक्षण के लिए कई कदम उठाए जा रहे हैं। सरकार ने नदियों के प्रदूषण को कम करने और जल गुणवत्ता में सुधार करने के लिए गंगा एक्शन प्लान शुरू किया है। इसके तहत सीवेज ट्रीटमेंट प्लेंट्स, नदी के किनारे बागवानी, और सार्वजनिक जागरूकता अभियान चलाए जा रहे हैं। इसके अलावा, सरकार ने द्वीप के आसपास के क्षेत्रों में मैंग्रोव वृक्षारोपण करने की योजना बनाई है, जो तटीय कटाव को रोकने में मदद करेगा । यहां एक गहरे पानी का बंदरगाह बनाने की योजना है, जो यहां के आर्थिक विकास को बढ़ावा देगा। सरकार ने तटीय क्षेत्रों में ऐसे कई शेल्टर होम बनाए हैं, जो तूफान और बाढ़ के समय लोगों को सुरक्षित रखने के लिए उपयोग किए जाते हैं। इन शेल्टर होम्स में लोगों को भोजन, पानी, चिकित्सा सुविधा और अन्य आवश्यक सेवाएं प्रदान की जाती हैं । इसके अलावा, सरकार यहां के पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए भी काम कर रही है।

हिंदी भाषा का वैश्विक महत्व और प्रसार

विश्व हिंदी दिवस

डॉ. आरती पाठक

विश्व हिंदी दिवस प्रतिवर्ष 10 जनवरी को मनाया जाता है। यह दिन हिंदी भाषा के वैश्विक प्रचार-प्रसार, उसके सांस्कृतिक एवं भाषाई महत्व को रेखांकित करने के लिए समर्पित है। हिंदी भारत की राजभाषा होने के साथ-साथ विश्व की प्रमुख भाषाओं में से एक है। इथनोलॉग के 2025 आंकड़ों के अनुसार, हिंदी के कुल बोलने वालों की संख्या लगभग 609 मिलियन है, जिसमें से 345 मिलियन मूल वक्ता हैं। यह मंदारिन चीनी और अंग्रेजी के बाद तीसरी सबसे अधिक बोली जाने वाली भाषा है। विश्व हिंदी दिवस का मुख्य उद्देश्य हिंदी को अंतरराष्ट्रीय मंच पर मजबूत करना तथा इसे वैश्विक संवाद एवं सांस्कृतिक आदान-प्रदान की भाषा के रूप में स्थापित करना है।

हिंदी इंडो-आर्यन भाषा परिवार की प्रमुख भाषा है, जो देवनागरी लिपि में लिखी जाती है। यह संस्कृत, फारसी, अरबी एवं अंग्रेजी शब्दों से समृद्ध है। भारत के अलावा नेपाल, मॉरीशस, फिजी, सूरीनाम, त्रिनिदाद और टोबैगो जैसे देशों में हिंदी आधिकारिक या प्रमुख भाषा के रूप में बोली जाती है। प्रवासी भारतीयों के कारण अमेरिका, ब्रिटेन, कनाडा, ऑस्ट्रेलिया एवं दक्षिण अफ्रीका में भी हिंदी की मजबूत उपस्थिति है।हिंदी साहित्य की विरासत अत्यंत समृद्ध है। कबीर, तुलसीदास, सूरदास, प्रेमचंद, महादेवी वर्मा एवं हरिवंशराय बच्चन जैसे साहित्यकारों ने हिंदी को वैश्विक पहचान प्रदान की। बॉलीवुड फिल्में, वेब सीरीज एवं ओटीटी प्लेटफॉर्म्स के माध्यम से हिंदी सामग्री विश्वभर में लोकप्रिय हो रही है। संयुक्त राष्ट्र में हिंदी को छह गैर-आधिकारिक भाषाओं में शामिल किया गया है, तथा भारतीय नेता जैसे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी संयुक्त राष्ट्र महासभा में हिंदी में भाषण देते हैं, जो इसकी वैश्विक स्वीकार्यता का प्रमाण है। विश्व हिंदी दिवस भाषाई विविधता के संरक्षण एवं सांस्कृतिक एकता को बढ़ावा देने का अवसर है। डिजिटल युग में हिंदी की इंटरनेट उपस्थिति तेजी से बढ़ रही है, जो व्यापार, शिक्षा एवं कूटनीति में इसकी भूमिका को मजबूत कर रही है।

वर्तमान में हिंदी 200 से अधिक विश्वविद्यालयों एवं संस्थानों में पढ़ाई जाती है। भारतीय सांस्कृतिक संबंध परिषद ने विदेशों में हिंदी अध्ययन केंद्र स्थापित किए हैं। मॉरीशस में विश्व हिंदी सचिवालय का मुख्यालय है। सोशल मीडिया एवं तकनीकी विकास से हिंदी की पहुंच अभूतपूर्व रूप से बढ़ी है। हालांकि चुनौतियां भी मौजूद हैं। अंग्रेजी के प्रभुत्व, क्षेत्रीय भाषाओं की विविधता एवं युवा पीढ़ी में अंग्रेजी माध्यम की शिक्षा के कारण हिंदी का दैनिक उपयोग कभी-कभी प्रभावित होता है। फिर भी, कृत्रिम बुद्धिमत्ता एवं डिजिटल प्लेटफॉर्म्स पर हिंदी सामग्री का विस्तार हो रहा है।2025 में विश्व हिंदी दिवस की थीम 'हिंदीः एकता और सांस्कृतिक गौरव की वैश्विक आवाज' रही, जो हिंदी के माध्यम से सांस्कृतिक आदान-प्रदान एवं वैश्विक एकता को प्रोत्साहित करती है। 2026 में यह दिवस हिंदी की डिजिटल एवं तकनीकी प्रगति पर अधिक फोकस कर सकता है।

विश्व हिंदी दिवस हमें हिंदी की गरिमा, समृद्धि एवं वैश्विक योगदान की स्मृति कराता है। यह केवल एक उत्सव नहीं, बल्कि हिंदी को विश्व की प्रमुख भाषा बनाने की सामूहिक प्रतिबद्धता का प्रतीक है। हमें दैनिक जीवन, शिक्षा एवं मीडिया में हिंदी का अधिक उपयोग करना चाहिए। हिंदी हमारी सांस्कृतिक पहचान एवं विविधता में एकता का प्रतीक है। यदि हम सभी प्रयासरत रहें, तो हिंदी निश्चित रूप से वैश्विक मंच पर और मजबूत होगी। हिंदी को अपनाएं, गर्व से बोलें एवं इसका प्रसार करें। जय हिंदी !

स्वामी, सुबह सवेरे मीडिया एल.एल.पी. के लिए प्रकाशक एवं मुद्रक उमेश त्रिवेदी द्वारा श्री सिद्धीविनायक प्रिंटर्स, प्लॉट नं. 26-बी, देशबंधु परिसर, प्रेस कॉम्पलेक्स, जोन-1, एम.पी.नगर, भोपाल, म.प्र. से मुद्रित एवं डी-100/46, शिवाजी नगर भोपाल से प्रकाशित।

प्रधान संपादक
उमेश त्रिवेदी
कार्यकारी प्रधान संपादक
अजय बोकिल
संपादक (मध्यप्रदेश)
विनोद तिवारी
वरिष्ठ संपादक
पंकज शुक्ला
प्रबंध संपादक
अरुण पटेल
(सभी विवादों का न्याय क्षेत्र भोपाल रहेगा)
RNI No. MPHIN/ 2003/ 10923,
Ph. No. 0755-2422692, 4059111
Email- subahsaverenews@gmail.com

'सुबह सवेरे' में प्रकाशित विचार लेखकों के निजी मत हैं। इनसे समाचार पत्र का सहमत होना आवश्यक नहीं है।

तो उनके पीले साम्राज्य का क्या होगा?

व्यंग्य

डॉ. सुरेश कुमार मिश्रा 'उरतृप्त'

लेखक व्यंग्यकार हैं।

इस वातानुकूलित दफ्तर की खिड़की से बाहर देखें, तो पूरा शहर एक पीले कोहरे में लिपटा दिखाई देता था, पर भीतर साहब के चेहरे पर गजब का 'पिंक' ग्लो था। साहब का कमरा इतना ठंडा था कि वहाँ संवेदनाएं जम चुकी थीं। उनके सामने मेज पर एक पीली फाइल रखी थी—वही 'गोल्डन' फाइल, जिसमें शहर की प्यास और मौतों का हिसाब-किताब 'प्रॉफिट एंड लॉस' के कॉलम में कैद था।

साहब ने अपनी मोंट ब्लांक कलम घुमाई और सामने खड़े मातहत से पूछा, 'यह जो मोहल्ले में कल तीन 'यूनिट्स' कम हुई हैं, इनका कारण क्या लिखा?'

मातहत ने अपनी रीढ़ की हड्डी को थोड़ा और झुकाया और विनीत स्वर में बोला, 'साहब, तकनीकी रूप से वे 'मर' चुके हैं, पर हमने फाइल में लिखा है कि वे 'निर्वाण' को प्राप्त हुए। कारण—अत्यधिक हाइड्रेशन। उन्होंने पानी पीया और उनके फेफड़ों ने विकास की उस भारी मात्रा को झेलने से इनकार कर दिया।'

साहब मुस्कराए। उनकी मुस्कराहट में वैसी ही चमक थी जैसी उस पीले पानी की ऊपरी सतह पर तैरते हुए केमिकल की होती है। वे बोले, 'गुड! देखो, डेटा को कभी रोना नहीं चाहिए। डेटा को हमेशा मुस्कराना चाहिए। अगर दस लोग पीला पानी पीकर नीले पड़ गए हैं, तो इसे 'कलर ट्रांज़िशन' की उपलब्धि बताओ। कहो कि हमने शहर को बहुरंगी बनाने का प्रोजेक्ट शुरू किया है।'

सस्पेंस तो उस अलमारी में था, जो साहब के ठीक पीछे रखी थी। उसमें उन पाइपों के सैंपल थे, जो कागजों पर तो सोने के थे, पर जमीन के नीचे वे पीतल से भी गए-गुज़रे निकले। साहब जानते थे कि पाइप में छेद नहीं है, बल्कि पूरा सिस्टम ही एक बड़ा 'छेद' है, जिससे पैसा रिसकर सीधे उनके स्विस बैंक के खातों में जा रहा है।

तभी फोन बजा। दूसरी तरफ से कोई बड़ा 'आका' बोल रहा था। साहब की आवाज़ में अचानक चाशनी घुल गई, 'जी मंत्री जी... बिल्कुल! पानी का रंग पीला इसलिए रखा है ताकि वह 'स्वच्छ भारत' के विजन में 'गोल्डन इंदौर' का अहसास दिलाए। जी, जो लोग अस्पताल में हैं, उन्हें हम 'स्मार्ट सिटी' के पहले प्रयोगकर्ता मान रहे हैं। मुआवाज़ा? नहीं-नहीं साहब, मुआवाज़े की जगह हम उन्हें 'शुद्धता का प्रमाण पत्र' दे रहे हैं।'

यहाँ 'पानी' एक विलासिता थी और 'मौत' एक सांख्यिकीय त्रुटि। साहब ने खिड़की का पर्दा थोड़ा और सरकाया। नीचे गली में वही मालवी लड़का स्ट्रेचर पर लेटा ले जाया जा रहा था। उसकी आँखें ठीक साहब की खिड़की की ओर थीं। वह लड़का अब बोल नहीं सकता था, पर उसकी पीली पड़ चुकी आँखों में एक ऐसा सवाल था जो साहब की फाइल में कहीं दर्ज नहीं था।

लड़के की रूह जैसे साहब के कान में फुसफुसा रही थी—'ओ साहिब! इब तो थारा एसी में भी पीली हवा आवेगी। जे पाणी पी ने मरे, ऊ तो तरी गया, पण जो पी-पी ने जिन्दा है, ऊ थारी कुर्सी की पीली ईंट हिलाई नाखेगा।'

साहब ने झटके से पर्दा गिरा दिया। उन्हें लगा जैसे कमरे का तापमान अचानक बढ़ गया है। मेज पर रखा पानी का गिलास उन्हें अपनी ओर घूरता हुआ लगा। वह पानी पीला नहीं था—साहब के लिए तो वह शुद्ध मिनरल वाटर था—पर उसमें उन्हें अपनी ही परछाई एक 'पीले डरावने साये' जैसी दिखने लगी।

तभी बाहर से एक बूढ़ी आवाज़ गूँजी, जो चपरासी से उलझ रही थी—'अरे जाई ने थारा बड़ा साहिब ने कै दे, कि इब घूँट-घूँट में कहानी नी, इब तो घूँट-घूँट में गवाह पैदा हो रया है। ई पीले पाणी की हर बूंद थारा बंगले की नींव खोखली करी रई है।'

साहब ने घंटी बजाई। चपरासी आया। साहब ने कहा, 'बाहर शोर बहुत है, 'जाँच जारी है' का बोर्ड थोड़ा और बड़ा लगवा दो और सुनो... रेडियो पर 'सब ठीक है' वाला जिंगल हर दस मिनट में बजना चाहिए।'

साहब का चेहरा भी अब पीला पड़ने लगा था। पर यह पानी की वजह से नहीं, उस 'डर' की वजह से था कि अगर जनता ने प्यास बुझाना छोड़ दिया और सवाल पूछना शुरू कर दिया, तो उनके इस पीले साम्राज्य का क्या होगा?

नल अभी भी टपक रहा था... टप... टप... टप...। हर बूंद के साथ साहब की कुर्सी की एक कील ढीली हो रही थी। इंदौर समझ गया था, और अब शायद साहब के समझने की बारी थी।

विश्व हिंदी दिवस

डॉ. अशोक कुमार भार्गव

पूर्व आईएएस मोटिवेशनल स्पीकर

वैश्विक मंच पर हिंदी की समृद्ध विरासत

भारत की सांस्कृतिक चेतना की समृद्ध विरासत हिंदी न केवल हमारी अस्मिता की पहचान है वरन हमारे राष्ट्र की आत्मा भी है। अब हिंदी केवल परस्पर संवाद और संपर्क का माध्यम ही नहीं है वरन वैश्विक स्तर पर भी अपनी सर्जनात्मकता, जिजीविषा और समावेशिता के कारण अपने प्रभुत्व का निरंतर विस्तार कर रही है।

विश्व में ऐसे भी स्थान है जहां भारतीय मूल के लोग नहीं है तब भी वहां पर हिंदी बोली समझी और पढ़ी जा रही है। आज विश्व के सभी महाद्वीपों के लगभग 140 से अधिक देशों में हिंदी की स्वीकार्यता में वृद्धि हो रही है। इसीलिए विश्व में हिंदी प्रयोक्ताओं की संख्या लगभग 100 करोड़ से अधिक हो गई है जो संयुक्त राष्ट्र संघ की 6 आधिकारिक भाषाओं के बोलने वालों की संख्या से बहुत अधिक है। अब विश्व का मानचित्र बदल गया है। पहले अंग्रेजों के साम्राज्य में सूर्य कभी अस्त नहीं होने का मिथक था जो इतिहास बन गया है किंतु अब हिंदी के लिए यह गर्व का विषय है कि उसके बोलने, समझने और लिखने वालों का संसार इतना विराट हो गया है कि वहां कभी भी सूर्य अस्त नहीं होता।

भारतीय प्रतीकों और राष्ट्रवाद की प्रखरता को मुखरता के साथ प्रस्फुटित करने वाली हिंदी को अंतर्राष्ट्रीय भाषा के रूप में स्थापित करने, हिंदी के प्रति प्रवासी भारतीयों में भावनात्मक रिश्ता कायम करने और विश्व में सकारात्मक वातावरण निर्मित करने के उद्देश्य से 10 जनवरी 1975 को नागपुर में प्रथम विश्व हिंदी सम्मेलन संपन्न हुआ। जिसमें 30 देशों के 122 प्रतिनिधि सम्मिलित हुए थे। यह सम्मेलन हिंदी के वैश्विक प्रसार की दिशा में एक मील का पत्थर सिद्ध हुआ। इस सम्मेलन के बाद अंतरराष्ट्रीय स्तर पर हिंदी को प्रतिष्ठित करने के लिए विश्व के विभिन्न देशों में अब तक 12 विश्व हिंदी सम्मेलन आयोजित किया जा चुके हैं। प्रथम विश्व हिंदी सम्मेलन की वर्षगांठ अर्थात 10 जनवरी 2006 से प्रधानमंत्री डॉ मनमोहन सिंह की पहल पर संयुक्त राष्ट्र संघ में हिंदी को आधिकारिक भाषा के रूप में अधिकृत करने के भारतीय प्रस्ताव को मजबूत करने, हिंदी को विश्व भाषा के रूप में प्रस्तुत करने तथा हिंदी के प्रचार-प्रसार हेतु जागरूकता और अनुराग सृजित करने के उद्देश्य से विश्व हिंदी दिवस मनाने की परंपरा प्रारंभ हुई है। अब तक विश्व के विभिन्न देशों में 12 विश्व हिंदी सम्मेलन आयोजित किया जा चुके हैं। फलस्वरूप हिंदी न केवल राष्ट्रीय आत्माभिमान का प्रतीक बनी है वरन अंतरराष्ट्रीय मंचों पर सांस्कृतिक संवाद, बौद्धिक विमर्श और भारतीय ज्ञान परंपरा का सशक्त माध्यम भी बनी है।

वैश्विक स्तर पर हिंदी की उपादेयता उसकी सरलता, सहजता, तकनीकी सटीकता, संवादों की आत्मीयता और समावेशी प्रकृति के कारण निरंतर बढ़ रही है। 90 के दशक में भारत में जब उदारीकरण,वैश्वीकरण और ओधौगिकिकरण की प्रक्रिया प्रारंभ हुई तब विश्व की अनेक बहुराष्ट्रीय कंपनियां भारत में आईं। मीडिया नायक रुपर्ट मर्डोक स्टार चैनल और इसी तर्ज पर सोनी जैसे अन्य चैनलों ने भी अंग्रेजी कार्यक्रमों के साथ धूमधाम से भारत में पदार्पण किया जिससे हिंदी के लिए संकट निर्मित होता दिखाई दे रहा था किंतु शीघ्र ही उन्हें यह ब्रह्म ज्ञान प्राप्त हुआ कि भारतीय बाजार तंत्र में अपनी दर्शक संख्या बढ़ाने, अंतर्राष्ट्रीय उत्पाद बेचने,व्यावसायिक, व्यापारिक लाभ में वृद्धि हेतु उपभोक्ताओं को अपनी ओर आकर्षित करने के लिए हिंदी का इस्तेमाल अनिवार्य है। अतः विवश होकर उन्हें हिंदी की ओर मुड़ना ही पड़ा। अब अमेरिका,ऑस्ट्रेलिया, दक्षिण अफ्रीका सहित यूरोप के अन्य देशों में बहुराष्ट्रीय कंपनियां हिंदी सीखाने का व्यवसाय कर रही हैं। अपने उत्पादों के तकनीकी महत्व, जरूरी सूचनाएं, विज्ञापन आदि हिंदी में प्रस्तुत किए जा रहे हैं। इसके अतिरिक्त पर्यटन, विज्ञान, वाणिज्य, व्यवसाय, सूचना प्रणाली, डिजिटल मीडिया आदि अन्य क्षेत्रों में हिंदी का प्रयोग वैश्विक स्तर पर हिंदी भाषा की महत्ता को रेखांकित करता है। अतः हिंदी केवल साहित्य की भाषा ही नहीं है अपितु यह पूंजी, बाजार, संचार, तकनीक, विज्ञान, कूटनीति राजनय तथा अंतरराष्ट्रीय महत्व के मुद्दों का भी प्रतिनिधित्व करती है।

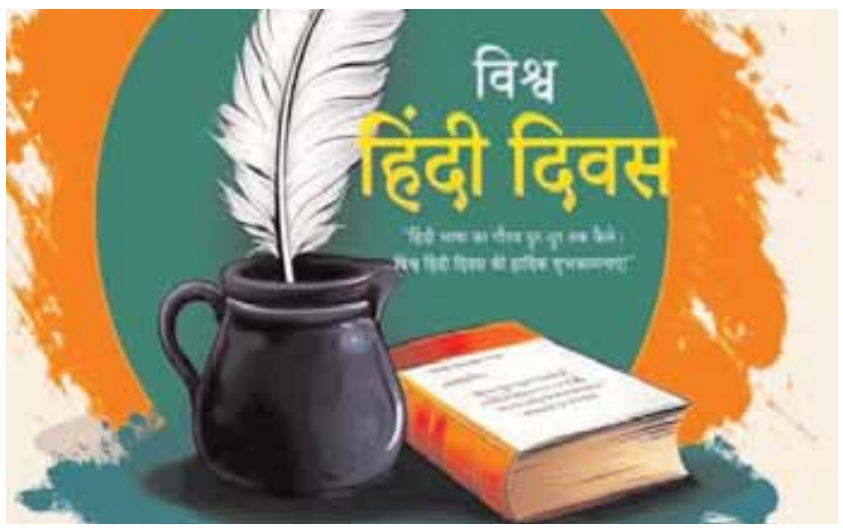

भारतीय जनमानस में सहिष्णुता, समरसता और स्व का भाव उत्पन्न करने वाली हिंदी वैश्विक फलक पर अपनी महत्ता का परचम लहरा रही है। हिंदी न केवल संख्या बल वरन भू विस्तार की दृष्टि से भी विश्व की प्रधान भाषाओं में से एक है। विश्व के मानचित्र पर तीसरी सबसे बड़ी संवाद शक्ति बनकर उभर रही हिंदी गूगल, मेटा, माइक्रोसॉफ्ट की रिपोर्ट के अनुसार भारत के 50 प्रतिशत से अधिक इंटरनेट उपभोक्ता हिंदी में सामग्री का उपभोग कर रहे हैं। सोशल मीडिया, फेसबुक, इंस्टाग्राम और यूट्यूब और विकिपीडिया पर हिंदी कंटेंट रचनाकारों की संख्या करोड़ों में हो गई है। डिजिटल मीडिया के युग में हिंदी सिनेमा,संगीत,गीतों, उपग्रह से प्रसारित कार्यक्रमों, धारावाहिकों, भारतीय संस्कृति, कला, साहित्य, खानपान, योग, अध्यात्म, लोकतांत्रिक मूल्यों और ओटीटी प्लेटफॉर्म ने हिंदी को वैश्विक सौम्य शक्ति 'सॉफ्ट पावर' के रूप में स्थापित कर दिया है। बहुराष्ट्रीय कंपनियां अब हिंदी को अपनी रणनीति का अनिवार्य हिस्सा मान रही है। हमारी राष्ट्रीय शिक्षा नीति ने भी हिंदी को ज्ञान विज्ञान की भाषा के रूप में नए आयाम दिए हैं। विज्ञान, चिकित्सा, इंजीनियरिंग, प्रौद्योगिकी आदि विषयों की पाठ्य सामग्री भी अब हिंदी में सहजता से उपलब्ध होने के कारण शिक्षा का लोकतांत्रिकरण हो रहा है। विश्व के 180 से अधिक विश्वविद्यालयों में हिंदी का पठन-पाठन प्रशिक्षण और शोध कार्य हो रहा है। इस प्रकार हिंदी विश्व भाषा बनने की दिशा में निरंतर आगे बढ़ रही है।

वैश्वीकरण के इस युग में हिंदी भाषा के प्रयोग में परिवर्तन परिलक्षित हुआ है। साहित्य की दृष्टि से हिंदी में गुणात्मक और मात्रात्मक दृष्टि से उच्चतम साहित्य सृजित किया जा रहा है। हिंदी विभिन्न भाषाओं में अनुवाद का सशक्त माध्यम बन गई है। आज विश्व में पढ़े जाने वाले समाचार पत्रों में आधे से अधिक हिंदी के हैं। हिंदी को संयुक्त राष्ट्र संघ में यद्यपि पूर्ण सम्मान नहीं मिला किंतु हिंदी में संयुक्त राष्ट्र के न्यूज़ पोर्टल चल रहे हैं। प्रवासी भारतीयों का हिंदी को जीवंत बनाए रखने में अद्भुत योगदान है। समय-समय पर संयुक्त राष्ट्र संघ के अधिवेशनों व जी 20 जैसे अंतरराष्ट्रीय मंचों पर हिंदी के उद्घोष तथा विदेशों से हिंदी में प्रकाशित पत्र पत्रिकाओं व सोशल मीडिया के व्यापक प्रयोग से विश्व में संपर्क भाषा के रूप में हिंदी की स्वीकार्यता में सुखद वृद्धि हो रही है।आज जन भाषा, संपर्क भाषा, वैश्वीकरण और बाजारवाद के अनूठे दौर में विश्व फलक पर हिंदी के कदम निरंतर बढ़ रहे हैं और समग्र संसार में हिंदी को नए आयाम मिल रहे हैं।

यद्यपि हिंदी की वैश्विक स्तर पर प्रतिष्ठा बढ़ने के बाद भी हिंदी राष्ट्रभाषा के गौरव से वंचित है। सबसे बड़ी संवैधानिक कठिनाई यह है कि यदि भारत का एक भी प्रांत हिंदी को राष्ट्रभाषा के रूप में प्रतिष्ठापित नहीं करना चाहेगा तो वह राष्ट्रभाषा नहीं बन सकती। इसके साथ ही राजनीतिक नेतृत्व की तदर्थ वादी नीति, हिंदी समाज के मध्यम वर्ग का अपनी मातृभाषा के प्रति न्याय न करने नौकरशाही प्रशासनिक तंत्र और अभिजात्य वर्ग की हिंदी के प्रति उपेक्षा तथा हिंदी के साथ अंग्रेजी की प्रतिष्ठा बनाए रखने के कारण हिंदी अपने ही घर में दासी की स्थिति में रह रही है। पता नहीं राष्ट्रभाषा हिंदी का वनवास कब समाप्त होगा।

हमें फादर कामिल बुल्के के इन विचारों को नहीं भूलना चाहिए जो उन्होंने द्वितीय विश्व हिंदी सम्मेलन के अवसर पर मॉरीशस में अभिव्यक्त किए थे 'द्वितीय विश्व हिंदी सम्मेलन की सबसे बड़ी उपलब्धि यह होगी कि मॉरीशस के हिंदी भाषी नागरिकों से भारत के नागरिक प्रेरणा लेंगे और भारत में हिंदी को पूर्ण रूप से प्रतिष्ठित करेंगे। ऐसा हो जाने पर ही हिंदी को विश्व भाषा का गौरव प्राप्त होगा।'

आजादी के अमृत काल में पंच प्रण के बिंदु विकसित भारत, गुलामी की हर सोच से मुक्ति,विरासत पर गर्व, एकता और एकजुटता, नागरिकों द्वारा अपने कर्तव्यों का पालन ऐसे महत्वपूर्ण आयाम है जिनके प्रति हमारी प्रतिबद्धता होनी चाहिए। पंच प्रण का दूसरा संकल्प गुलामी की हर सोच से मुक्ति में एक महत्वपूर्ण क्षेत्र है भाषा। दुर्भाग्यवश भारत को उस औपनिवेशिक शक्तिशाली मानसिकता से मुक्त करना संभव नहीं हो सका जिसमें अंग्रेजी को जानना ही विद्वता की निशानी माना जाता है। इसे अंग्रेजी के प्रति हमारी विवशता कहें या आकर्षण या अंधमोह कि आज अंग्रेजी हिंदी से अधिक सशक्त बन गई है। जन सामान्य को यह लगता है कि उनका बच्चा यदि अंग्रेजी नहीं जानता तो वह कितना भी मेघावी और प्रतिभाशाली क्यों ना हो सफल नहीं हो सकता। शिक्षा के पूंजीवादी चरित्र ने अंग्रेजी स्कूलों की भरमार लगा दी है। कभी-कभी तो हिंदी की उपेक्षा से मुझे ऐसा प्रतीत होता है कि क्या सचमुच हम हिंदी के समर्थक हैं या हम ऐसा होने का मात्र आडंबर कर रहे हैं।

अतः हम सबको अपनी भाषा की ओर लौटने, उसे महत्व देने और दुनिया के लिए उसकी उपादेयता सिद्ध करने की की सख्त जरूरत है। हमें गैर हिंदी भाषियों के प्रति भी सम्मान का भाव रखना होगा। उत्तर दक्षिण के मध्य सेतु बनाए रखने के लिए हमें एक दूसरे की कम से कम एक भाषा को जरूर सीखना चाहिए। यदि हम ऐसा कर सके तो जैसे 19 वीं सदी फ्रेंच भाषा की और 20 वीं सदी अंग्रेजी की थी तो 21वीं सदी हमारी होगी हिंदी की होगी।

सृजन का उत्स है संधान भी है,तरक्की का यही उन्वान भी है ।

जुबां कहते हैं हिंदी आप जिसको,फकत भाषा नहीं पहचान भी है।

विश्व हिन्दी-दिवस

डॉ. सुधीर सक्सेना

लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं।

हम विश्व हिन्दी दिवस मनाने के अधिकारी हैं या नहीं?

10 जनवरी को विश्व हिन्दी दिवस है। औपनिवेशिक काल में हिन्दी प्रवासी श्रमिकों या गिरमिटियों के जरिये अनेक देशों में पहुँच गई थी, लेकिन हिन्दी को वैश्विक पटल पर प्रतिष्ठित करने का महत्वपूर्ण और अपूर्व उपक्रम सन् 1975 में तब हुआ, जब मराठीभाषी साहित्यकार अनंत गोपाल शेवड़े ने नागपुर में विश्व हिन्दी सम्मेलन का आयोजन किया। इस आयोजन में दुनिया के तमाम देशों से लोग आये। इसका उद्घाटन तत्कालीन प्रधानमंत्री श्रीमती इंदिरा गांधी ने किया था। लोठार लुत्थे और ओदोलन स्मेकेल जैसे विद्वानों और अभिमन्यु अनत जैसे लेखकों से मेरी मुलाकात वहीं हुई थी। बहरहाल, हिन्दी की महत्ता को तो बरसों पहले से सारे मनीषी बूझ रहे थे, किन्तु इस दिशा में सबसे ठोस और प्रभावी उपक्रम महात्मा गांधी ने किया वह सन् 1918 में हिन्दी साहित्य सम्मेलन के उद्घाटन के लिये इंदौर आये थे। उन्होंने हिन्दी के प्रचार-प्रसार की बात कही ओर समस्त भारतीय भाषाओं के लिए एक लिपि (देवनागरी) की अनिवार्यता की बात भी की।

निज भाषा उन्नति अहै सब उन्नति को मूल - आधुनिक हिन्दी साहित्य के प्रणेता भारतेन्दु हरिशचंद्र ने जब यह बात कही थी, तब वह सभ्यता और संस्कृति के मर्म को उद्घाटित क रहे थे। देश-दुनिया पर नजर डालें तो हम सहज ही समझ सकते हैं कि विदेशी या विजातीय भाषा किस तरह वैयक्तिक, सामूहिक और राष्ट्रीय विकास में अवरोध व विकार उत्पन्न करती है। वह असमान विकास, जातीय और भौगोलिक संघर्षों और अनेक विभेदों को जन्म देती है। बहुधा वह भाषायी समूह या समूहों में हीनता बोध भी उत्पन्न करती है।

10 जनवरी को विश्व हिन्दी दिवस है। औपनिवेशिक काल में हिन्दी प्रवासी श्रमिकों या गिरमिटियों के जरिये अनेक देशों में पहुँच गई थी, लेकिन हिन्दी को वैश्विक पटल पर प्रतिष्ठित करने का महत्वपूर्ण और अपूर्व उपक्रम सन् 1975 में तब हुआ, जब मराठीभाषी साहित्यकार अनंत गोपाल शेवड़े ने नागपुर में विश्व हिन्दी सम्मेलन का आयोजन किया। इस आयोजन में दुनिया के तमाम देशों से लोग आये। इसका उद्घाटन तत्कालीन प्रधानमंत्री श्रीमती इंदिरा गांधी ने किया था। लोठार लुत्थे और ओदोलन स्मेकेल जैसे विद्वानों और अभिमन्यु अनत जैसे लेखकों से मेरी मुलाकात वहीं हुई थी। बहरहाल, हिन्दी की महत्ता को तो बरसों पहले से सारे मनीषी बूझ रहे थे, किन्तु इस दिशा में सबसे ठोस और प्रभावी उपक्रम महात्मा गांधी ने किया वह सन 1918 में हिन्दी साहित्य सम्मेलन के उद्घाटन के लिये इंदौर आये थे। उन्होंने हिन्दी के प्रचार-प्रसार की बात कही ओर समस्त भारतीय भाषाओं के लिए एक लिपि (देवनागरी) की अनिवार्यता की बात भी की। उनके शिष्य काका कलेलकर ने इस दिशा में काफी प्रयास किये। यह भारतीय भाषाओं के प्रति अनुराग से उपजा साहस ही था कि स्वतंत्रता की बेला में जब बीबीसी का संवाददाता उनसे साक्षात्कार के लिये पहुंचा तो उन्होंने साहसपूर्वक दो टूक कहा कि जाओ, दुनिया से कह दो कि गांधी अंग्रेजी भूल गया।

इस बात में शक नहीं कि हिन्दी वैश्विकता के सन्दर्भ में हमें एक नहीं अनेक गांधी चाहिये। हमें बहुत सारे गांधियों की आवश्यकता है। यदि हमें हिन्दी चाहिये तो हमें बहुत सारे गांधी चाहिये, जो सविनय - साग्रह देश-देशांतर में हिन्दी का विस्तार कर सकें। भाषा के विविध आयाम होते हैं। वह अभिव्यक्ति का माध्यम मात्र नहीं है, वरन संस्कृति का सेतु, सम्पर्क साधन और अस्मिता का प्रतीक भी है। वैश्विक मंच पर वह किसी देश की पहचान भी है। गौर करें कि आज वैश्विक परिदृश्य में हिन्दी की स्थिति क्या है? विश्व के सर्वाधिक आबादी के देश की सर्वाधिक व्यवहृत भाषा यूएनओ में पैठ तो दूर, प्रवेश से वंचित है। विश्व हिन्दी सम्मेलन दुनियाभर के हिन्दी प्रेमियों के जमावड़े हैं, लेकिन वे योरोप, अफ्रीका अथवा लातिनी अमेरिका में हिन्दी के प्रति उत्सुकता जगाने में कमोबेश विफल रहे हैं। हिन्दी सिर्फ अकादमिक संस्थाओं में पढ़ाये जाने तक सीमित है। सन 70 की परवर्ती दहाई में लौटें तो बहुत कुछ स्वागतेय हुआ था। अटल बिहारी वाजपेयी ने चार अक्टूबर सन 1977 को संयुक्त राष्ट्र संघ में पहला भाषण दिया था और यह भाषण उन्होंने हिन्दी में दिया था। इसके बाद उन्होंने 10 अक्टूबर और 24 सितंबर, 1998 में यूएनओ में भाषण दिया। पहले दो भाषण उन्होंने बतौर विदेश मंत्री दिये और तीसरा भाषण उन्होंने बहैसियत प्रधानमंत्री दिया। गौरतलब है कि उन्होंने अपना पहला भाषण हिन्दी में दिया था, मगर बाद के दोनों भाषण उन्होंने अंग्रेजी में दिये। क्यों? प्रश्न महत्वपूर्ण है। उत्तर तलाशिये। बहुत कुछ समझ में आ जायेगा। प्रसंगवश यह भी मायने रखता है कि विदेश नीति में, विदेश मंत्रालय में और दुनिया के तमाम देशों में स्थित भारत के दूतावासों में हिन्दी की क्या हैसियत है? इन संकायों में हिन्दी में सोचने, हिन्दी में बोलने और हिन्दी में प्रश्नोत्तरी की क्या स्थिति है?

10 जनवरी को विश्व हिन्दी दिवस है। इसका इकलौता उजला पक्ष यह है कि यह वैश्विक संदर्भों में हिन्दी की महत्ता और स्वीकार्यता को व्यक्त करता है, किन्तु इसके साथ-साथ हिन्दीजनों के सम्मुख कई कर्तव्य और चुनौतियां भी खड़ी करता है। क्या कोई अन्य दिवस अपनी भाषा से जुड़ा दिवस मनाता है? चीन में मंदारिन, रूस में रूसी, स्पने में स्पेनिश, फ्रांस में फ्रेंच या इस्त्रायल में हिब्रू डे मनाया जाता है? ये सारे देश राजनीतिक उथलपुथल के भी शिकार रहे हैं। स्वाभिमानी नागरिक न सिर्फ अपनी भाषा को जीवित रखते हैं, बल्कि उसकी प्रतिष्ठा और परिमार्जन में कोई कोर कसर नहीं उठा रखते। यहाँ हिन्दी भाषी देश की सीमाओं के भीतर ही हीनताबोध से ग्रस्त नजर आते हैं। वे प्रतिष्ठित मंचों पर हिन्दी बोलने में लजाते हैं। हिन्दी पट्टी की सांस्कृतिक राजधानी प्रयाग से निकले 'बिग बी' बालीवुड में ज्यों-ज्यों कामयाबी की सीढ़िया चढ़ते हैं, समारोहों में हिन्दी की जगह अंग्रेजी बोलते दीखते हैं। सिनेमा हो या खेल हो या कोई और क्षेत्र अधिकांश सेलीब्रिटीज अंग्रेजी बोलने में फख्र महसूस करते हैं। भाषा से जुड़ा एक और पहलू यह भी कि विज्ञान या चिकित्सा की शिक्षा और दुनिया में हिन्दी की स्थिति क्या है? शोधार्थियों या जिज्ञासुओं के लिये कितनी स्तरीय व प्रामाणिक सामग्री हिन्दी में उपलब्ध है? क्या हम हिन्दी भाषियों को सन्दर्भ जुटाने के लिये अंग्रेजी की शरण में नहीं जाना पड़ता? इस पर भी गौर करें कि नौकरशाही और कार्पोरेट की दुनिया में हिन्दी की क्या स्थिति है? क्या वहां हिन्दी की अर्जियां सकारी जाती हैं अथवा हिन्दी में संवाद को तरजीह दी जाती है? भाषा बहता नीर है, लेकिन आज भाषा के साथ क्या सलूक हो रहा है हिन्दी और उर्दू परस्पर हमजोली हैं, लेकिन भाषा की शुद्धता के नाम पर हिन्दी को दुर्बल और हास्यास्पद बनाने का तमाशा जारी है। भाषा को धर्म या संप्रदाय से जोड़ना नितांत आत्मघाती और मूढ़ता का परिचायक है। जरूरत भाषा को बचाने और अर्थगर्भी बनाने की की नहीं, अधिक से अधिक व्यवहार से उसे व्यापक, गहरा और अर्धगर्भी बनाने की है। सच है कि समाज भाषा को बनाता है और भाषा को समाज बनाती है। दोनों ठौर उदारता और खुलापन जरूरी है। वसुधैव कुटुबकम के लिये उदारचरित जरूरी शर्त है। भाषा पंचमेल खिचड़ी की तरह है। उसमें तरह-तरह के रंग, स्वाद और महक की दालें मिलाइये, लेकिन उसे गर्द और कंकड़ों से बचाये रखना होगा। आज हिन्दी में पत्र-पत्रिकाओं की क्या स्थिति है? नामीगिरामी लोकप्रिय पत्रिकायें बंद हो चुकी हैं। बीसवीं शती में हिन्दी के कई जागृत केंद्र थे; बम्बई, कलकत्ता, हैदराबाद से लेकर लखनऊ, वाराणासी, इलाहाबाद, भोपाल, इंदौर, पटना, कानपुर और अनेक। आज इन केन्द्रों की क्या स्थिति है? डॉ. प्रभाकर श्रोत्रिय सही कहते थे कि केन्द्रों की बहुलता हिन्दी-जगत को भास्वर करती थी। हिन्दी का पाट चौड़ा है, लेकिन गहरा, निर्मल और प्रवहमान नहीं, जबकि वह विकेंद्रित होकर ही बच और बढ़ सकेगी। हिन्दी के किसी साहित्यकार को नोबेल पुरस्कार नहीं मिलना भी विचारणीय है। यूनेस्को ने सन 2003 में दिल्ली को विश्व पुस्तक राजधानी चुना था। दो दहाई बाद भी क्या दिल्ली दुनिया में सिरमौर है?

तो 10 जनवरी को हम विश्व हिन्दी दिवस मनाने के अधिकारी है या नहीं और उसके तकाजों को कितना पूरा कर रहे हैं? हिन्दी अपने घर प्रवासिनी है या नहीं का उत्तर भी आप ही देंगे।

विश्व हिंदी दिवस पर विशेष

संदीप सृजन

लेखक स्तंभकार हैं।

हिंदी भाषा और एआई तकनीक मिलन का महत्वपूर्ण कदम

हिंदी भाषा, जो विश्व की चौथी सबसे अधिक बोली जाने वाली भाषा है और भारत की आधिकारिक भाषा है, अब कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) की दुनिया में एक नई क्रांति का केंद्र बिंदु बन रही है। एआई तकनीक ने हिंदी को डिजिटल युग में नई ऊंचाइयों पर पहुंचाया है, जहां भाषाई बाधाएं ध्वस्त हो रही हैं और समावेशी विकास की नई संभावनाएं खुल रही हैं। हिंदी भाषा और एआई तकनीक का यह संगम न केवल भारत की बहुभाषी विविधता को मजबूत कर रहा है, बल्कि वैश्विक स्तर पर हिंदी को विज्ञान, शिक्षा और शासन की भाषा बनाने में योगदान दे रहा है।

हिंदी भाषा का एआई से जुड़ाव नया नहीं है, लेकिन हाल के वर्षों में यह तेजी से बढ़ा है। भारत में 22 अनुसूचित भाषाओं और सैकड़ों बोलियों के साथ भाषाई विविधता एक बड़ी चुनौती रही है। एआई की प्राकृतिक भाषा प्रसंस्करण (एनएलपी) तकनीक ने इस विविधता को अवसर में बदल दिया है। भारत सरकार की प्रमुख पहल भाषिणी इस दिशा में मील का पत्थर है। राष्ट्रीय भाषा अनुवाद मिशन (एनएलटीएम) के तहत विकसित भाषिणी एक एआई-संचालित प्लेटफॉर्म है जो रीयल-टाइम अनुवाद, वाक् पहचान और भाषा समझ प्रदान करता है। यह 22 अनुसूचित भाषाओं सहित जनजातीय भाषाओं का समर्थन करता है। 2025 में भाषिणी ने महाकुंभ जैसे बड़े आयोजनों में बहुभाषी चैटबॉट के रूप में काम किया, जहां लाखों श्रद्धालुओं को हिंदी और अन्य भाषाओं में जानकारी मिली। भारतीय रेलवे ने भी भाषिणी को टिकटिंग और घोषणाओं में एकीकृत किया है, जिससे यात्रियों को अपनी भाषा में सुविधा मिल रही है।

एक और महत्वपूर्ण विकास भारतजेन है। यह भारत का पहला स्वदेशी बहुभाषी जनरेटिव एआई मॉडल है, जो टेक्स्ट-टू-टेक्स्ट और टेक्स्ट-टू-स्पीच क्षमताओं से युक्त है। वर्तमान में यह हिंदी, मराठी, तमिल, मलयालम, बंगाली, पंजाबी, गुजराती, तेलुगु और कन्नड़ जैसी 9 भाषाओं का समर्थन करता है। जून 2026 तक यह सभी 22 अनुसूचित भाषाओं को कवर करेगा। भारतजेन कृषि, शासन, स्वास्थ्य और शिक्षा जैसे क्षेत्रों में अनुप्रयोग विकसित कर रहा है। उदाहरणस्वरूप, किसानों को हिंदी में मौसम और फसल सलाह मिल सकेगी। यह मॉडल भारतीय संदर्भों और संस्कृति को ध्यान में रखकर बनाया गया है, जो पश्चिमी एआई मॉडलों से अलग है।

वैश्विक स्तर पर भी हिंदी के लिए विशेष एआई मॉडल विकसित हो रहे हैं। जी42 कंपनी का नंदा मॉडल एक 13 अरब पैरामीटर वाला हिंदी-केंद्रित लार्ज लैंग्वेज मॉडल (एलएलएम) है, जो 2.13 ट्रिलियन टोकनों पर प्रशिक्षित है। यह हिंदी की बोलियों, मुहावरों और क्षेत्रीय विविधताओं को समझता है। नंदा का अपग्रेडेड वर्जन 87

अरब पैरामीटर वाला है, जो हिंदी-अंग्रेजी मिश्रित भाषा (हिंग्लिश) को भी संभालता है। सरवम एआई का ओपनहाथी हिंदी मॉडल और गूगल का जेमिनी अब हिंदी सहित 9 भारतीय भाषाओं में उपलब्ध है। गूगल सर्च का एआई मोड भी हिंदी में काम करता है, जो बातचीत शैली में खोज को आसान बनाता है।

एआई हिंदी शिक्षा और साहित्य को भी बदल रहा है। टॉकियो एआई जैसे ऐप्स हिंदी सीखने में मदद कर रहे हैं, जबकि आईआईटी मद्रास ने लेक्चरों को 11 भारतीय भाषाओं में अनुवाद करने वाला सिस्टम विकसित किया है। बॉलीवुड और सोशल मीडिया पर हिंदी कंटेंट को एआई टूल्स से बेहतर बनाया जा रहा है। पर्यावरण, स्वास्थ्य और लिंग समानता जैसे विषयों पर हिंदी पॉडकास्ट और ब्लॉग एआई की मदद से वैश्विक पहुंच बना रहे हैं।

हालांकि, हिंदी और एआई के इस सफर में चुनौतियां भी हैं। मुख्य समस्या डेटा की कमी है। इंटरनेट पर उपलब्ध सामग्री का बड़ा हिस्सा अंग्रेजी में है, जबकि भारतीय भाषाएं मात्र 1 प्रतिशत हैं। हिंदी की जटिल व्याकरण, संयुक्त शब्द, लिपि (देवनागरी) और बोलियों की विविधता एआई मॉडलों के लिए टोकनाइजेशन और प्रशिक्षण को कठिन बनाती है। हिंग्लिश और कोड-स्विचिंग (भाषा मिश्रण) भी समस्या पैदा करती है। कई साहित्यिक और मौखिक परंपराएं डिजिटाइज नहीं हुई हैं। इसके अलावा, बायस का खतरा है - यदि प्रशिक्षण डेटा असंतुलित हो तो एआई सांस्कृतिक गलतियां कर सकता है। गोपनीयता और डेटा सुरक्षा भी चिंता का विषय है। कम संसाधन वाली भाषाओं में एआई की सटीकता कम होती है, जिससे अनुवाद में अर्थ विकृति हो सकती है।

इन चुनौतियों के बावजूद, भविष्य उज्ज्वल है। भारत सरकार की इंडिया एआई मिशन और ओपन-सोर्स पहलें डेटा संग्रह को बढ़ावा दे रही हैं। भाषिणी की क्राउडसोर्सिंग से लाखों वाक्य एकत्र हो रहे हैं। 2026 तक भारतजेन सभी भाषाओं को कवर करेगा, जो डिजिटल समावेशिता को बढ़ाएगा। एआई हिंदी को विज्ञान और तकनीक की भाषा बना रहा है, जैसा कि केंद्रीय मंत्री डॉ. जितेंद्र सिंह ने कहा - 'हिंदी अब सिर्फ भाषा नहीं, भारत की सांस्कृतिक पहचान का प्रतीक है।' एआई से हिंदी में रोजगार के नए अवसर खुल रहे हैं, जैसे अनुवादक, कंटेंट क्रिएटर और एआई ट्रेनर।

हिंदी भाषा और एआई तकनीक का यह मिलन भारत को वैश्विक एआई नेता बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। यह न केवल भाषाई बाधाओं को तोड़ रहा है, बल्कि करोड़ों लोगों को डिजिटल दुनिया से जोड़ रहा है। यदि हम डेटा संग्रह, नैतिकता और समावेश पर ध्यान दें, तो हिंदी एआई के माध्यम से विश्व को नई वैचारिक दृष्टि दे सकती है। यह संगम हमें एक ऐसे भारत की ओर ले जा रहा है जहां हर नागरिक अपनी मातृभाषा में प्रौद्योगिकी का लाभ उठा सके। हिंदी और एआई का यह सफर अभी शुरुआत है - आगे और भी क्रांति बाकी है।

नीति आयोग द्वारा धार जिले के समग्र आर्थिक विकास एवं निवेश संभावनाओं पर महत्वपूर्ण बैठक आयोजित

धार। मध्यप्रदेश राज्य नीति आयोग द्वारा राज्य में क्षेत्रीय आर्थिक विकास (Regional Economic Development) को सुदृढ़ करने के उद्देश्य से G-Hub (Growth Hub) पहल प्रारंभ की गई है। इस पहल के अंतर्गत भोपाल आर्थिक क्षेत्र (BER) एवं इंदौर आर्थिक क्षेत्र (IER) को विकास के प्रमुख इंजन के रूप में विकसित करते हुए औद्योगिक, अवसंरचनात्मक, मानव संसाधन एवं संस्थागत क्षमताओं का समेकित आकलन कर दोनों क्षेत्रों के लिए इकनॉमिक प्लान तैयार किया जा रहा है।

नीति आयोग के दल का पीथमपुर लॉजिस्टिक हब का भ्रमण- इसी क्रम में नीति आयोग, भारत सरकार की प्रिंसिपल इकनॉमिक एडवाइजर एना रॉय के नेतृत्व में नीति आयोग भारत सरकार के 14 सदस्यीय दल द्वारा जिले के पीथमपुर मल्टी मॉडल लॉजिस्टिक हब का भ्रमण किया गया। स्थल निरीक्षण के दौरान निर्माण कार्य की प्रगति संतोषजनक पाई गई तथा परियोजना से संबंधित चुनौतियों एवं समाधान हेतु नीति आयोग द्वारा चर्चा की गई।

कलेक्टर कार्यालय में जिला स्तरीय समीक्षा बैठक - भ्रमण उपरांत कलेक्टर कार्यालय धार में कलेक्टर प्रियंक मिश्रा की उपस्थिति में जिला स्तरीय समीक्षा एवं विचार-विमर्श बैठक आयोजित की गई। बैठक में विजन-2047 एवं दिल्ली-मुंबई औद्योगिक कॉरिडोर (DMIC) के अंतर्गत उपलब्ध अवसरों को दृष्टिगत रखते हुए धार जिले की विकास संभावनाओं पर विस्तार से चर्चा की गई।

ग्रोथ हब फॉर सिटी रीजन की अवधारणा- नीति आयोग की वरिष्ठ अधिकारी एना रॉय ने बताया कि नीति आयोग द्वारा वर्ष 2023 में शहरी नियोजन हेतु 'ग्रोथ हब फॉर सिटी रीजन' की नई अवधारणा प्रारंभ की गई है। वर्तमान में भोपाल एवं इंदौर मेट्रोपोलिटन रीजन की योजना तैयार की जा रही है, जिसमें पीथमपुर एवं धार जिला इंदौर मेट्रोपोलिटन रीजन के महत्वपूर्ण घटक हैं।

धार जिले की औद्योगिक एवं निवेश संभावनाएं

कलेक्टर मिश्रा ने बताया कि धार जिले का लगभग 80 प्रतिशत क्षेत्र DMIC प्रभाव क्षेत्र में आता है तथा पीथमपुर-धार-महू निवेश क्षेत्र पूर्ण विकसित नोड के रूप में कार्यरत है। इसके अतिरिक्त रतलाम-नागदा एवं शाजापुर-देवास निवेश क्षेत्र आगामी औद्योगिक विकास के महत्वपूर्ण केंद्र हैं। बैठक में अवगत कराया गया कि जिले में पीथमपुर, पीएम मित्रा पार्क सहित सर्वाधिक औद्योगिक पार्क एवं एस्टेट्स स्थित हैं, जिससे जिले के सकल घरेलू उत्पाद में विनिर्माण क्षेत्र का लगभग 60 प्रतिशत योगदान अनुमानित है। ऑटोमोबाइल, वस्त्र एवं परिधान, खाद्य प्रसंस्करण, सामान्य उद्योग एवं डेटा सेंटर को प्रमुख विकास प्रेरक के रूप में चिन्हित किया गया।

पर्यटन, ऊर्जा एवं कृषि पर विशेष चर्चा

पर्यटन क्षेत्र में मांडू (स्वदेश दर्शन 2.0), इको-टूरिज्म, ऐतिहासिक, साहसिक एवं वेलनेस पर्यटन को बढ़ावा देने तथा नर्मदा नदी क्रूज़ - बाग- मांडू - उज्जैन - इंदौर पर्यटन सर्किट विकसित करने पर चर्चा की गई। साथ ही बाग क्षेत्र में जियो पार्क की स्थापना, बाग प्रिंट एवं बाघ गुफाओं से पर्यटन को जोड़ने, धार 200 मेगावाट सौर ऊर्जा परियोजना, पवन ऊर्जा विस्तार, वाणिज्यिक कृषि, कपास उत्पादक किसानों को गुणवत्तायुक्त बीज उपलब्ध कराने तथा निमाड़ क्षेत्र में सहकारी उर्वरक उत्पादन इकाई की स्थापना जैसे विषयों पर भी विचार किया गया।

अवसंरचना एवं कौशल विकास

बैठक में इंदौर-दाहोद, धार-छोटा उदयपुर एवं इंदौर-मनमाड़ रेल परियोजनाओं के शीघ्र पूर्ण होने, मांडू में निजी होटलों को जल आपूर्ति, कौशल विकास को सुदृढ़ करने तथा उद्योग-संचालित आईटीआई एवं अनुसंधान केंद्रों की स्थापना पर भी चर्चा की गई।

समन्वित विकास पर चर्चा

बैठक में उद्योगों से संबंधित नियामक अड़चनों, भूमि उपलब्धता, पर्यावरणीय चुनौतियों एवं कौशल अंतर को दूर करने हेतु समन्वित प्रयासों पर चर्चा की गई। बैठक में संबंधित विभागों के अधिकारीगण, औद्योगिक प्रतिनिधि एवं प्रशासनिक अधिकारी उपस्थित रहे।

जिले के विकास में जनप्रतिनिधियों, प्रशासन के साथ-साथ सामाजिक क्षेत्र के व्यक्तियों के अनुभव का किया जाएगा उपयोग : शुक्ल

भोपाल। उप मुख्यमंत्री एवं शहडोल जिले के प्रभारी मंत्री श्री राजेन्द्र शुक्ल की अध्यक्षता में जिला विकास सलाहकार समिति की बैठक कलेक्ट्रेट शहडोल के विराट सभागार में आयोजित हुई। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने जिले में विभिन्न विभागों द्वारा संचालित विकास योजनाओं, निर्माण कार्यों एवं जनहित से जुड़े मुद्दों की बिंदुवार समीक्षा की। जैतपुर विधायक श्री जयसिंह मरावी, विधायक जयसिंहनगर श्रीमती मनीषा सिंह, विधायक ब्यौहारी श्री शरद जुगलाल कोल, जिला पंचायत की अध्यक्ष श्रीमती प्रभा मिश्रा, नगर पालिका अध्यक्ष श्री घनश्याम जायसवाल, जिला योजना समिति की सदस्य श्रीमती अमिता चपरा, कलेक्टर डॉ. केदार सिंह, पुलिस अधीक्षक श्री रामजी श्रीवास्तव सहित स्थानीय जनप्रतिनिधि, जिला विकास सलाहकार समिति के अन्य सदस्य एवं विभागीय अधिकारी उपस्थित रहे।

उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने शहडोल नगर, मेडिकल कॉलेज एवं नगरीय निकाय में शुद्ध पेयजल की आपूर्ति हेतु 27 करोड़ रूपए की लागत से सोन नदी में बनाए जाने वाले एनीकट बैराज के प्रगति की समीक्षा की और अधिकारियों को निर्देश दिए कि ऐसा प्रयास किया जाए कि इसी वर्ष गर्मी में योजना के माध्यम से पेयजल की आपूर्ति की जा सके। बैठक में बताया गया कि एनीकट बैराज निर्माण का टेंडर इसी माह जारी कर दिया जाएगा। शहडोल नगर में सीवरेज लाइन के कार्य की प्रगति की समीक्षा करते हुए निर्देश दिए कि मार्च माह तक काम पूरा कर लिया जाए। सीवरेज लाइन का विस्तार पतली गलियों में भी किया जाए। सीवरेज लाइन से शहर की जो रोड क्षतिग्रस्त हुई हैं उनका रेस्टोरेशन भी कराया जाए। कार्य पूरा हो जाने पर नगरवासियों को डेमोंस्ट्रेशन के माध्यम से दिखाया जाएगा कि किस तरह से शहर का गंदा पानी फिल्टर कर शहर को गंदगी एवं बीमारियों से बचाने का कार्य किया गया है। बैठक में बताया गया कि परियोजना की लागत 170 करोड़ रूपए है तथा नेटवर्क 213 किलोमीटर का है अभी तक 140 किलोमीटर में कार्य कर लिया गया है।

टीम भावना से कार्य कर स्वास्थ्य सेवाओं में परिणाम परिलक्षित करें : उप मुख्यमंत्री

उप मुख्यमंत्री तथा मंत्री लोक स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा विभाग श्री राजेन्द्र शुक्ल ने आज कलेक्ट्रेट स्थित नर्मदा सभागार में अनूपपुर जिला प्रशासन एवं स्वास्थ्य अधिकारियों से जिले के स्वास्थ्य सेवाओं की समीक्षा कर निर्देश दिए कि जिले में राष्ट्रीय स्वास्थ्य कार्यक्रमों का सतत् प्रभावी क्रियान्वयन किया जाए। उन्होंने कहा कि केन्द्र एवं राज्य सरकार की प्राथमिकता में स्वास्थ्य विभाग है। प्रदेश में स्वास्थ्य सुविधाओं के वृद्धि के लिए सरकार द्वारा लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। समन्वित प्रयास से स्वास्थ्य सुविधाएं मुहैया कराने की दिशा में लगातार कार्य हो रहा है। उप मुख्यमंत्री श्री राजेन्द्र शुक्ल ने समीक्षा बैठक में कहा कि राज्य शासन स्तर से जिला चिकित्सालय अनूपपुर के उन्नयन तथा पदों की स्वीकृति एवं पदस्थापना संबंधी कार्य प्रक्रियागत हैं। जिसका लाभ शीघ्र ही जिले को प्राप्त होगा। उन्होंने बैठक में बताया कि स्वास्थ्य विभाग अंतर्गत प्रदेश में 30 हजार से ज्यादा विभिन्न पदों की भर्ती की प्रक्रिया जारी है। उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य विभाग में प्रारंभ की गई टेलीमेडिसिन सुविधा का लाभ निचले स्तर तक प्रदान किया जाए। जिससे ग्रामीण क्षेत्र के लोग भी बड़ी संख्या में लाभान्वित हो सकें। उन्होंने स्वास्थ्य अमले को टीम भावना से कार्य करने के लिए प्रोत्साहित किया। उन्होंने कहा कि काम में परिणाम परिलक्षित हो इस दिशा में सभी को मिलजुल कर कार्य करना है। उन्होंने सिकलसेल, क्षय रोग, शिशु एवं मातृ मृत्यु दर के साथ ही स्वास्थ्य क्षेत्र में मजबूती के साथ प्रयासों पर बल दिया।

धार में दो दिवसीय अग्रवाल युवक-युवती परिचय सम्मेलन आज से..

151 पुरुष , 65 युवा, 105 मातृशक्ति की टीम सहित समाजजन सम्मेलन की व्यवस्था संभालेंगे

धार। मध्यप्रदेश अग्रवाल महासभा धार द्वारा दो दिवसीय आयोजित अखिल भारतीय विवाह योग्य युवक-युवतियों का परिचय सम्मेलन धार स्थित श्रद्धा शगुन गार्डन में आज 10 जनवरी से प्रारंभ होगा 11 जनवरी को शाम को समापन होगा। सम्मेलन में योग्य

जीवनसाथी की चाह लिए देशभर के युवक-युवती जुटेंगे। सुबह से शाम तक चर्चा का दौर चलेगा और कई रिश्ते तय होंगे। इस दौरान सामाजिक सरोकार की बात भी होगी। परिचय सम्मेलन कार्यक्रम की तैयारियां पूरी हो गई हैं। परिचय सम्मेलन में 151 पुरुष, 65 युवा,105 मातृशक्ति की टीम व्यवस्था में लगी हुई है, कार्यक्रम सुबह 10 बजे से पूजन के साथ प्रारंभ होगा जिसके बाद पत्रिका का विमोचन किया जाएगा। जानकारी मीडिया प्रभारी श्याम मंगल लेबड एवं अशोक मित्तल ने दी।

कुमार जी की 34वीं पुण्यतिथि पर दो दिवसीय आयोजन

देवास। महान संगीत महर्षि पद्मविभूषण पंडित कुमार जी की 34 वीं पुण्यतिथि के प्रसंग पर इस वर्ष शनिवार 10 और रविवार 11 जनवरी 2026 को आयोजित किया गया है। यह कार्यक्रम कुमारजी के निवास स्थान भानुकुल के प्रांगण में शाम 6 बजे से प्रारम्भ होगा। कुमार गंधर्व प्रतिष्ठान देवास के द्वारा प्रतिवर्षानुसार आयोजित इस कार्यक्रम में इस स्वरांजली सभा का शुभारंभ 10 जनवरी 2026 को मुंबई के युवा और होनहार गायक रमाकांत गायकवाड़ के गायन से होगा जो अपनी ख्याल गायकी के साथ ही ठुमरी गायन में निपुणता रखते है। इसी सभा के उत्तरार्ध में वाराणसी की जानी मानी सुश्री

कमला शंकर का स्लाइड गिटार वादन होगा जो देश में महिला वादिकाओं के रूप में अपना अग्रणी स्थान रखती है। 11 जनवरी को सभा के पहले आकर्षण के रूप में इंदौर के वरिष्ठ बांसुरी वादक संतोष संत की प्रस्तुति होगी। आप विश्वविख्यात बांसुरी वादक पंडित हरिप्रसाद चौरासिया के गुणी शागिर्दों में शुमार है। सभा के के अंत में वरिष्ठ और विख्यात ख्याल गायिका श्रीमती अलका देव मारुलकर का गायन होगा जो अपनी विचारवान और घरानेदार ख्याल गायकी के लिए विश्व में जानी जाती है। दोनों दिनों की सभाओं में पूना के आशय कुलकर्णी और भोपाल के रामेंद्र सिंह सोलंकी तबला संगतकार के रूप में और स्वानंद कुलकर्णी हार्मोनियम संगतकार के रूप में सम्मिलित होंगे। कुमार गंधर्व प्रतिष्ठान के सभी सदस्यों और न्यास मंडल के ओर से श्रोताओं को अधिक से अधिक संख्या में समय से पधार कर संगीत का आनंद लेने के लिए आग्रहपूर्वक आमंत्रित किया जाता है। यह आयोजन सभी के लिए खुला है। इस संबंध में अधिक जानकारी के लिए संपर्क 9826210629 पर किया जा सकता है।

संभागायुक्त ने दूरस्थ ग्राम साजपुर में योजनाओं के क्रियान्वयन का लिया जायजा

ग्रामीणों से आत्मीय चर्चा कर स्वास्थ्य, शिक्षा, पेयजल सहित मूलभूत सुविधाओं की ली जानकारी

बैतूल। संभागायुक्त नर्मदापुरम कृष्ण गोपाल तिवारी ने शुक्रवार को बैतूल जनपद के दूरस्थ जनजातीय ग्राम साजपुर का भ्रमण कर विभिन्न शासकीय योजनाओं के क्रियान्वयन का जायजा लिया। इस अवसर पर कलेक्टर नरेन्द्र कुमार सूर्यवंशी, मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत अक्षत

जैन, वन मंडल अधिकारी नवीन गर्ग, वन मंडल अधिकारी लक्ष्मीकांत वासनिक सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे। संभागायुक्त श्री तिवारी ने वन रक्षक आवास बीट पश्चिम साजपुर परिसर में ग्रामीणों के साथ आत्मीय चर्चा कर स्वास्थ्य, शिक्षा, पेयजल, पशुपालन सहित अन्य मूलभूत सुविधाओं की जानकारी ली। साथ ही उन्होंने वन अधिकार अधिनियम से संबंधित प्रकरणों पर ग्रामीणों से चर्चा कर उनके शीघ्र निराकरण के लिए वन विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए। ग्रामीणों से पेयजल व्यवस्था के संबंध में जानकारी लेने पर बताया गया कि ग्राम में घर-घर नल के माध्यम से सुचारु जल आपूर्ति हो रही है। इसके अतिरिक्त संभागायुक्त ने आंगनवाड़ी एवं स्कूल के संचालन तथा पोषण आहार वितरण की स्थिति की जानकारी ली, जिस पर ग्रामीणों ने बताया कि आंगनवाड़ी एवं स्कूल नियमित रूप से संचालित हो रहे हैं तथा बच्चों को पोषण आहार भी वितरित किया जा रहा है। उन्होंने स्वास्थ्य सुविधाओं, जन्म प्रमाण पत्र सहित अन्य आवश्यक सेवाओं की उपलब्धता के संबंध में भी ग्रामीणों से चर्चा की।

संभागायुक्त श्री तिवारी ने गौसेवक पशु मित्र प्रशिक्षण योजना के अंतर्गत ग्राम में एक पशु सेवक की नियुक्ति के निर्देश उप संचालक पशुपालन को दिए, जिससे पशुपालन, पशु टीकाकरण एवं उपचार की सुविधाएं ग्रामीणों को त्वरित रूप से उपलब्ध हो सकें। साथ ही उन्होंने पशु संजीवनी 1962 सेवा के प्रभावी क्रियान्वयन के निर्देश देते हुए पशुपालकों को घर पहुंच पशु उपचार सुविधा उपलब्ध कराने पर जोर दिया। इस दौरान उप संचालक पशुपालन सुरजीत सिंह भी उपस्थित रहे।

कांग्रेस जिलाध्यक्ष निलय डागा के निवास पर पहुंचे नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंगार

पत्रकारों से खुलकर की चर्चा, जल जीवन मिशन में 40 फीसदी भ्रष्टाचार का लगाया आरोप

बैतूल। भोपाल से सिवनी जाते हुए विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंगार बैतूल में कुछ देर के लिए रुके। इस दौरान बैतूल जिला कांग्रेस अध्यक्ष निलय डागा के निवास पर बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता और स्थानीय पत्रकार उनसे मिलने पहुंचे। नेता प्रतिपक्ष ने इस अवसर पर प्रदेश की राजनीति और जनहित से जुड़े कई अहम मुद्दों पर खुलकर अपनी बात रखी।

दूषित जल आपूर्ति पर सरकार को घेरा- उमंग सिंगार ने प्रदेश में दूषित जल आपूर्ति का मुद्दा उठाते हुए कहा कि यह समस्या केवल इंदौर तक सीमित नहीं है, पूरे मध्यप्रदेश में हालात चिंताजनक हैं। गांव से लेकर शहरों और मजरे-टोलों तक लोग मजबूरी में दूषित पानी पीने को विवश हैं। उन्होंने कहा कि स्वच्छ पेयजल की आपूर्ति हर नागरिक का संवैधानिक अधिकार है, लेकिन सरकार इस बुनियादी जिम्मेदारी को निभाने में पूरी तरह विफल साबित हो रही है।

जल जीवन मिशन में भ्रष्टाचार का आरोप- नेता प्रतिपक्ष ने जल जीवन मिशन को लेकर गंभीर आरोप लगाए। उन्होंने कहा कि इस योजना में करीब 40 प्रतिशत तक भ्रष्टाचार हुआ है। कांग्रेस ने इस मुद्दे को विधानसभा में जोरदार तरीके से उठाया, लेकिन इसके बावजूद प्रदेश सरकार ने किसी भी तरह की ठोस कार्रवाई नहीं की। सिंगार ने कहा कि सरकार की चुप्पी यह साफ दर्शाती है कि वह भ्रष्टाचारियों को संरक्षण दे रही है।

मनरेगा के नाम बदलने पर सवाल- मनरेगा योजना के नाम बदलने को लेकर भी उमंग सिंगार ने सरकार की मंशा पर सवाल खड़े किए। उन्होंने कहा कि केवल नाम बदलने से गरीबों और मजदूरों की स्थिति नहीं सुधरेगी। यदि सरकार वास्तव में विकास चाहती है तो

पंचायतों को सीधे करोड़ों रुपये उपलब्ध कराए, ताकि जमीनी स्तर पर काम हो सके और ग्रामीणों को रोजगार मिल सके।

अंतरराष्ट्रीय मुद्दों पर भी दिया बयान- अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के बयानों को लेकर नेता प्रतिपक्ष ने तीखी प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा कि ट्रम्प ने ऑपरेशन सिंदूर रुकवाने की बात कही, लेकिन प्रधानमंत्री उनके सामने तेज आवाज में बोलने से डरते नजर आते हैं। सिंगार ने कहा कि यदि प्रधानमंत्री में हिम्मत है तो खुलकर विरोध करके दिखाएं।

कांग्रेस कार्यकर्ताओं से मुलाकात- बैतूल प्रवास के दौरान बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने उमंग सिंगार से मुलाकात की और संगठनात्मक मुद्दों पर चर्चा की। डागा हाउस में प्रदेश कांग्रेस सचिव समीर खान, पूर्व विधायक पी.आर.बोड़खे, धरमूसिंह सिरसाम, पंचायती राज के राष्ट्रीय संयोजक ब्रजभूषण पांडे, पिछड़ा वर्ग के जिलाध्यक्ष नारायण राव धोटे, युवक कांग्रेस के पूर्व जिलाध्यक्ष लवलेश बब्बा राठौर, युवक कांग्रेस जिलाध्यक्ष संजय यादव, महिला कांग्रेस जिलाध्यक्ष पुष्पा पेंद्राम, ब्लॉक कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष मोनू बडोनिया, प्रशांत राजपूत, बैतूल शहर अध्यक्ष मनोज कालू आहूजा सहित सैकड़ों कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

औषधि प्रीमियर लीग 4.0 क्रिकेट प्रतियोगिता 11 जनवरी को

बैतूल। दवा विक्रेता संस्था के सदस्यों के बीच आपसी खेल भावना और उत्साह को बढ़ावा देने के उद्देश्य से औषधि प्रीमियर लीग 4.0 क्रिकेट प्रतियोगिता का आयोजन 11 जनवरी को लाल बहादुर शास्त्री स्टेडियम ग्राउंड कोठीबाजार में किया जाएगा। जिसमें जिलेभर के दवा विक्रेता संस्था से जुड़े सदस्य ही भाग लेंगे। प्रतियोगिता नॉकआउट आधार पर आयोजित होगी। जिला औषधि विक्रेता संघ के सचिव सुनील सलूजा ने बताया कि पहला मैच सुबह 9 बजे बैतूल ए और बैतूल बी के बीच खेला जाएगा। सुबह 10 बजे आमला केमिस्ट इलेवन का मुकाबला मुलतापी इलेवन से होगा। तीसरा मैच सुबह 11 बजे सतपुड़ा केमिस्ट इलेवन और चिचोली केमिस्ट इलेवन के बीच होगा, जबकि चौथा मैच दोपहर 12 बजे भैंसदेही संघ और मां अंबा केमिस्ट आठनेर के बीच खेला जाएगा। इसके बाद दोपहर 1 बजे पहला सेमीफाइनल, 2 बजे दूसरा सेमीफाइनल और 3 बजे फाइनल मुकाबला होगा।

नर सेवा ही नारायण सेवा का जीवंत उदाहरण

शीतलहर में पारधी मोहल्ले के हर घर तक पहुंचे कंबल

बैतूल। नर सेवा ही नारायण सेवा की उक्ति को चरितार्थ करते हुए तापी आरोग्य सेवा फाउंडेशन ने शीतलहर के प्रकोप के बीच पारधी मोहल्ले में मानवीय सेवा की मिसाल पेश की। जब कड़ाके की ठंड में महिलाएं और बच्चे ठिठुर रहे थे, तभी मोहल्ले से फाउंडेशन के कार्यकर्ताओं को सूचना मिली। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए बिना विलंब त्वरित निर्णय लिया गया और तत्काल कंबलों की व्यवस्था कर वितरण की योजना बनाई गई।

पारधी मोहल्ले के युवाओं के सहयोग से ऐसी व्यवस्था बनाई गई कि कंबल हर जरूरतमंद परिवार तक सीधे पहुंचे। बस्ती में प्रत्येक घर से सभी व्यक्तियों का एकत्रीकरण करके कंबल वितरित किए गए जिससे ठंड से जूझ रहे लोगों को तत्काल राहत मिली। इस सेवा कार्य में तापी आरोग्य सेवा फाउंडेशन के कार्यकर्ता उत्तम गायकवाड, वंदना कुंभारे, डॉ. कृष्णा पाटनकर, राहुल वडुकलें, रोशन मगरदे, कपिल डांगे, पंजाब गायकवाड, संजय मकोड़े, प्रतीक गलफट, भीम धोटे और सुशीला बोड़खे की सक्रिय उपस्थिति रही।

सेवा के साथ-साथ सामाजिक समरसता का परिचय देते हुए निचले

तपके को समाज के मुख्य धारा से जोड़ने के लिए शिक्षा, संस्कार, स्वावलंबन, स्वास्थ्य के लिए जागरूकता का संदेश भी दिया गया साथ ही शिक्षा, स्वास्थ्य और स्वावलंबन को जीवन की आधारशिला बताते हुए समाज को आगे बढ़ाने का आह्वान किया गया। इस अवसर पर उत्तम गायकवाड जी ने संस्कारों को जीवन की मजबूत नींव बताया और कहां की संस्कार ही हमारे परिवार, समाज और राष्ट्र को शुद्रड एवं समृद्ध बनाने में रीड का कार्य करते हैं।

स्वास्थ्य के प्रति जागरूक रहने का दिया संदेश- डॉ कृष्ण पाटणकर ने समय-समय पर निशुल्क स्वास्थ्य परीक्षण शिविर लगाने की बात कही और स्वास्थ्य के प्रति जागरूक रहने का संदेश दिया उन्होंने बताया कि नियमित जांच से गंभीर बीमारियों से बचाव संभव है और फाउंडेशन इस दिशा में निरंतर प्रयास करेगा।

रविवार को देवास नगर की 17 बस्तियों में होंगे विराट हिन्दू सम्मेलन

बस्तियों में हजारों लोग एकत्रित होंगे, समरसता भोज होगा

देवास। हिन्दू समाज की एकजुटता, सनातन संस्कृति के संरक्षण तथा राष्ट्र सुरक्षा में समाज की भूमिका को मजबूत करने के उद्देश्य से देवास नगर में व्यापक स्तर पर हिन्दू सम्मेलनों का आयोजन होगा। इस क्रम में इस रविवार 11 जनवरी को देवास नगर की 17 बस्तियों में हिन्दू सम्मेलन अलग-अलग स्थानों पर आयोजित होगा। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के स्थापना को शताब्दी वर्ष होने पर आयोजित हो रहे इन सम्मेलनों में बस्ती में निवासरत पूरे हिन्दू समाज की सहभागिता सुनिश्चित करने हेतु घर-घर जाकर पीले चावल, भगवा ध्वज एवं आमन्त्रण पत्रक दिए जा रहे है। रविवार को इटावा, विजयनगर, मुखर्जीनगर, रामनगर, मोती बंगला, नई आबादी, कैलादेवी, सनसिटी, नागदा, जवाहर नगर, कालानी बाग, बजरंगपुरा, तुलजा भवानी, राजाभाऊ महांकाल, राधागंज, आदर्श नगर एवं भोसले बस्तियों के हिन्दू सम्मेलन आयोजित होंगे। हिन्दू सम्मेलनों की तैयारी हेतु बस्तियों में आयोजन समितियों द्वारा अक्षत कलश वितरण, भूमि पूजन, भगवा ध्वज स्थापना, भगवा यात्राएं, प्रभात फेरियां आदि आयोजन किये जा रहे है। इन सम्मेलनों में भारत माता पूजन एवं आरती, गो पूजन, शास्त्र पूजन, कलश यात्रा, सामूहिक हनुमान चालीसा पाठ, भजन जैसे धार्मिक कार्यक्रमों के साथ गणेश-सरस्वती वंदना पर नृत्य एवं पंचपरिवर्तन पर नाटिका जैसे संस्कृतिक कार्यक्रम भी आयोजित किए जाएंगे। इस अवसर पर सभी स्थानों पर सहभोज भी आयोजित किये जा रहे है। स्थानीय स्तर पर प्रमुख संत, मातृशक्तियां, समाजसेवी एवं बुद्धिजीवी वक्ता के रूप में भाग लेंगे। आगामी दिनों में देवास नगर की बची हुई 15 बस्तियों के हिन्दू सम्मेलन आयोजित होंगें।

आंगनबाड़ी केन्द्रों हेतु भवन, पोषण वाटिका एवं शौचालय का निर्माण कार्य इसी माह पूर्ण किया जाए : कृष्ण गोपाल तिवारी

सभी कलेक्टर्स भंडारण केन्द्रो में कृषक विश्राम शेड निर्माण का कार्य जल्द पूरा कराए कमिश्नर ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग में सभी कलेक्टर्स को दिए निर्देश

नर्मदापुरम (निप्र)। सभी भवन विहीन आंगनबाड़ी केन्द्रों में भवनों का निर्माण कार्य, आंगनबाड़ी परिसर में पोषण वाटिका एवं शौचालय का निर्माण कार्य इसी माह पूरा किया जाए। नर्मदा पुरम संभाग कमिश्नर श्री कृष्ण गोपाल तिवारी ने उक्त निर्देश नर्मदापुरम, बैतूल एवं हरदा के कलेक्टर एवं जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारियों को दिए। कमिश्नर वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से नर्मदापुरम, हरदा एवं बैतूल जिले की विभिन्न योजनाओं एवं निर्माण कार्यों की संभागीय समीक्षा कर रहे थे। बताया गया की नर्मदा पुरम जिले में 36 आंगनबाड़ी केन्द्रों के लिए 36 भवन स्वीकृत किए गए हैं। जिनमें 32 भवन निर्माणाधीन है और चार अप्रारंभ है। आंगनबाड़ी केन्द्रों के लिए 90 पोषण वाटिका स्वीकृत किए गए हैं जिनमें 18 प्रारंभ है। 45 शौचालय में से सभी अप्रारंभ है। यही स्थिति बैतूल एवं हरदा की भी है बैतूल में 36 आंगनवाड़ी भवन 241 पोषण वाटिका 87 शौचालय, हरदा में तीन भवन 60 पोषण वाटिका एवं 41 शौचालय स्वीकृत है जिनमें से कई में कार्य प्रारंभ है तो कई में कार्य अप्रारंभ है। कमिश्नर ने सभी कलेक्टर्स एवं मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत को स्पष्ट निर्देश दिए कि उक्त सभी कार्य आसानी से पूरे किए जा सकते हैं अतः सभी कार्य इसी माह पूर्ण कर लिया जाए। कमिश्नर ने निर्देश दिए की शासन स्तर से विपणन संघ के उर्वरक भंडारण केन्दो में कृषक विश्राम शेड निर्माण कार्य हेतु स्वीकृति एवं आवश्यक राशि प्राप्त हुई है उन्होंने कार्य की प्रगति का अवलोकन किया और निर्देश दिए की अप्रारंभ कार्य तत्काल प्रारंभ कर दिए जाएं। बताया गया कि नर्मदापुरम हरदा और बैतूल जिले के कुछ स्थानों में कृषक विश्राम सेड निर्माण कार्य पूर्ण कर लिए गए हैं। कमिश्नर ने जल जीवन मिशन योजना के अंतर्गत हर घर नल कनेक्शन के कार्य की अद्यतन स्थिति की समीक्षा की। बताया गया कि हरदा जिले में शत प्रतिशत कार्य पूर्ण कर लिया गया है और सभी नल जल योजनाओं का 90 दिन का ट्रायल किया जा रहा है। 90 दिन के ट्रायल के बाद सर्टिफिकेशन किया जाएगा और नल जल योजना ग्राम पंचायत को हैंडोवर कर दी जाएगी। कमिश्नर ने नर्मदा पुरम एवं बैतूल जिले को भी जल जीवन मिशन योजना के अंतर्गत हर घर नल कनेक्शन का कार्य पूर्ण करने के निर्देश दिए। कमिश्नर ने सभी विभाग विशेष तौर पर शिक्षा विभाग जनजातीय कार्य विभाग एवं स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिए कि वह अपने कर्मचारियों की परिवीक्षाधीन अवधि पूर्ण होने के पश्चात उन्हें शासन द्वारा प्रदाय लाभ को दिलाना सुनिश्चित करें। साथ ही उन्होंने 10, 20, 30 साल की शासकीय सेवा पुरी कर चुके कर्मचारियों को समयमान वेतनमान, क्रमोन्नति आदि स्वीकृत कर उन्हें लाभ दिलाने के निर्देश दिए। कमिश्नर ने कहा कि कर्मचारियों का वेतन निर्धारण और उसका सत्यापन अनिवार्य रूप से कराया जाए। उन्होंने विभागीय परामर्शदात्री समिति की बैठक नियमित रूप से आयोजित करने के भी निर्देश दिए। कमिश्नर ने मत्स्य विभाग अंतर्गत विगत वित्त वर्ष के दौरान स्वीकृत फीश पार्लर निर्माण कार्य की प्रगति का अवलोकन किया। बताया गया कि इटारसी में तीन फीश पार्लर का निर्माण कार्य पूर्ण कर लिया गया है। पिपरिया में भी शीघ्र ही फीश पार्लर का निर्माण कार्य शुरू किया जाएगा। नर्मदापुरम में भूमि आवंटन नहीं होने के चलते अभी निर्माण कार्य अप्रारंभ है। मुख्यमंत्री सीखो कमाओ योजना की समीक्षा करते हुए कमिश्नर ने निर्देश दिए की शासन द्वारा प्राप्त लक्ष्य के अनुसार हितग्राहियों का चयन कर उन्हें लाभान्वित किया जाए। कमिश्नर ने कलेक्टर कार्यालय के अतिरिक्त अन्य जिला कार्यालयों, अनुविभागीय कार्यालयों, तहसील एवं विकासखंड स्तर के कार्यालयों में ई ऑफिस प्रणाली के तहत कार्य करने के निर्देश दिए और कहां की सभी कार्यालय में कर्मचारियों के अटेंडेंस सार्थक एक के माध्यम से ही लगाए जाएं। कमिश्नर ने आगामी सप्ताह में आने वाले पर्व एवं त्योहार के दौरान कानून व्यवस्था की स्थिति सुदृढ रखने के निर्देश दिए। बताया गया कि आने वाले सप्ताह में नर्मदा जयंती, राम जी बाबा का मेला एवं 15 फरवरी को चौरागड का मेला आयोजित किया जाएगा जिसमें सुरक्षा व्यवस्था चाक चौबंद रखी जाएगी। कमिश्नर निर्देश दिए कि सभी विभागीय अधिकारी निर्माण कार्य की स्वीकृति से लेकर निर्माण कार्य कंप्लीट करने तक अनावश्यक रूप से कोई भी देरी या ढिलाई न बरते। सभी कार्य समय सीमा में संपन्न किए जाएं। वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के दौरान नर्मदापुरम कलेक्टर सुश्री सोनिया मीना, हरदा कलेक्टर श्री सिद्धार्थ जैन, बैतूल कलेक्टर श्री नरेंद्र सूर्यवंशी ऑनलाइन तथा संयुक्त आयुक्त विकास श्री जी सी दोहर एवं अन्य संभागीय अधिकारी गण ऑफलाइन उपस्थित रहे।

कलेक्टर ने प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र उदयपुर का किया निरीक्षण

विदिशा (निप्र)। कलेक्टर श्री अंशुल गुप्ता ने आज विकास खण्ड गंज बासौदा के भ्रमण के दौरान प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र उदयपुर का निरीक्षण किया। निरीक्षण के समय उन्होंने ओपीडी, औषधि वितरण कक्ष, स्टोर रूम, लेबर रूम, कोल्ड चेन, एनसीडी क्लीनिक सहित स्वास्थ्य केन्द्र की समस्त शाखाओं का विस्तार से अवलोकन किया। कलेक्टर श्री गुप्ता ने स्वास्थ्य केन्द्र के रिकॉर्ड संधारण, उपलब्ध दवाओं की स्थिति एवं प्रदान की जा रही स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता की जानकारी ली। उन्होंने इस माह होने वाले प्रसवों तथा हाई रिस्क गर्भवती महिलाओं की सूची की समीक्षा करते हुए संबंधित स्टाफ को सतर्कता एवं समयबद्ध सेवाएं सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। साथ ही स्टॉक रजिस्टर का समुचित एवं अद्यतन संधारण किए जाने के निर्देश भी दिए गए। निरीक्षण के दौरान कलेक्टर ने अस्पताल के सभी वार्डों की साफ-सफाई व्यवस्था की सराहना की तथा इसे निरंतर इसी स्तर पर स्वच्छता बनाए रखने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि स्वच्छ एवं सुव्यवस्थित स्वास्थ्य संस्थान से ही गुणवत्तापूर्ण सेवाएं सुनिश्चित होती है। भ्रमण के दौरान खंड चिकित्सा अधिकारी गंज बासौदा डॉ. प्रमेन्द्र तिवारी ने जानकारी दी कि प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र उदयपुर से 39 ग्रामों के नागरिक स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ लेते हैं तथा यहां प्रतिमाह औसतन 15 से 20 प्रसव कराए जाते हैं।

संक्षिप्त समाचार

महिलाओं के आत्मनिर्भरता की दिशा में पहल

नर्मदापुरम (निप्र)। महिला बाल विकास विभाग तथा राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन के सहयोग से महिलाओं का एक माह का ब्यूटी पार्लर का प्रशिक्षण ग्रामीण स्वरोजगार प्रशिक्षण संस्थान नर्मदापुरम में प्रारंभ हुआ। प्रशिक्षण कोर्स में राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन एवं महिला बाल विकास विभाग नर्मदापुरम द्वारा घरेलू हिंसा से पीडित एवं गरीबी रेखा से नीचे जीवन यापन करने वाली महिलाओं एवं युवतियों का चयन किया गया। सोमवार को इस प्रशिक्षण कोर्स में सयुक्त संचालक महिला बाल विकास विभाग नर्मदापुरम श्रीमती तृप्ति त्रिपाठी ने प्रशिक्षणार्थियों को संबोधित किया तथा उपस्थित प्रशिक्षणार्थियों को ब्यूटी पार्लर तथा स्वास्थ्य से सम्बन्धित जानकारी दी। महिलाओं को स्वरोजगार के लिए सहायता उपलब्ध कराने का आश्वासन दिया। जिला प्रबंधक राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन श्रीमती अर्चना शुक्ला ने अपने संबोधन में प्रशिक्षणार्थियों को प्रशिक्षण को पूरी गंभीरता से नियमित लेने हेतु समझाईश दी। वन स्टाप सेंटर प्रशासक प्रतिभा बाजपेयी ने महिला हेल्पलाइन 181, वन स्टाप सेंटर की योजनाओं की जानकारी दी। आर सी टी समन्वयक श्रीमती खुशबू पराशर ने कार्यक्रम का संचालन किया। इस कार्यक्रम में व्यूटी पार्लर प्रशिक्षिका रजनी श्रीवास्तव, वन स्टाप सेंटर की केसवकर्र नेहा चण्डालिया, पूजा खरवार, आर से टी असिस्टेंट गौरव चौरे, हरीश चौरे उपस्थित रहे।

सेवानिवृत्त कर्मचारियों को पीपीओ प्रदाय कर सम्मानित किया गया

विदिशा (निप्र)। कलेक्टर श्री अंशुल गुप्ता ने सेवानिवृत्त अधिकारी, कर्मचारियों को सम्मानित किया है। सम्मान कार्यक्रम का आयोजन कलेक्ट्रेट के बेतवा सभागार में किया गया गया था। उक्त कार्यक्रम में सेवानिवृत्त हुए अधिकारी, कर्मचारियों को पीपीओ का वितरण कर स्मृति चिन्ह व पौधे भेट करते हुए माला पहनाकर सम्मानित किया है। कलेक्टर श्री अंशुल गुप्ता ने सेवानिवृत्त होने वाले कर्मचारियों को स्वस्थ्यवर्धक बने रहने की शुभकामनाएं अभिव्यक्त की है। जिला कोषालय अधिकारी श्री राजीव जैन, जिला पेंशन अधिकारी श्री रूपेन्द्र सिंह मरावी, सहायक पेंशन अधिकारी द्वय श्री कैलाश चक्रवर्ती और श्रीमती सोनम रघुवंशी, समेत अन्य विभागो के अधिकारी मौजूद रहे। दिसम्बर माह में सेवानिवृत्त होने वाले 21 कर्मचारियों में से 19 कर्मचारी सम्मान समारोह कार्यक्रम में उपस्थित हुए इन सबको कलेक्टर श्री अंशुल गुप्ता, जिला कोषालय अधिकारी, पेंशन अधिकारी व सहायक पेंशन अधिकारियों के द्वारा पेंशन अदायगी आदेश, उपादान अदायगी आदेश सेवानिवृत्त कर्मचारियों को सौंपे गए है। सेवानिवृत्त कर्मचारियों के उक्त सम्मान समारोह में सेवानिवृत्त होने वाले कर्मचारी उनके परिजन तथा जिला पेंशन कार्यालय के श्री जावेद खॉन समेत अन्य कर्मचारी मौजूद रहें।

नर्मदापुरम जिले में चाइना निर्मित मांझे के विक्रय एवं उपयोग पर पूर्ण प्रतिबंध

नर्मदापुरम (निप्र)। कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी नर्मदापुरम सुश्री सोनिया मीना ने भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता 2023 की धारा 163 के अंतर्गत प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए चाइना निर्मित मांझे के विक्रय एवं उपयोग पर प्रतिबंधात्मक आदेश पारित किया है। यह आदेश नर्मदापुरम जिले की संपूर्ण राजस्व सीमा क्षेत्र में तत्काल प्रभाव से लागू होगा। आदेश में उल्लेख किया गया है कि चाइना निर्मित मांझा मानव जीवन, विशेषकर राहगीरों, दोपहिया वाहन चालकों एवं पक्षियों के लिए अत्यंत घातक सिद्ध हो रहा है, जिससे गंभीर दुर्घटनाएं एवं जनहानि की आशंका बनी रहती है। उल्लेखनीय है कि उक्त प्रतिबंधात्मक आदेश विक्रय करने वाले दुकानदारों को संबोधित है अतः इसकी सूचना न्यायालय के सूचना पटल, समस्त अनुविभागीय दंडाधिकारी कार्यालय, पुलिस थाना, तहसील कार्यालय, जिला व्यापार एवं उद्योग विभाग, नगरपालिका परिषद कार्यालयों तथा अन्य प्रमुख सार्वजनिक स्थानों पर चस्पा कर प्रदर्शित करने के निर्देश दिए गए हैं।

जिले में विशेष ग्राम सभाओं का आयोजन

विदिशा (निप्र)। कलेक्टर श्री अंशुल गुप्ता द्वारा दिए गए निर्देशों के अनुपालन में जिले की ग्राम पंचायतों में विशेष ग्राम सभाओं का आयोजन किया जा रहा है। इन विशेष ग्राम सभाओं का उद्देश्य शासन की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी ग्रामीण नागरिकों तक पहुँचाना, उनकी समस्याओं को सुनना तथा स्थानीय स्तर पर विकास कार्यों की समीक्षा करना है। ग्राम सभाओं में ग्रामीणों को योजनाओं के लाभ, पात्रता एवं आवेदन प्रक्रिया की जानकारी दी जा रही है। साथ ही पेयजल, स्वच्छता, सड़क, शिक्षा, स्वास्थ्य, राशन वितरण, पीएम आवास, मनरेगा सहित अन्य विभागीय विषयों पर चर्चा कर प्राप्त सुझावों एवं शिकायतों का मौके पर निराकरण अथवा संबंधित विभागों को प्रेषण किया जा रहा है। कलेक्टर श्री अंशुल गुप्ता ने निर्देश दिए हैं कि ग्राम सभाओं में अधिक से अधिक ग्रामीणों की सहभागिता सुनिश्चित की जाए तथा सभी बिंदुओं की कार्यवाही विवरणिका तैयार कर समय-सीमा में पालन सुनिश्चित किया जाए। अधिकारियों एवं पंचायत प्रतिनिधियों को ग्राम स्तर पर जाकर संवाद स्थापित करने और शासन की मंशा के अनुरूप पारदर्शी एवं प्रभावी क्रियान्वयन पर विशेष ध्यान देने के निर्देश दिए गए हैं। विशेष ग्राम सभाओं के माध्यम से ग्रामीणों में जागरूकता बढ़ रही है तथा स्थानीय समस्याओं के त्वरित समाधान की दिशा में सकारात्मक पहल हो रही है। मंगलवार को आयोजित लंबित आवेदनों की समीक्षा बैठक में विभाग वार जिला अधिकारियों द्वारा ग्राम सभाओं की कार्यवाही में सम्मिलित होकर संपादित किए गए कार्यों व नवाचारों की जानकारी सांझा की गई है।

उद्योगों की गुणवत्ता एवं उत्पादकता बढ़ाने के उद्देश्य से सीहोर में ED कार्यशाला आयोजित

सीहोर (निप्र)। उद्योग विभाग एवं एडेप्ट एडीयूसेस प्राइवेट लिमिटेड द्वारा रैंप योजना के तहत एमएसएमई उद्योगों की गुणवत्ता, उत्पादकता एवं प्रतिस्पर्धात्मकता को बढ़ावा देने के उद्देश्य से सीहोर में जेड (जीरो डिफेक्ट जीरो इफेक्ट) कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला में उद्योग विभाग के अधिकारियों एवं अतिथियों ने एमएसएमई इकाइयों को सरकारी योजनाओं का लाभ उठाकर गुणवत्ता सुधार और बाजार विस्तार पर ध्यान देने का संदेश दिया। कार्यशाला में RAMP योजना के उद्देश्यों, लाभों तथा एमएसएमई के लिए उपलब्ध सहयोग के बारे में विस्तृत जानकारी दी गई।

इसके साथ ही जेड प्रमाणन के महत्व पर प्रकाश डालते हुए गुणवत्ता सुधार, लागत अनुकूलन एवं पर्यावरणीय प्रभाव कम करने के बारे में बताया गया। इसके साथ ही जेम एवं ओएनडीसी जैसे ई-मार्केटप्लेस प्लेटफॉर्म्स के

बारे में भी जानकारी दी गई। कार्यशाला में नवीन MSME नीति 2025, MP स्टार्टअप नीति तथा MP भूमि नियम 2025 के बारे में भी विस्तार से बताया गया।

इस कार्यशाला में सीहोर औद्योगिक क्षेत्र की लगभग 35 एमएसएमई विनिर्माण इकाइयों के प्रतिनिधियों ने सहभागिता की। प्रतिभागियों ने सत्रों को अत्यंत उपयोगी बताते हुए ZED प्रमाणन एवं RAMP योजना के माध्यम से अपने उद्योगों को सशक्त बनाने की प्रतिबद्धता व्यक्त की।

कार्यक्रम में महाप्रबंधक श्री अनुराग वर्मा, प्रबंधक श्री संदीप उइके, सहायक प्रबंधक श्री रामजी पटेल, औद्योगिक संघ मंडी अध्यक्ष श्री आलोक सरभाई, श्रीमती सुधा, श्री रविश पाठेकर, श्री हेमंत झा, श्री चंदन वाधवानी सहित अन्य प्रतिनिधि उपस्थित थे।

कलेक्टर ने जनसुनवाई के दौरान जनसामान्य की समस्याओं का किया समाधान

कुल 91 आवेदनों की हुई सुनवाई अनुपस्थित अधिकारियों पर कार्यवाही के प्रस्ताव तैयार किए जाने के दिए निर्देश

नर्मदापुरम (निप्र)। कलेक्टर सुश्री सोनिया मीना ने आयोजित जनसुनवाई में जिले के 91 आवेदकों की समस्याएं गंभीरता से सुनीं और संबंधित अधिकारियों को निराकरण के निर्देश दिए। जनसुनवाई के दौरान प्रधानमंत्री आवास योजना, अतिक्रमण, पेंशन एवं विभिन्न राजस्व प्रकरणों से जुड़े आवेदनों का कलेक्टर द्वारा समाधान किया गया। कलेक्टर ने पूर्व में दर्ज जनसुनवाई आवेदनों की भी समीक्षा करते हुए अधिक लंबितता वाले विभागों को निर्देशित किया कि वे एक सप्ताह के भीतर सभी लंबित आवेदनों पर कार्रवाई कर प्रतिवेदन प्रस्तुत करें तथा अद्यतन स्थिति पोर्टल पर अनिवार्य रूप से अपडेट करें। जनसुनवाई में अनुपस्थित अधिकारियों पर कलेक्टर ने सख्त नाराजगी व्यक्त करते हुए नियमानुसार कार्रवाई के लिए प्रस्ताव तैयार करने के निर्देश दिए। इस दौरान जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री हिमांशु जैन, एडीएम श्री राजीव रंजन पांडे, अपर कलेक्टर श्री अनिल जैन, श्री बृजेंद्र रावत, सिटी मजिस्ट्रेट श्री देवेंद्र सिंह सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत आवेदक को पात्रतानुसार लाभ उपलब्ध कराया जाए

जनसुनवाई के दौरान ग्राम पंचायत उन्द्राखेड़ी, तहसील नर्मदापुरम, निवासी राजीव चौरे ने प्रधानमंत्री आवास योजना का लाभ प्रदाय करने के लिए आवेदन दिया। जिस पर कलेक्टर ने जिला पंचायत सीईओ को शीघ्र सहायता प्रदान करने के लिए निर्देशित किया। एसडीएम सोहागपुर अतिक्रमण से संबंधित मामले में मौका मुआयना कर अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई करें ग्राम कलमेसरा तहसील सोहागपुर निवासी अभय राम, संतोष, सुनील एवं अन्य ने शिकायत की कि शासकीय मार्ग पर अतिक्रमण होने से किसानों को खेत पहुंचने में कठिनाई हो रही है। इस पर कलेक्टर ने एसडीम सोहागपुर को निर्देशित किया कि मौके का मुआयना कर रास्ते का सीमांकन करें तथा अतिक्रमण हटाने की आवश्यक कार्रवाई करें।

वृद्धा पेंशन बहाली हेतु आवश्यकता कार्यवाही करे माखननगर जनपद सीईओ

अन्य मामले में ग्राम कोटगाँव, माखननगर निवासी राधेकिशन यादव ने वृद्धा पेंशन बहाल करने के लिए आवेदन दिया। कलेक्टर ने जनपद पंचायत सीईओ को जांच कर वृद्धा पेंशन बहाल करने के लिए निर्देशित किया।

अन्य मामले जिन पर हुई सुनवाई

जनसुनवाई के दौरान नर्मदापुरम निवासी शांति कौशल ने पट्टा प्रदान किये जाने के संबंध में आवेदन दिया। जिस पर कलेक्टर ने प्रभारी अधिकारी राजस्व को आवश्यक कार्रवाई करने के निर्देश दिए। एक अन्य मामले में नर्मदापुरम निवासी नौशाद अली,पी.डब्लू.डी. में कार्यरत कर्मचारी ने वेतन ना मिलने के संबन्ध मे आवेदन दिया। जिस पर कलेक्टर ने लोक निर्माण विभाग अधिकारी को जांच कर सहायता प्रदान करने के लिए निर्देशित किया। इसी प्रकार इटारसी निवासी मालती सराठे ने उनके पति की दुर्घटना में मृत्यु के उपरांत आर्थिक सहायता प्रदान किये जाने हेतु आवेदन दिया। जिस पर कलेक्टर ने श्रम अधिकारी को उचित सहायता प्रदाय करने हेतु निर्देशित किया। इसी प्रकार कुल 91 आवेदकों की समस्याओं का समाधान कलेक्टर द्वारा जनसुनवाई के दौरान किया गया।

कलेक्टर श्री अंशुल गुप्ता का बासौदा विकास खंड भ्रमण

विदिशा (कलेक्टर श्री अंशुल गुप्ता ने आज बासौदा विकास खंड के मुरादपुर, उदयपुर और भिलाय ग्राम का भ्रमण कर शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं के क्रियान्वयन की स्थिति का जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने योजनाओं से लाभान्वित हितग्राहियों से प्रत्यक्ष संवाद कर उनके जीवन में आए सकारात्मक परिवर्तनों की जानकारी प्राप्त की तथा योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन पर संतोष व्यक्त किया। भ्रमण के दौरान कलेक्टर श्री गुप्ता ने क्षेत्र के स्कूलों एवं छात्रावासों का निरीक्षण कर शैक्षणिक गतिविधियों, अध्ययन व्यवस्था एवं विद्यार्थियों को प्रदाय की जा रही सुविधाओं की विस्तार से पूछताछ की। उदयपुर स्थित आदिवासी जूनियर बालक आश्रम शाला के निरीक्षण के समय विद्यार्थियों की उपस्थिति कम पाए जाने पर उन्होंने असंतोष व्यक्त किया। अधीक्षक एवं शिक्षक द्वारा संतोषजनक उत्तर प्रस्तुत नहीं किए जाने पर कलेक्टर ने अधीक्षक चैन सिंह चिढ़ार एवं शिक्षिका राजेश्वरी मरखेड़कर का एक दिवस का वेतन रोकने के निर्देश दिए। कलेक्टर श्री अंशुल गुप्ता ने उदयपुर में धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान अंतर्गत आयोजित विशेष शिविर का भी निरीक्षण किया। उन्होंने शिविर में आधार कार्ड निर्माण की प्रक्रिया तथा निर्धारित शुल्क के संबंध में जानकारी ली और पात्र नागरिकों को समयबद्ध सेवाएं प्रदान करने के निर्देश दिए। इसी दौरान उन्होंने शासकीय हाई स्कूल में अध्ययनरत छात्र-छात्राओं से संवाद कर अंग्रेजी विषय की पढ़ाई के संबंध में मार्गदर्शन दिया। कक्षा 9वीं की छात्रा कुमारी सोनिका मीणा द्वारा ब्लैक बोर्ड पर लिखे अंग्रेजी वाक्यांशों का निर्विघ्न वाचन किए जाने पर कलेक्टर ने उसकी सराहना करते हुए हौसला अफजाई की। इसके अतिरिक्त कलेक्टर ने उदयपुर में शासकीय उचित मूल्य दुकानों तथा सीसीबी बैंक शाखा के कार्यों का भी निरीक्षण किया। उन्होंने बैंक शाखा से संबद्ध 45 गांवों के किसानों को केसीसी (किसान क्रेडिट कार्ड) का शत-प्रतिशत वितरण हुआ है या नहीं, इसकी जानकारी ली। इस संबंध में विस्तृत परीक्षण एवं सूची तैयार कराने हेतु स्थानीय एसडीएम को निर्देश दिए कि पांच-पांच पटवारियों को बैंक शाखा में तैनात कर जांच कराई जाए। कलेक्टर श्री अंशुल गुप्ता ने कहा कि शासन की योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाना, शिक्षा की गुणवत्ता सुधारना तथा वित्तीय समावेशन सुनिश्चित करना प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि फील्ड स्तर पर सतत निगरानी रखते हुए समयबद्ध और गुणवत्तापूर्ण क्रियान्वयन सुनिश्चित किया जाए।

कलेक्टर ने मुरादपुर विद्यालय का निरीक्षण किया

पीएम पोषण शक्ति निर्माण योजना व निर्माण कार्यों की समीक्षा की

विदिशा (निप्र)। कलेक्टर श्री अंशुल गुप्ता ने आज बासौदा क्षेत्र के भ्रमण दौरान एकीकृत शासकीय माध्यमिक शाला मुरादपुर का निरीक्षण किया। इस अवसर पर उन्होंने विद्यालय में संचालित प्रधानमंत्री पोषण शक्ति निर्माण योजना की व्यवस्थाओं का जायजा लिया तथा विद्यार्थियों को वितरित किए जा रहे मध्यान्ह भोजन की गुणवत्ताए स्वच्छता एवं नियमितता की जानकारी प्राप्त की। कलेक्टर ने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि बच्चों को पौष्टिक एवं गुणवत्तापूर्ण भोजन निर्धारित मानकों के अनुसार नियमित रूप से उपलब्ध कराया जाए।

निरीक्षण के दौरान कलेक्टर श्री गुप्ता ने विद्यालय परिसर में चल रहे निर्माण कार्यों की प्रगति का जायजा लिया है। उन्होंने निर्माण कार्यों की गुणवत्ताए समय.सीमा तथा उपयोगिता पर विशेष ध्यान देते हुए कार्यदायी एजेंसी एवं संबंधित विभागीय अधिकारियों को निर्देश दिए कि निर्माण कार्य शीघ्र पूर्ण कराते हुए गुणवत्ता में किसी भी प्रकार की लापरवाही न बरती जाए। गौरतलब हो कि 37 लाख 70 की लागत से पंचायत भवन तथा 25 लाख की लागत से सामुदायिक भवन का निर्माण कार्य प्रगतिरत है। भ्रमण के दौरान कलेक्टर ने विद्यालय परिसर एवं आसपास उपस्थित स्थानीय रहवासियों से संवाद किया। उन्होंने नागरिकों की व्यक्तिगत एवं सर्वाजनिक समस्याएं सुनीं और उनके निराकरण के लिए संबंधित अधिकारियों को तत्काल आवश्यक निर्देश दिए। कलेक्टर ने समस्याओं के समाधान हेतु स्पष्ट समयावधि निर्धारित करते हुए निर्देशित किया कि तय समय.सीमा में निराकरण सुनिश्चित किया जाए तथा प्रकरणों की नियमित मॉनिटरिंग की जाए। कलेक्टर श्री अंशुल गुप्ता ने कहा कि शासन की योजनाओं का लाभ पात्र हितग्राहियों तक पहुंचाना तथा जनसमस्याओं का समयबद्ध समाधान प्रशासन की प्राथमिकता है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि फील्ड स्तर पर जाकर योजनाओं के क्रियान्वयन की सतत समीक्षा की जाए और आमजन से सीधे संवाद स्थापित कर समस्याओं का प्रभावी समाधान किया जाए। कलेक्टर श्री गुप्ता ने कुम्हारों के लिए मिट्टी खोदने के लिए स्थल का चिन्हांकन करने के निर्देश दिए और कृषक श्री उधम सिंह कुशवाह की पीएम सम्मान निधि की पिछली किस्त क्यों नहीं मिल पाई के कारणों को जाना तथा आश्रित गांव मुर्तजा में बिगड़े हैंडपंप को ठीक कराने तथा मोती नाला में नवीन हैंडपंप खनन कराने के निर्देश दिए हैं।

यासीन मछली को हाईकोर्ट से झटका, नहीं मिली जमानत

विधानसभा में फर्जी प्रवेश पास से जुड़ा मामला गाड़ी में लगाया था फर्जी पास

जबलपुर (नप्र)। मध्यप्रदेश विधानसभा में फर्जी प्रवेश पास को लेकर अंदर दाखिल होने पर यासीन अहमद उर्फ मछली को मध्य प्रदेश हाईकोर्ट से बड़ा झटका लगा है। हाईकोर्ट ने इस मामले की गंभीरता और उसके आपराधिक रिकार्ड के मद्देनजर मछली की जमानत याचिका को ठुकरा दिया है। हाईकोर्ट ने सुनवाई के दौरान यह भी पाया कि यासीन मछली गाड़ी में फर्जी विधानसभा का पार्किंग पास लगाकर घूमता था। यासीन अहमद उर्फ मछली की इस हरकत के बाद भोपाल के अरेरा थाना पुलिस ने उसके खिलाफ मामला दर्ज करते हुए गिरफ्तार किया था।

दरअसल भोपाल पुलिस की गिरफ्तारी के बाद आरोपी ने जमानत याचिका हाईकोर्ट में दायर की थी। आरोपी मछली विधानसभा का फर्जी पत्रकार पार्किंग पास निजी वाहन में इस्तेमाल करता था, जिस पर भोपाल पुलिस ने उसे गिरफ्तार किया था। जस्टिस प्रमोद कुमार अग्रवाल की एकलपीठ ने कहा कि यह मामला सीधे विधानसभा की सुरक्षा से जुड़ा है, इसलिए इसे गंभीरता से लिया जाना चाहिए।

भोपाल के अरेरा हिल्स थाना क्षेत्र में दर्ज अपराध क्रमांक 131/2025 से संबंधित है। अभियोजन के मुताबिक, 25 जुलाई 2025 को प्राप्त शिकायत के बाद जांच शुरू की गई थी। जांच में सामने आया कि दिसंबर 2024 के विधानसभा सत्र के लिए पत्रकार गौरव शर्मा के नाम से जारी पार्किंग पास क्रमांक 433 को आरोपी यासीन अहमद उर्फ मछली ने कथित रूप से छेड़छाड़ कर अपनी निजी कार (एमपी 04 जेड एल 0999) में लगा लिया। जबकि यह पास किसी अन्य वाहन के लिए वैध रूप से जारी किया गया था।

भोपाल ग्रामीण के 12 हजार 785 उपभोक्ताओं को दिसंबर माह में 15 लाख 76 हजार की छूट

भोपाल (नप्र)। मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी द्वारा कंपनी कार्यक्षेत्र के अंतर्गत 4 लाख 29 हजार 935 स्मार्ट मीटर उपभोक्ताओं को उनके मासिक विद्युत बिल में टाइम ऑफ डे (टीओडी) छूट का लाभ प्रदान करते हुए दिसंबर 2025 में कुल 2 करोड़ 71 लाख 72 हजार की रियायत प्रदान की गई है। इसमें भोपाल ग्रामीण वृत्त के 12 हजार 785 उपभोक्ताओं को 15 लाख 76 हजार रूपए की दिन के टैरिफ में छूट मिली है। कंपनी द्वारा स्मार्ट मीटर उपभोक्ताओं को उनकी खपत के आधार पर टाइम ऑफ डे (टीओडी) छूट के तहत यह रियायत प्रदान की गई है।

शराब पीकर बच्चों को पढ़ाने पहुंचा टीचर

क्लास में बोला- तुम जानवर हो, मुझे नहीं पहचानते बीईओ ने कहा- जांच के बाद कार्रवाई करेंगे

खरगोन (नप्र)। खरगोन में एक टीचर शराब के नशे में ही स्कूल पहुंच गया। बच्चों को पढ़ाने भी लगा। उसने स्टूडेंट्स से कहा- तुम जानवर हो, मुझे नहीं पहचान पा रहे हो। मैं मेरे बेटे को भी नहीं छोड़ता हूं, जिसे जन्म दिया है। मेरा कोई भी कुछ नहीं बिगाड़ सकता है।

शिक्षक केशव शारदे की इस हरकत से क्लास के बच्चे असहज नजर आए। कई छात्र छुट्टी से पहले ही स्कूल छोड़कर चले गए। छात्रों के जाने के बाद शिक्षक भी लड़खड़ाते हुए उनके पीछे जाने लगे। मामला डोंगरचिचली के सरकारी स्कूल का है। 6 जनवरी की इस घटना का वीडियो शुक्रवार को सामने आया है।

ग्रामीण बोले- गालीगलौज करते हैं टीचर- स्थानीय ग्रामीण सुभाष पटेल और सरपंच प्रतिनिधि प्रकाश मकवाने ने कहा- शिक्षक केशव शारदे के व्यवहार से स्कूल का माहौल बिगड़ गया है। वे अक्सर शराब पीकर गांव में घूमते रहते हैं। गाली-गलौज भी करते हैं।

इसके अलावा, एक अन्य टीचर रामचंद्र पाटीदार 4 जनवरी को शीतकालीन अवकाश समाप्त होने के बाद भी गैरमौजूद थे।

बीईओ ने कहा- कार्रवाई की जाएगी- खरगोन बीईओ विष्णु पाटीदार ने कहा- ग्रामीणों और पंचायत प्रतिनिधियों द्वारा भेजा गया पंचनामा मिला है। मामले में जांच समिति गठित कर दी गई है। इसमें संकुल प्राचार्य, जनशिक्षक और बीआरसी को शामिल किया गया है। समिति से प्रतिवेदन मांगा गया है, जिसके आधार पर आगे की कार्रवाई तय की जाएगी।

बंगाल में ईडी की कार्रवाई पर सिंधिया का बयान, गुना में बोले-

जनसेवा के पथ पर केंद्र सरकार म्याना-पागरा में ट्रेन स्टॉपेज शुरू किया

गुना (नप्र)। गुना में केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने पश्चिम बंगाल में ईडी की रेड के बाद ममता बनर्जी के विरोध करने पर प्रतिक्रिया दी है। गुरुवार को उन्होंने ममता बनर्जी पर कहा प्रजातंत्र है। उनको करना है, जो उनको करना है। केंद्र सरकार को करना है, जो जनसेवा का पथ है। प्रधानमंत्री के नेतृत्व में पूरे देश ने एक-एक व्यक्ति को नयी योजनाएं पहुंचाना, उनको विश्व के साथ जोड़ने का प्रयोग, उनको आगे बढ़ाना।

विकसित भारत 2047 के लक्ष्य की पूर्ति करना। जिन लोगों को अब डर लगने लगा है, क्योंकि जनता की अदालत का समय आ चुका है। शायद यही प्रयोग उनका कार्ड हो। पर ये भी नहीं चलने वाला जनता की अदालत में।

आप कल्पना कर सकते हो, जिस देश में आज वंदे भारत ट्रेन चल रही है, आने वाले दो साल के अंदर समुद्र के अंदर से, जमीन के अंदर सुरंग बनाकर मुंबई से अहमदाबाद तक बुलेट ट्रेन चलेगी। ऐसी बुलेट ट्रेन जो हवाई जहाज की रफ्तार से ज्यादा स्पीड पर चलेगी।

केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया गुरुवार को गुना के दौरे पर रहे। उन्होंने म्याना में भोपाल-ग्वालियर इंटरसिटी और पगारा में भोपाल-जोधपुर एक्सप्रेस के स्टॉपेज का शुभारंभ किया। हरी-झंडी दिखाकर दोनों ट्रेनों को रवाना किया। कार्यक्रम में प्रदेश के ऊर्जा मंत्री प्रद्युम्न सिंह तोमर, भाजपा जिलाध्यक्ष धर्मेंद्र सिकरवार, जिला पंचायत अध्यक्ष अरविंद धाकड़, पूर्व मंत्री महेंद्र सिंह सिसोदिया सहित अन्य अतिथि उपस्थित रहे।

म्याना रेलवे स्टेशन पर केंद्रीय मंत्री ने आमसभा को भी संबोधित किया। वह बोले मुझे बहुत लोग कह रहे थे कि ठंडी बहुत है। तो मैंने कहा कि ग्वालियर चंबल संभाग में ठंडी पड़ती है तो ऐसी पड़ती है, जो जम्मू कश्मीर से भी ज्यादा ठंडी पड़ती है। जब गर्मी पड़ती है, तो 50 डिग्री की गर्मी पड़ती है।

नई एसओआर पॉलिसी लागू न करने पर भड़के एमपीआरडीसी एमडी

इंजीनियरों को लगाई फटकार, कहा- भविष्य में इस तरह की शिकायतें सामने नहीं आनी चाहिए

भोपाल (नप्र)। लोक निर्माण विभाग के जिलों और डिवीजन में पदस्थ अभियंताओं द्वारा छह माह पहले लागू की गई नई एसओआर (शेड्यूल ऑफ रेट) पॉलिसी को नजरअंदाज कर पुराने एसओआर के आधार पर काम कराए जाने पर सड़क विकास निगम के प्रबंध संचालक भरत यादव ने कड़ा रुख अपनाया है। मामले की जानकारी मिलते ही एमपीआरडीसी के एमडी ने ऐसे अधिकारियों को जमकर फटकार लगाई और स्पष्ट निर्देश दिए कि अब किसी भी हालत में पुराने एसओआर पर काम नहीं होना चाहिए। एमडी ने अधिकारियों को चेतावनी देते हुए कहा कि भविष्य में इस तरह की शिकायतें सामने नहीं आनी चाहिए। सभी इंजीनियर नई एसओआर के तहत ही कार्य कराएं और समयबद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण काम करें।

टाइम लिमिट की बैठक में उठा मुद्दा

टाइम लिमिट शुक्रवार को आयोजित बैठक के दौरान एमडी भरत यादव ने विभागीय अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि मुख्यमंत्री द्वारा सड़कों से संबंधित की गई सभी घोषणाओं पर तुरंत कार्रवाई की जाए। इसके लिए बजट प्रोविजन की प्रक्रिया शीघ्र शुरू की जाए, ताकि चालू वित्त वर्ष में ही संबंधित परियोजनाओं का कार्य प्रारंभ किया जा सके।

उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री द्वारा घोषित प्रोजेक्ट्स के लिए न केवल वर्तमान वित्त वर्ष में काम शुरू हो, बल्कि आगामी वित्तीय बजट में भी इसके लिए आवश्यक प्रावधान किए जाएं। इसी तरह की कार्रवाई मुख्य सचिव के मॉनिटरिंग मामलों में भी अनिवार्य रूप से की जाए।

अनुमति मांगने पर नाराज हुए एमडी

बैठक के दौरान जब कुछ जिलों और डिवीजन के इंजीनियरों ने पुराने एसओआर के आधार पर काम कराने की अनुमति मांगी, तो एमडी यादव ने नाराजगी जाहिर की। उन्होंने स्पष्ट कहा कि जब नई एसओआर पॉलिसी छह माह पहले ही लागू हो चुकी है, तो पुराने दरों पर काम कराने का कोई औचित्य नहीं है। उन्होंने दो टूक कहा कि सभी कार्य नई एसओआर के अनुसार ही कराए जाएं और गुणवत्ता से किसी भी तरह का समझौता नहीं किया जाएगा।

शरीर पर केले का पत्ता सिर पर सागौन की टोपी

मुआवजे के लिए किसानों ने किया अनोखा प्रदर्शन

बुरहानपुर (नप्र)। मध्यप्रदेश के बुरहानपुर में पंगरी मध्यम सिंचाई परियोजना से प्रभावित किसानों ने केले के पत्ते शरीर पर लपेटकर प्रदर्शन किया। किसानों ने अपने सिर पर सागौन के पत्ते पहन रखे थे। किसानों ने बताया कि वे अपनी अधिग्रहित भूमि के लिए भूमि अधिग्रहण अधिनियम, 2013 के नियमों के मुताबिक दोगुना मुआवजा के हकदार हैं, जिसे सरकार पूरा नहीं कर रही है। पिछले तीन सालों से उनकी जायज मांगों पर कोई ध्यान नहीं दिया जा रहा है।

गांधीवादी तरीके से प्रदर्शन- प्रदर्शनकारियों का कहना है कि गांधीवादी सिद्धांतों पर आधारित उनका शांतिपूर्ण प्रदर्शन चलता रहेगा। अब उन्हें सिर्फ आश्वासन नहीं चाहिए। किसानों के विरोध पर तुलसी राम सिलावट ने कहा कि सरकार किसानों की मांगों पर गंभीरता से विचार कर रही है। इस पर जल्द फैसला होगा।

पंगरी सिंचाई परियोजना का विरोध- बुरहानपुर में पंगरी सिंचाई परियोजना के प्रभावित किसान पिछले तीन साल से लगातार धरना-प्रदर्शन कर रहे हैं। इन किसानों की जमीन सिचाई परियोजना के लिए ली गई थी। तब उन्हें मुआवजा भी मिला था, जिसे वह नियम के मुताबिक नहीं मानते हैं।

किसानों का कहना है कि बिना पारदर्शिता, सहमति और उचित मुआवजे के जमीन नहीं ली जा सकती। भूमि अधिग्रहण और पुनर्वास अधिनियम 2013 गांव की जमीनों पर भी लागू होता है। इस नियम के मुताबिक उन्हें अधिग्रहित जमीन के लिए दोगुना मुआवजा मिलना चाहिए। उन्होंने प्रशासन से बार-बार गुहार लगाई है, लेकिन उनकी मांगों पर कोई सुनवाई नहीं हुई है।

बुरहानपुर के दौरे पर थे मंत्री- यह विरोध प्रदर्शन ऐसे समय में हुआ जब जिले के प्रभारी मंत्री और जल संसाधन मंत्री तुलसीराम सिलावट बुरहानपुर आए हुए थे। इस आंदोलन का नेतृत्व कर रहे डॉ. रवि कुमार पटेल ने सरकार पर अपनी जिम्मेदारियों को कम करने का आरोप लगाया। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार किसानों को आदिवासियों की तरह रखना चाहती है, जिनके पास स्वास्थ्य, शिक्षा, सुविधाएं या भोजन, वस्त्र और आश्रय जैसी बुनियादी जरूरतें भी न हों। इसीलिए प्रशासन भी अधिग्रहण के मुद्दे को कम मुआवजे में निपटाने की कोशिश कर रहा है।

मुख्यमंत्री ने पूर्व गृहमंत्री बच्चन की सुपुत्री के निधन पर जताया शोक

भोपाल (नप्र)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने पूर्व गृहमंत्री एवं पूर्व नेता प्रतिपक्ष श्री बाला बच्चन की बेटी एवं उनके दो साथियों के आकस्मिक निधन पर गहन दुख व्यक्त किया है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बाबा महाकाल से दिवंगतों को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए उनकी आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की है।

पूर्व गृहमंत्री श्री बच्चन की बेटी सुश्री प्रेरणा बच्चन और उनके दो साथियों का शुक्रवार को इंदौर में एक सड़क हादसे में निधन हो गया। दुर्घटना में घायल हुई सुश्री अनुष्का राठी का उपचार जारी है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने उनके शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की है।

मध्य प्रदेश ने टीबी निदान में हासिल की बड़ी उपलब्धि

राज्य की 3 प्रयोगशालाओं को नई टीबी दवाओं की जाँच के लिए राष्ट्रीय प्रमाणन

भोपाल। मध्य प्रदेश ने क्षय रोग (टीबी) उन्मूलन की दिशा में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर हासिल किया है। राष्ट्रीय क्षय उन्मूलन कार्यक्रम (एनटीईपी) के अंतर्गत राज्य की तीन प्रमुख प्रयोगशालाओं–आयरएल भोपाल, एमआरटीबी इंदौर एवं जीआरएमसी ग्वालियर को नई एवं अत्यंत महत्वपूर्ण टीबी दवाओं बेडाक्विलिन (बीडीक्यू) और प्रेटोमैनिड (पीटीएम) के लिए लिक्विड कल्चर ड्रग ससेप्टिबिलिटी टेस्टिंग (एलसी डीएसटी) करने का राष्ट्रीय स्तर का प्रमाणन प्राप्त हुआ है। यह प्रमाणन सुप्रा नेशनल रेफरेंस लेबोरेटरी (एसएनआरएल), एनआईआरटी चेन्नई एवं केंद्रीय क्षय प्रभाग (सीटीडी) द्वारा प्रदान किया गया है। उल्लेखनीय है कि ये प्रयोगशालाएँ देश की उन शुरुआती 15 प्रयोगशालाओं में शामिल हो गई हैं, जहाँ यह अत्यंत जटिल और महत्वपूर्ण जाँच संभव हो पाई है। यह परीक्षण केवल बायोसेफ्टी लेवल-3 (बीएसएल-3) प्रयोगशालाओं में ही किया जा सकता है। इससे पूर्व पूरे देश में केवल एनआईआरटी चेन्नई ही इस परीक्षण के लिए प्रमाणित था, जिसके कारण राष्ट्रीय स्तर पर मरीजों की आवश्यकता को पूरा करना व्यवहारिक रूप से कठिन था।

उप मुख्यमंत्री श्री राजेन्द्र शुक्ल ने कहा कि मध्य प्रदेश ने टीबी के विरुद्ध लड़ाई में एक और मजबूत कदम बढ़ाया है। राज्य की तीन प्रयोगशालाओं को नई पीढ़ी की टीबी दवाओं की जांच के लिए राष्ट्रीय प्रमाणन मिलना, हमारे स्वास्थ्य तंत्र की क्षमता, वैज्ञानिक दक्षता और प्रतिबद्धता को दर्शाता है। इससे दवा-प्रतिरोधी टीबी के मरीजों को समय पर सटीक उपचार मिलेगा और टीबी मुक्त भारत के लक्ष्य को प्राप्त करने में मध्य प्रदेश अग्रणी भूमिका निभाएगा। राज्य सरकार इस दिशा में सभी आवश्यक संसाधन एवं तकनीकी सहयोग सुनिश्चित करती रहेगी।

मध्य प्रदेश ने टीबी के विरुद्ध लड़ाई में उठाया एक और मजबूत कदम : उप मुख्यमंत्री शुक्ल

इस प्रमाणन के माध्यम से अब इन प्रयोगशालाओं में माइकोबैक्टीरियम ट्यूबरक्लोसिस पर बीडीक्यू एवं पीटीएम दवाओं की प्रभावशीलता की सटीक जाँच संभव होगी। इससे दवा-प्रतिरोधी टीबी के मरीजों के उपचार में समय पर सही दवा व्यवस्था तय की जा सकेगी, उपचार परिणाम बेहतर होंगे तथा दवा प्रतिरोध के फैलाव को रोकने में भी मदद मिलेगी। नई बी-पाम उपचार योजना के प्रभावी क्रियान्वयन के साथ इन प्रयोगशालाओं का प्रमाणन टीबी उन्मूलन के प्रयासों को और अधिक सशक्त बनाएगा तथा मरीजों को आधुनिक, सटीक एवं प्रभावी उपचार उपलब्ध कराने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

महिला को शादी का झांसा देकर 3 साल तक शोषण, नाम छुपाया

तिलक नगर थाने में महिला ने दर्ज कराई शिकायत

इंदौर। तिलक नगर क्षेत्र में महिला के साथ शादी का झांसा देकर लंबे समय तक शारीरिक शोषण, धोखाधड़ी और धमकी देने का गंभीर मामला सामने आया है। पीड़िता ने आरोपी सलमान खान उर्फ अजय के खिलाफ थाने में लिखित शिकायत दर्ज कराते हुए सख्त कार्रवाई की मांग की है।

पीड़िता निजी क्षेत्र में काम करती है। उसकी आरोपी से 5-6 साल पहले इंस्टाग्राम के जरिए दोस्ती हुई थी। आरोपी ने खुद को अजय बताया। बातचीत बढ़ने के साथ दोनों के बीच नजदीकियां बढ़ गई। महिला ने शुरूआत में ही आरोपी को बता दिया था कि वह शादीशुदा होकर तीन बच्चों की मां है। कई वर्षों से पति से अलग रह रही है। यह जानने के बावजूद आरोपी ने शादी करने और बच्चों को अपनाने का भरोसा दिया। आरोपी ने शादी के लिए कुछ समय मांगा और इसी दौरान दोनों के बीच शारीरिक संबंध बने। पीड़िता का आरोप है कि इस दौरान आरोपी ने उससे पैसे भी लिए।

हरियाणा के सोनीपत ले गया

तीन साल पहले जब आरोपी पीड़िता को हरियाणा के सोनीपत ले गया, तब उसके मोबाइल पर बार-बार युवती के फोन आने लगे। शक होने पर पता चला कि आरोपी का असली नाम सलमान खान है और उसके भी तीन बच्चे हैं। उसने अपनी पहचान और धर्म छुपाकर संबंध बनाए थे। सच्चाई सामने आने पर आरोपी ने पत्नी को छोड़ने और उससे शादी करने की बात कही, लेकिन धर्म परिवर्तन का दबाव भी बनाया। इसके बाद पीड़िता इंदौर लौट आई। पीड़िता ने बताया कि 1 सितंबर को आरोपी इंदौर आया और होटल में बुलाकर फिर शोषण किया। पुलिस ने जांच शुरू कर दी है।

9वीं की छात्रा ने फांसी लगाकर आत्महत्या की

इंदौर। दो माह पहले स्कूल छोड़ चुकी 9वीं की छात्रा ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। घटना के समय माता पिता खजराना मंदिर दर्शन करने और भाई बाजार खरीदारी करने गया था। भाई जब घर लौटा तो बहन को फंदे पर लटका देखा। तत्काल फंदे से उतारकर अस्पताल लेकर पहुंचा, जहां डॉक्टरों ने छात्रा को मृत घोषित कर दिया।

जानकारी मिलते ही पंढरीनाथ पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू की। पुलिस को सुसाइड नोट नहीं मिला है। पुलिस के अनुसार, जमना नगर में रहने वाली वर्षा पचोरे ने अपने घर में फांसी लगाई। घटना के समय वह घर पर अकेली थी। पिता दिनेश ने बताया कि बेटी नौवीं कक्षा में पढ़ाई कर रही थी। वह स्कूल नहीं जा रही थी। जब उससे पूछा गया तो कहा कि अब पढ़ाई में मन नहीं लगता, इसलिए वह घर पर ही रहती थी। बुधवार को वर्षा को उसकी मां ने घर के काम निपटाने के लिए कहा था, तब उसने कहा कि वह सभी काम कर देगी। वर्षा की छोटी बहन का निधन तीन साल पहले बीमारी के चलते हो चुका है, जबकि बड़ी बहन की शादी हो चुकी है। वर्षा सबसे छोटी थी। उनके पिता पेशे से मजदूर हैं। पुलिस ने छात्रा का मोबाइल जब्त कर लिया है, ताकि मैसेज और काल डिटेल से आत्महत्या को लेकर जानकारी मिल सके।

जेसीबी मालिक को ठगों से मिली लिंक, आईटी इंजीनियर से 6.58 लाख ठगे

20 प्रतिशत फायदे का लालच देकर 8 लाख की ठगी, सपने दिखाकर लूट

इंदौर। एरोड्रम थाना क्षेत्र में रहने वाले के साथ ऑनलाइन ठगी का मामला सामने आया। पीड़ित से नवंबर 2025 में संपर्क कर आरोपियों ने कई ट्रांजेक्शन के जरिए 8 लाख 24 हजार रुपए अपने खातों में ट्रांसफर करवा लिए। पीड़ित ने पहले साइबर हेल्पलाइन पर शिकायत की, इसके बाद मामला एरोड्रम पुलिस को सौंपा।

अंबिकापुर निवासी प्रवीण सोनी की शिकायत पर अज्ञात मोबाइल धारक के खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई। प्रवीण जेसीबी संचालन का काम करते हैं। उन्होंने फेसबुक पर काम से जुड़ा अपना कार्ड डाला था। नवंबर में उनके पास एक व्हाट्सएप नंबर से लिंक आया, जो कंगन शॉप के नाम से था। इसमें 20 प्रतिशत मुनाफे का दावा किया गया। जब प्रवीण ने उस नंबर पर कॉल किया, तो एक महिला ने उन्हें ऑनलाइन काम का प्लान समझाया और बताया कि भुगतान करने पर ऑनलाइन सामान मिलेगा, जिस पर 20 प्रतिशत लाभ होगा। इसके बाद प्रवीण ने 'वैभवी स्टोर' के नाम से कंगन शॉप पर ऑनलाइन शॉप खोली।

करीब 8 लाख रुपए जमा कराए

5 दिसंबर से 22 दिसंबर के बीच प्रवीण से फोन-पे और गूगल-पे के जरिए कुल 8 लाख 24 हजार रुपए जमा करवाए गए। शुरुआत में खाते में मुनाफा दिखाया गया, लेकिन जब रकम निकालने की कोशिश की गई तो मना कर दिया गया। बाद में खाता ब्लॉक हो गया, जिससे उन्हें ठगी का शक हुआ। इसके बाद उन्होंने साइबर हेल्पलाइन पर शिकायत की। 5 जनवरी के आसपास जिस महिला ने संपर्क किया था, उसने अपना मोबाइल नंबर भी ब्लॉक कर दिया। बुधवार को एरोड्रम थाने में एफआईआर दर्ज की गई।

ट्रायल रूम से चोर जेवर ले उड़ा

इंदौर। पलासिया थाना क्षेत्र में नामी डिजाइनर बुटीक से आभूषण चोरी होने का मामला सामने आया है। चोर ने बड़ी चालाकी से बुटीक के ट्रायल रूम में रखे जेवरात पर हाथ साफ कर दिया। बुटीक संचालिका प्रियंका जैन ने बताया कि ट्रायल रूम में ड्रेसिंग टेबल की दराज में रखी ज्वेलरी कुछ ही देर में गायब हो गई। पुलिस को शक है कि किसी ग्राहक या संदिग्ध व्यक्ति ने मौका देखकर वारदात को अंजाम दिया है।

पिस्टल के साथ पकड़ाया

जूनी इंदौर थाना पुलिस ने रेलवे स्टेशन क्षेत्र में घेराबंदी कर युवक को देशी पिस्टल और दो जिंदा कारतूस के साथ पकड़ा। पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली थी कि सैफी नगर रेलवे स्टेशन के पास युवक हथियार लेकर संदिग्ध हालत में घूम रहा है। पुलिस ने यहां से शेखर जाटव को गिरफ्तार किया। आरोपी ने पूछताछ में हथियार खरगोन के सिकलीगर से लाना कबूला।